हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 21.02.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 210 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

रेखा गुप्ता के सिर पर सजा दिल्ली का ताज, छह विधायकों ने भी ली मंत्री पद की शपथ

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली के शालीमार बाग से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की। दिल्ली के रामलीला मैदान में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें शपथ दिलाई। भाजपा ने 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है।इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह सहित कई कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। रेखा गुप्ता दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। शपथ ग्रहण समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीयमंत्री ललन सिंह, बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व अन्य नेता भी मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आज दिल्ली की सत्ता में 27 साल बाद वापसी हो गई। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ की पूर्व अध्यक्ष और पहली बार विधायक चुनी गईं रेखा गुप्ता दिल्ली की बागडोर संभालने वालीं नौवीं मुख्यमंत्री बन गईं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित भव्य और दिव्य समारोह में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। रेखा गुप्ता ने हिंदी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड श्रेणी सुरक्षा प्रदान की गई है। उनके घर के बाहर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रेखा गुप्ता के साथ प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंदर इन्द्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह को मंत्री पद की शपथ दिलाई। रेखा गुप्ता दिल्ली में मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज के बाद भाजपा की चौथी मुख्यमंत्री बनी हैं। इसके साथ ही वो वर्तमान में भाजपा शासित किसी भी राज्य में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री भी बन गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इनके अलावा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बने। दिल्ली भाजपा विधायक दल की बैठक में 19 फरवरी को 50 वर्षीय रेखा गुप्ता को नेता चुना गया। उन्होंने इसके बाद उपराज्यपाल वीके सक्सेना से राज निवास में मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 70 में से 48 सीटों पर जीत हासिल कर आम आदमी पार्टी के लंबे शासन का अंत किया है। रेखा गुप्ता ने 1992 में दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज से पढ़ाई के दौरान ही छात्र राजनीति में कदम रखा। वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से भी जुड़ी रही हैं। राष्ट्रीय राजधानी के रामलीला मैदान में एक बार फिर इतिहास रचा गया। दिल्ली की सत्ता से 27 साल से बाहर रही भारतीय जनता पार्टी ने जबरदस्त वापसी करते हुए इस बार भी मुख्यमंत्री पद पर महिला को मौका दिया। रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस समारोह की गवाह बनने के लिए दिल्ली के साथ-साथ हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से भी महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंचीं। उपराज्यपाल वीके सक्सेना रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला रहे थे, उस समय महिलाओं का जोश भी हाई था। महिलाओं ने भाजपा के झंडे को लहराते हुए जय श्री राम का उद्घोष कर अपनी खुशी को जाहिर किया। वैसे तो शपथ ग्रहण समारोह का समय साढ़े 12 बजे का था लेकिन लोग इसके साक्षी बनने सुबह 10 बजे से ही पहुंचने लगे। केसरियां रंग के झंडों से पूरा मैदान सराबोर नजर आ रहा था। सभी गेट पर बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ लोग कई मीटर दूर से पैदल चले आ रहे थे।

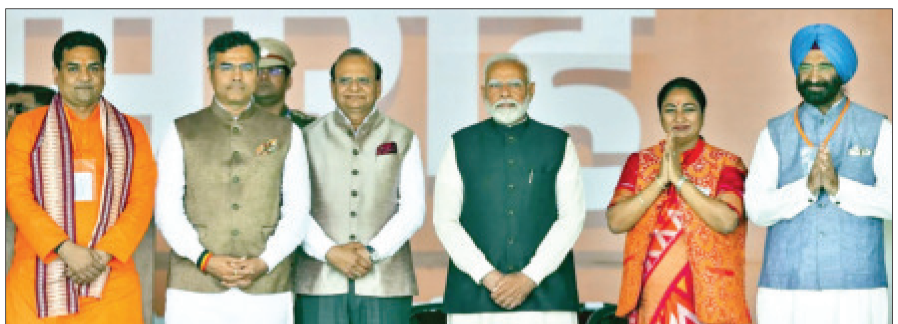

- रेखा गुप्ता : वित्त, गृह, विजिलेंस और प्लानिंग
- प्रवेश वर्मा : शिक्षा, परिवहन और पीडब्ल्यूडी
- मनजिंदर सिंह सिरसा : स्वास्थ्य, अर्बन डेवलपमेंट और इंडस्ट्री
- कपिल मिश्रा : जल, पर्यटन और संस्कृति
- रविंद्र इंद्राज सिंह : समाज कल्याण, एससी-एसटी मामले और श्रम
- पंकज कुमार सिंह : विधि, विधायी कार्य और आवास
- आशीष सूद : राजस्व, पर्यावरण, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति

एक नजर

एकनाथ शिंदे की गाड़ी को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की गाड़ी को बम से उड़ाने की धमकी ई-मेल के माध्यम से मिली है। मुंबई पुलिस की टीम इस धमकी भरे ई-मेल भेजने वाले की गहन छानबीन कर रही है। मुंबई पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की गाड़ी को बम से उड़ाने संबंधी धमकी भरा ई-मेल गोरेगांव पुलिस स्टेशन में अज्ञात शख्स ने भेजा था। इसकी जानकारी मिलते ही इस ई-मेल को भेजने वाले के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इसी तरह का ई-मेल आज फिर से मंत्रालय और जेजे मार्ग पुलिस स्टेशन में भी आया है। इसलिए इस तरह का ई-मेल भेजने वालों की छानबीन की जा रही है। इसके साथ ही एकनाथ शिंदे की सुरक्षा की समीक्षा भी की गई है। इससे पहले जनवरी में एक 24 साल के युवक ने सोशल मीडिया पर एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी दी थी।

यूएसएड पर श्वेतपत्र जारी करे केन्द्र सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) को भारतीय चुनावों के लिए 21 मिलियन डॉलर के फंड पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विस्मयकारी टिप्पणी को बेतुका बताया है। हालांकि ट्रंप के बयान पर कांग्रेस ने केन्द्र सरकार से इस मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में कहा कि 'यूएसएड' इन दिनों काफी चर्चा में है। इसकी स्थापना 03 नवंबर 1961 को हुई थी। वैसे तो अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए जा रहे दावे कम से कम कहने के लिए तो बेतुके हैं, फिर भी, भारत सरकार को जल्द से जल्द एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए, जिसमें दशकों से ह्ययूएसएडह्ण द्वारा सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों को दिए गए समर्थन का विस्तृत विवरण हो। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में वोटिंग बढ़ाने के लिए यूएसएड को मिलने वाली 8 मिलियन डॉलर की फंडिंग पर रोक लगा दी। पूर्ववर्ती बाइडन सरकार पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि भारत को वोटिंग बढ़ाने के लिए 182 करोड़ के लगभग देना एक सवाल खड़ा करता है कि क्या वो किसी और को निर्वाचित कराने की कोशिश कर रहे थे।

प्रश्नपत्र वायरल होने के बाद मैट्रिक की हिन्दी और विज्ञान की परीक्षाएं रद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में 11 फरवरी से शुरू हुई जैक बोर्ड की 10वीं की परीक्षा के दौरान हिंदी और विज्ञान का पेपर लीक हो गया है। बताया जा रहा है कि 2 दिन पहले ही पेपर लीक हो गया था। जैक बोर्ड की जांच में इसको सही पाया गया है। अब बोर्ड ने पूरे राज्य में परीक्षा रद्द कर दी है। दरअसल आज परीक्षा के बाद जब वास्तविक प्रश्न पत्र से मिलान करने पर लिखा हुआ प्रश्नपत्र हूबहू पाया गया। इस कारण से हिंदी और विज्ञान की परीक्षा रद्द हो गई है। हिंदी की परीक्षा 18 फरवरी को ली गई थी वहीं विज्ञान की परीक्षा आज आयोजित हुई थी।

सबसे पहले गिरिडीह और कोडरमा में यह प्रश्न पत्र वायरल होने की सूचना आई। एक वॉट्सऐप ग्रुप में क्यूआर कोड डाला गया और मैसेज भेजा गया कि मैट्रिक और इंटरमीडिएट की आयोजित परीक्षा के प्रश्नपत्र चाहिए तो इसके लिए 350 रुपए डालना होगा। मैसेज में 20 फरवरी को होने वाली साइंस की परीक्षा का प्रश्नपत्र देने का दावा किया जा रहा था। कुछ देर बाद पीडीएफ मोड में साइंस का प्रश्न पत्र वहां डाला गया, जिसका स्क्रीनशॉर्ट पूरे राज्य में वायरल हो गया।

जैक की जांच में इसको सही पाया गया है। जैक के अध्यक्ष नटवा हांसदा ने मीडिया से बात करते हुए बताया है कि आज सुबह 9.45 में जब प्रश्न पत्र खुला तो वायरल प्रश्न पत्र से मिलान किया गया। मिलान में मामला सही पाया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव अलका तिवारी ने इस बाबत एक हाई लेवल बैठक भी की है। जैक अध्यक्ष का कहना है कि विज्ञान की परीक्षा रद्द करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी का भी गठन किया जाएगा। बता दें कि 19 फरवरी से ही विज्ञान का प्रश्न पत्र लीक होने की बात कही जा रही थी।

बाबूलाल ने पेपर लीक मामले में सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

रांची : झारखंड में जैक बोर्ड की 10वीं की परीक्षा के दौरान हिंदी और विज्ञान सैद्धांतिक के पेपर लीक होने के बाद दोनों विषयों की परीक्षा रद कर कर दी गई है। इसपर बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पेपर लीक माफिया के रूप में कुख्यात हेमंत सरकार ने झारखंड को फिर से शर्मसार कर दिया है। शायद यह पहली बार है कि झारखंड में मैट्रिक परीक्षा का पेपर लीक हुआ है। आज सुबह से विज्ञान विषय का पेपर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। परीक्षा शुरू होने के बाद जब प्रश्न पत्र से मिलान किया गया तो हू-ब-हु मिल गया। पूरी संभावना है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा का पेपर लीक करने वाले मुख्यमंत्री के करीबी गिरोह ने ही मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक कांड को अंजाम दिया है! जैक अध्यक्ष ने भी प्रश्न पत्र मिलने की बात स्वीकार की है, जबकि शिक्षा विभाग के अधिकारी लीपापोती करने में लगे हैं।मैट्रिक परीक्षा में पेपर लीक की घटना अस्वीकार्य है। शिक्षा मंत्री और जैक अध्यक्ष नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत अपना इस्तीफा दें। राज्य सरकार इस पेपर लीक कांड के सीबीआई जांच की अनुशंसा कर दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कुंभ से लौट रहा वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 7 की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के कनसार के रहने वाले 7 लोगों की दर्दनाक मौत सड़क दुर्घटना में हुई है। सभी कुंभ स्नान करने के लिए प्रयागराज गए थे। कुंभ स्नान के बाद सभी अयोध्या में श्री राम मंदिर का दर्शन करने के बाद वापस लौट के दौरान जौनपुर जिला के बदलापुर थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में मौत हुई है सभी लोग हजारीबाग से 16 फरवरी को 10 लोग कुंभ स्नान करने के लिए निकले थे।

हजारीबाग जिले के कटकमसांडी के कनसार के रहने वाले 10 लोग कुंभ स्नान के लिए निकले निकले थे ।श्रद्धालुओं का जत्था एक दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। यह दुर्घटना उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के बदलापुर थाना क्षेत्र में हुई, जिसमें 10 लोगों से भरी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्रारंभिक सूचना के अनुसार, इस हादसे में 7 लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि 4 गंभीर रूप से घायल है। जिनका इलाज स्थानीय तथा वाराणसी के अस्पताल में चल रहा है। हजारीबाग से निकले श्रद्धालु कुंभ स्नान करने के बाद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि का दर्शन कर रहे थे।अयोध्या दर्शन के उपरांत, वे जौनपुर के रास्ते होते हुए वापस हजारीबाग लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। दुर्घटना के कारणों की पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गाड़ी के अनियंत्रित होने के बाद बस से टकरा कर सड़क पर बने डिवाइडर को पार करते हुए पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

इस भीषण सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वालों की पहचान कांति देवी, धनवा देवी, मतिया देवी, मुनिया देवी, रंजीत यादव और केशिया देवी के रूप में हुई है। इस हादसे में एक ही परिवार के दो सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि गूगल के जरिए यह जानकारी मिली थी कि कोई गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। जो हजारीबाग का नंबर का है। तहकीकात के बाद तब पता चला कि कनसार गांव से ही गाड़ी निकली थी। गांव के रहने वाले लोग आपस में तय करके कुंभ स्नान करने के लिए निकले थे। जिसमें आसपास के तीन घर के सदस्य थे। वहीं कुछ लोग नवादा और बड़कागांव के भी उसमें शामिल थे।

कुंभ नहाने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी बस में लगी आग, कूदकर बचाई जान

रामगढ़ : रांची से प्रयागराज कुंभ नहाने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी बस में अचानक आग लग गई। इस हादसे में श्रद्धालुओं ने बस का शीशा तोड़ा और कूद कर अपनी जान बचाई। यह घटना रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत से हेसागढ़ा डायवर्सन में बुधवार के देर रात हुई है। जानकारी के अनुसार रांची से प्रयागराज जा रही रूनी स्लीपर बस के (जेएच 01 एफआर 2771) में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। बस जब कुजू क्षेत्र से गुजर रही थी, इसी दौरान शॉर्ट सर्किट हुआ और एसी बस में आग लग गई। क्योंकि बस में कोई आपातकालीन निकास नहीं था और आग तेजी से फैल रहा था, इसलिए श्रद्धालुओं ने शीशा तोड़कर बाहर निकलने का प्रयास किया। श्रद्धालुओं ने कूद कर जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर काबू पाया गया। बस बुरी तरह जल चुकी है।

सभी डीसी कैलेंडर बना कर कार्यों का करें निबटारा : मुख्य सचिव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य सचिव अलका तिवारी ने जिला स्तर पर विभिन्न कारणों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का समाधान समन्वय बना कर करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने गुरुवार को राज्य के तमाम उपायुक्तों को कहा कि वे कैलेंडर बना कर कार्यों का निपटारा करें। कैलेंडर के अनुसार विभिन्न मसलों से जुड़ी बैठकें करें। उसकी रिपोर्ट ससमय विभागों को दें। इससे जहां योजना क्रियान्वयन में गति आएगी वहीं विभागों को भी सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि योजनाओं के बाधित होने से उसमें खर्च हुई राशि का लाभ भी राज्य को नहीं मिल पाता है, इसलिए योजनाओं का भौतिक निरीक्षण करते हुए आ रही समस्या के समाधान पर फोकस करें। वह गुरुवार को विभिन्न विभागों की उन योजनाओं की समीक्षा कर रही थीं, जो जिला स्तर पर इस या उस कारण से बाधित हैं, अथवा लेटलतीफी के शिकार हैं।

मुख्य सचिव की समीक्षा में उजागर हुआ कि अधिकांश योजनाओं की प्रगति 70 से 80 प्रतिशत तक हो चुकी है और बाकी बचे काम को पूर्ण करने में रुकावटें आ रही हैं।

मुख्य सचिव ने नगर विकास विभाग की रांची शहरी सीवरेज स्कीम, वाटर सप्लाई स्कीम और पम्पिंग स्टेशन के क्रियान्वयन में जमीन को लेकर आ रही समस्या का समयबद्ध तरीके से समाधान का निर्देश दिया। रांची के उपायुक्त ने अधिकांश मामले में समाधान होने की जानकारी दी। उसी तरह रामगढ़, धनबाद, कोडरमा, साहिबगंज, सरायकेला-खारसावां, पश्चिमी सिंहभूम, पलामू और बोकारो में शहरी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और वाटर सप्लाई योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जमीन की समस्या सामने आयी। उपायुक्तों को विशेष पहल कर जमीन की उपलब्धता ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से बताया गया कि नल से जल योजना द्वारा प्रत्येक घर को जोड़ने और शौचालय बना गांवों को ओडीएफ घोषित करने की स्थिति लगभग अंतिम चरण में है, लेकिन गांवों में चार-पांच घरों के इस योजना से आच्छादित नहीं होने से योजना अपूर्ण रह जाती हैं। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को अतिरिक्त रुचि लेकर इस कार्य को यथाशीघ्र संपन्न कराने को कहा। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से बताया गया कि विभिन्न जिलों में डिग्री कॉलेज, पोलिटेक्निक कॉलेज और राजकीय अभियंत्रण कॉलेज निर्माण के लिए जमीन की समस्या बनी हुई है। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को संबंधित विभाग से समन्वय बनाते हुए जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा क्वालिटी एजुकेशन के लिए संपर्क फाउंडेशन की सहायता से चयनित स्कूलों में उपलब्ध कराए गये संसाधन के समुचित उपयोग पर बल देते हुए कहा कि यह राज्य के हित में होगा।

कृषि विभाग से जुड़ी पीएम किसान योजना, बिरसा ग्राम सह समेकित पाठशाला, बिरसा-पीएम फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, आइसीडीपी एवं डीसीडीसी की समीक्षा के दौरान पाया गया कि फसल बीमा योजना के लिए वास्तविक जमीन से अधिक जमीन पर बीमा का आवेदन दिया गया है। इस मसले को लेकर मुख्य सचिव ने आवेदनों की जांच करते हुए अनाधिकृत दावे को खारिज करने का निर्देश दिया।

वहीं मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों को पशु देने के साथ उसका बीमा भी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही कृषि से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमिटी और डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कमिटी की नियमित बैठक करने का निर्देश उपायुक्तों को दिया।

विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान पाया गया कि अधिग्रहित भूमि पर अतिक्रमण, फॉरेस्ट क्लियरेंस, स्थानीय विवाद, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा इत्यादि को लेकर योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित उपायुक्तों को निर्देश दिया कि योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए प्रशासनिक स्तर से बाधा को दूर कराएं। इसके अतिरिक्त राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग और ऊर्जा विभाग की जिलों से जुड़ी समस्याओं की भी समीक्षा की गयी और उपायुक्तों को यथोचित निर्देश दिए गए।

बंद मकान से एक करोड़ की अवैध शराब बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग उत्पाद विभाग ने दारू प्रखंड के जौनिया गांव में लगभग 1 करोड रुपए के आसपास का दारू जब्त किया है। बताया जाता है कि 1500 पेटी शराब घर में छुपा कर रखा गया था। इसकी सूचना उत्पाद विभाग को मिली। उत्पाद विभाग में ऑपरेशन चलाकर शराब जप्त किया है। हाल के दिनों में उत्पाद विभाग हजारीबाग में अवैध शराब के खिलाफ ऑपरेशन चलाकर भारी मात्रा में शराब जप्त किया है। इसी क्रम में उत्पाद विभाग को उसे वक्त बड़ी सफलता मिली है जब उसने गुप्त सूचना के आधार पर दारू थाना क्षेत्र के जैनिया गांव में छापेमारी किया। छापेमारी करने के दौरान एक घर में उत्पाद विभाग में लगभग 1 करोड रुपए का अवैध शराब जब्त किया है। बताया जाता है कि शराब 1500 पेटी में रखा गया था। पहले यह सूचना मिली थी कि छोटे पैमाने पर शराब की तस्करी की जा रही है।जब ऑपरेशन चलाया गया तो उत्पाद विभाग का होश उड़ गया। जब उसने एक घर में 1500 पेटी शराब पाया। अब विभाग शराब जप्त कर उसे कार्यालय लाने की तैयारी में लगी हुई है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि शराब असली है या नकली। शराब कहां से लाया गया और कहां खपाना था इसे लेकर भी जांच चल रही है।

सहायक उत्पाद आयुक्त शिव कुमार साहू में बताया कि यह घर उमेश साव का है, राहुल साव किराए पर लेकर यह गोरखधंधा चल रहा था। इस पूरे प्रकरण में राहुल साव और अर्जुन साव को मुख्य आरोपी बनाया गया है। पहले से ही इन लोगों के ऊपर अवैध शराब को लेकर प्राथमिक की दर्ज है। उन्होंने कहा कि किसी गिरफ्तारी नहीं हुई है। सहायक उत्पाद आयुक्त में यह भी कहा पिछले एक सप्ताह से विभिन्न स्त्रोत से जानकारी इकट्ठा किया जा रहा था।

एक नजर

15,000वें वाहन के उत्पादन के उपलब्धि का मनाया जश्न

हजारीबाग : जेएसडब्ल्यू एमजी इंडिया ने आज घोषणा की कि एमजी विंडसर, भारत की पहली इंटेलिजेंट सीयूवी, ने 15,000 यूनिट्स के उत्पादन का महत्वपूर्ण मुकाम हासिल कर लिया है। सीयूवी लॉन्च के बाद लगातार चार महीने तक सबसे अधिक बिकने वाला इलेक्ट्रिक वाहन रहा और इसने भारत में ईवी सेगमेंट की समग्र वृद्धि में योगदान दिया है। कंपनी के बीजू बालेंद्रन, डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा, एमजी विंडसर को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया से हम बेहद उत्साहित हैं और अपने ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, सीयूवी को इसकी किफायती कीमत, बेहतरीन पैकेजिंग और ग्राहकों को लग्जरी बिजनेस-क्लास अनुभव प्रदान किया। बीएएएस, बायबैक प्रोग्राम और लाइफटाइम वारंटी जैसी स्मार्ट योजनाओं ने इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति उपभोक्ताओं के विश्वास को और मजबूत किया है।

परीक्षा केंद्र में जबरन घुसने एवं मोबाइल से रिकॉर्डिंग करने का लगा आरोप

बड़कागांव : बड़कागांव + 2 उच्च विद्यालय बड़का गांव के प्रधानाध्यापक सह केन्द्राधीक्षक कृष्ण कुमार कन्हैया ने पूर्व प्रबंधन समिति अध्यक्ष संदीप कुमार के खिलाफ बड़कागांव थाने में आवेदन देकर शिकायत की है। केंद्र अधीक्षक ने आवेदन में लिखा है की संदीप सिंह जबरन परीक्षा केन्द्र के परिसर में घुस गया और मोबाईल से रिकॉडिंग करने लगा, इसे मना करने पर सेंटर मैनेज करने की बात कहने लगा और धमकी देने लगा। अंतत: परीक्षा केन्द्र पर तैनात पुलिसकर्मी द्वारा कह कर इसे बाहर निकलवाया गया। कन्हैया ने आगे कहा इस संबंध में उपायुक्त और जिला शिक्षा पदाधिकारी के पास भी आवेदन की प्रतिलिपि भेजी गई है। इसके पहले भी संदीप कई बार विद्यालय परिसर में जबरन धूस कर विद्यालय संचालन में व्यवधान उत्पन्न करते रहा है। वही इस मामले में संदीप सिंह ने कहा कि एनसीसी संबंधित ट्रूप खोले जाने संबंधित झारखंड 22 बटालियन के आए 2 पदाधिकारीओं के साथ मैं स्कूल प्रांगण में प्रवेश किया। एनसीसी से संबंधित हीं बातें की है। इसके अलावा कुछ भी बात मैं नहीं किया हूं। स्कूल के प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार कन्हैया ने मुझे ऑफिस कैंपस से बाहर करवाया दिया। परीक्षा केंद्र से संबंधित किसी प्रकार का कोई चर्चा नहीं किया हूं। मेरे ऊपर लगाया गया आरोप बिल्कुल बेबुनियाद है, इसकी जांच होनी चाहिए।

बादाम से हजारीबाग जोड़ने वाले पुल पर मंडरा रहा है खतरा

बड़कागांव : बड़कागांव हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत बादाम एवं हरली पंचायत अंतर्गत जो बादम से लेकर हजारीबाग जाने का रास्ता है वही सिंगल पुल पर मंडरा रहा है खतरा इसी पुल से बस मोटरबाइक स्कूल बस बड़कागांव हजारीबाग के लिए जाया करती है पिछले कई वर्षों से पुल का रिपेयरिंग नहीं किया गया जिसके कारण पुल की स्थिति आखिरी कगार पर है ग्रामीणों ने बताया कि पहले यहां अंग्रेज के टाइम में एक पुलिया हुआ करती थी जो चीनी मिट्टी से बनी हुई थी वह भी नहर के तेज बहाव पानी से टूट गई फिर या पुल का निर्माण हुआ यह पुल पिछले 20 से 25 वर्ष पुरानी है बरसात की पानी नहर के उपर हो जाने के कारण पुल का पिलर के नीचे की मिट्टी पूरी तरह बह गई है पुल को तत्काल में रिपेयर नहीं किया गया तो कई घटनाएं हो सकते हैं।

नशे के विरुद्ध लड़ाई एवं अफीम की खेती पर लगातार हो रही कार्रवाई : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की मासिक बैठक उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में हुई। समाहरणालय सभागार में हुई बैठक में उपायुक्त ने टास्क फोर्स की पिछली बैठक में दिये गये निर्देश के अनुपालन की समीक्षा की। विभिन्न संचार माध्यमों से प्राप्त अवैध बालू के उठाव तथा परिचालन की सूचना पर उपायुक्त ने पुलिस तथा प्रखंड स्तर पर बेहतर कॉर्डिनेशन के साथ कारवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिलास्तर के सभी चेक पोस्ट का सुचारू व गंभीरता से बालू से लदे वाहनों की जांच एवं परिचालन पर रोक लगाने की बात कही। उपायुक्त ने जनवरी माह में पूरे जिले से केवल पांच अवैध वाहनों पर एफआईआर की कार्रवाई को नाकाफी बताते हुए कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने विशेष शाखा से प्राप्त सूचनाओं पर भी तत्परता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया साथ ही एक्शन टेकेन रिपोर्ट भी अनिवार्य से भेजने को कहा। विभिन्न अंचलों से कार्रवाई की शून्य प्रतिवेदन प्राप्त होने पर अत्यंत खेद जताया साथ ही उन्होंने वैसे अंचल जिनके द्वारा कार्रवाई की रिपोर्ट अप्राप्त है उन्हें स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। मौके पर डीएफओ पूर्वी ने बताया कि जिले भर से 47 खनन का कार्य पूर्ण हो चुके खदानों के मुहाने को बंद किया गया था,लेकिन वर्तमान में अवैधकताओं द्वारा अवैध रूप से वैसे खदानों पर कार्य किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है इसपर तत्काल रोक लगाने की जरूरत है। आगे उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी से खनिज लदे वाहनों पर ओवरलोड के मामले में पकड़े गये वाहनों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की। अवैध खनन, परिवहन की रोकथाम हेतु जिले के सभी थाना प्रभारी एवं अंचल अधिकारी को उपायुक्त के द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने नशे पर नकेल कसने के लिए नियमित रूप से सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश जिला परिवहन पदाधिकारी को दिया,उन्होंने कहा कि हजारीबाग के कई स्थानों में अवैध रूप से हो रहे अफीम की खेती को नष्ट करने की कारवाई नियमित रूप से की जा रही है,इस प्रकार की कारवाई को गतिमान बनाए रखना आवश्यक है। मौके पर डीएफओ पूर्वी, डीएमओ अजित कुमार, सदर एसडीओ लोकेश बारंगे, सिंह,प्रशिक्षु आइपीएस श्रुति,सभी सीओ एवं थाना प्रभारी मौजुद रहे।

कीट विश्वविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में विभावि का प्रदर्शन शानदार

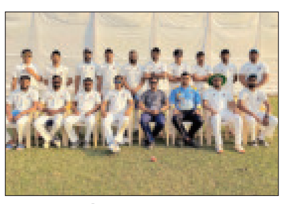

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कीट विश्वविद्यालय भुवनेश्वर में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में विनोबा भावे विश्वविद्यालय का शानदार प्रदर्शन जारी है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने लगातार चार मैच जीत कर प्रतियोगिता के अंतिम चार में प्रवेश प्राप्त कर लिया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष डॉ विकास कुमार एवं खेल निदेशक डॉ राखो हरि ने बताया कि इस स्तर में सभी चार विश्वविद्यालय आपस में लीग पद्धति से मैच खेलते हैं। इसी क्रम में अपने लीग के पहले मैच में गुरुवार को विभावि ने पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय पटना को 9 विकेट से पराजित किया। विनोबा भावे विश्वविद्यालय टीम की कप्तानी प्रियम कर रहे हैं। स्नातकोत्तर के खेल अनुदेशक उत्तम कुमार ने बताया कि इससे पूर्व विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने आलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता, पटना विश्वविद्यालय, पटना एवं उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर को पराजित कर क्वार्टर फाइनल चक्र में प्रवेश प्राप्त किया था। क्वार्टर फाइनल में विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने मगध विश्वविद्यालय को बुरी तरह से पराजित किया। विनोबा भावे विश्वविद्यालय को अब रविंद्र भारती विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल और एलएन मिथिला विश्वविद्यालय, बिहार से अपने अगले दो मैच खेलने हैं। विश्वविद्यालय के शानदार प्रदर्शन पर छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष ने कहां की इसका पूरा श्रेय खिलाड़ियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार एवं गिरिडीह कॉलेज की पूरी टीम को जाता है।

स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती रोजगार के नए अवसर होंगे सृजित : मुन्ना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग शहर के कल्लू चौक स्थित दिल्ली फैशन कपड़ा शोरूम का आज गुरुवार को विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जबकि शोरूम के ऑनर मोहम्मद शाहिद ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और बुके भेंट कर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुख्य अतिथि मुन्ना सिंह ने उद्घाटन समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेंगे। दिल्ली फैशन कपड़ा शोरूम ग्राहकों को बेहतरीन गुणवत्ता के वस्त्र किफायती दामों पर उपलब्ध कराएगा। मैं इस पहल के लिए मोहम्मद शाहिद जी को बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि यह प्रतिष्ठान सफलता की नई ऊंचाइयां छुएगा। आपको बता दें कि दिल्ली फैशन कपड़ा शोरूम में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए आधुनिक एवं पारंपरिक वस्त्रों का विस्तृत कलेक्शन उपलब्ध कराया गया है। नवीनतम ट्रेंड और उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्रों की एक समृद्ध श्रृंखला ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पेश की गई है। शोरूम के शुभारंभ के दौरान स्थानीय ग्राहकों में खासा उत्साह देखा गया। लोगों ने इस नए फैशन स्टोर की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के व्यावसायिक विकास के लिए एक सकारात्मक कदम बताया। वहीं शोरूम ऑनर मोहम्मद शाहिद ने बताया कि हमारा लक्ष्य ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता के वस्त्र किफायती दामों पर उपलब्ध कराना है। भविष्य में, हम उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुसार अपने कलेक्शन को और विस्तृत करेंगे। हमें विश्वास है कि हजारीबाग के लोग इस शोरूम को अपना सहयोग और स्नेह देंगे।उन्होंने आगे कहा कि यह शोरूम हजारीबाग के फैशन प्रेमियों के लिए एक आकर्षक गंतव्य साबित होगा। ग्राहकों की संतुष्टि और बेहतरीन सेवा को प्राथमिकता देते हुए दिल्ली फैशन कपड़ा शोरूम आने वाले समय में अपनी पहचान और मजबूत करने के लिए तत्पर रहेगा।

हम स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं उन्नत बनाएंगे : हर्ष अजमेरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मरीजों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और अस्पताल प्रशासन को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आरोग्यम अस्पताल ने अपनी चिकित्सा नेतृत्व टीम का विस्तार किया है। इस नए बदलाव के तहत अनुभवी चिकित्सकों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है, ताकि अस्पताल की सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

नई नियुक्तियां एवं दायित्व डॉ. बी.एन. प्रसाद, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, डॉ. राहुल कुमार सिंह, डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, डॉ.अनिल कुमार चीफ मेडिकल ऑफिसर के रूप मे नियुक्ति किया गया है,अस्पताल के संचालन को और अधिक व्यवस्थित,आधुनिक एवं मरीजों की जरूरतों के अनुकूल बनाया जाएगा।

नए नेतृत्व से अस्पताल को मिलेगा नया आयाम

गुरुवार को अस्पताल के निर्देशक हर्ष अजमेरा ने इन सभी वरिष्ठ चिकित्सकों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा की आरोग्यम अस्पताल का मुख्य उद्देश्य सिर्फ उपचार देना नहीं, बल्कि मरीजों को संपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करना है। नई चिकित्सा नेतृत्व टीम के मार्गदर्शन में हम मरीजों की देखभाल, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएंगे।

रोगियों के लिए सुविधाओं में होगा और सुधार

नई नेतृत्व टीम के मार्गदर्शन में अस्पताल में मरीजों की देखभाल से संबंधित निम्नलिखित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार किए जाएंगे उन्नत उपचार सेवाएं हेतु अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ डॉक्टरों की मदद से रोगियों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा मिलेगी। तेज एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं को लेकर मरीजों की जांच, भर्ती और इलाज की प्रक्रिया को और अधिक सुविधाजनक बनाया जाएगा।

मानव विज्ञान के पूर्ण अध्ययन से समस्याओं का निदान संभव : गंगानाथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में गुरुवार को विद्यार्थियों ने विश्व मानवविज्ञान दिवस के अवसर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर विश्व में मानव कल्याण के लिए मानवविज्ञान के उभरते हुए विभिन्न क्षेत्रों की चर्चा की गई। थर्ड जेंडर के अधिकारों से लेकर परिवार और संबंध पर पड़ने वाले टेक्नोलॉजी के प्रभावों की चर्चा की गई। समाज में परिवार और नातेदारी के बदलते स्वरूप और विभिन्न समस्याओं को कैसे दूर किया जा सकता है इस पर चिंतन किया गया। इस मौके पर विभाग के शिक्षक डॉ गंगानाथ झा ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी मानवीय समस्याओं के समाधान का उपाय मानव के संपूर्ण अध्ययन से जुड़ा हुआ है जो मानवविज्ञान विषय के अंतर्गत किया जाता है मानवविज्ञान मानव की क्रमिक विकास के अध्ययन के साथ-साथ मानवीय समस्याओं के निदान का उपाय ढूंढता है। डॉ गंगानाथ झा ने बताया की विश्व मानव विज्ञान दिवस का आयोजन 1902 से अमेरिकन एंथ्रोपॉलॉजिस्ट संगठन से जुड़ा हुआ है। यह आयोजन विश्व भर के मानव वैज्ञानिकों के द्वारा फरवरी के तीसरे गुरुवार को निर्धारित है। इस अवसर पर मानव वैज्ञानिकों द्वारा किए गए खोज को समाज के साथ साझा किया जाता है। उन्होंने बताया कि मानव विज्ञान आदिकाल से वर्तमान समय तक मानव के क्रमिक विकास का अध्ययन करता है। इसी अध्ययन के आधार पर मानव वैज्ञानिक मानव की समस्याओं के निदान का निरंतर खोज करते रहते है।

अस्पताल में सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए, मरीजों को मिले बेहतर इलाज : प्रदीप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के सदर विधायक प्रदीप प्रसाद गुरुवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज ऑफ अस्पताल के औचक निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मरीजों के परिजनों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन और चिकित्सकों से बातचीत कर अस्पताल में मौजूद कमियों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

अस्पताल में अव्यवस्थाओं को लेकर विधायक ने जताई नाराजगी

निरीक्षण के दौरान विधायक ने अस्पताल में मरीजों को हो रही परेशानियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सुविधाओं की कोई कमी नहीं होनी चाहिए और मरीजों को बेहतर इलाज मिले, यह सुनिश्चित करना प्रशासन और राज्य सरकार दोनों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को तत्काल आवश्यक सुधार करने का निर्देश दिया।

अस्पताल में बुधवार रात की घटना पर कड़ी निंदा

ज्ञात हो कि बुधवार रात अस्पताल परिसर में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, जिसके कारण डॉक्टरों में भय का माहौल बन गया और वे अपनी ड्यूटी पर रात में नहीं आ सके। इस पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं पूरी तरह अस्वीकार्य हैं और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन से इस मामले की गहन जांच करने और दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न दोहराई जाएं।

संजीवनी सेवा कुटीर में मरीजों से संवाद

निरीक्षण के दौरान विधायक संजीवनी सेवा कुटीर भी पहुंचे, जहां उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को विस्तार से समझा। उन्होंने आश्वासन दिया कि हर समस्या का समाधान शीघ्रता से किया जाएगा।

तुरंत एक्शन में दिखे विधायक, कर्मचारियों को दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान विधायक ने कुछ समस्याओं को तुरंत हल करने के लिए अपने कर्मचारियों को निर्देशित किया। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों से बात कर अस्पताल में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने को कहा। विधायक ने साफ किया कि जनता की सेवा ही उनकी प्राथमिकता है और वे किसी भी समस्या को नजरअंदाज नहीं करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

46वें सीनीयर राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के लिए एमवीसीई का दल महाराष्ट्र रवाना

हजारीबाग : अमरावती, महाराष्ट्र में होने वाले 22 से 24 फरवरी 2025 के '46 वें सीनीयर राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप, महिला एवं पुरुष' में पदमा प्रखंड स्थित 'मां विंध्यवासिनी कॉलेज आफ एजुकेशन' के दो प्रशिक्षु संजना कुमारी एवं श्वेता कुमारी प्रो. अविनाश कुमार के निर्देशन में झारखंड प्रांत से चयनित होकर 20 फरवरी को महाविद्यालय से प्रस्थान किया, जिसे महाविद्यालय परिवार ने शुभकामनाओं के साथ विदा किया। इस चैंपियनशिप के लिए झारखंड के कुल 18 महिला तथा 18 पुरुष खिलाड़ियों का चयन किया गया है जिसमें, महाविद्यालय में शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों प्रतिभागियों ने अपना स्थान सुरक्षित कराया। बताते चलें कि विगत नवंबर 2024 मैं होने वाले 14 वें ईस्ट जॉन्स सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप में महाविद्यालय से सात प्रशिक्षुओं ने भागीदारी करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया था प्रशिक्षुओं के इस प्रकार राष्ट्रीय स्तर तक प्रदर्शन के लिए महाविद्यालय प्रबंधन के संस्थाध्यक्ष डॉ अनूप कुमार मेहता तथा निदेशक रवि प्रकाश का लगातार सहयोग एवं प्रोत्साहन रहा है।

कुंभ से लौटे श्रद्धालुओं का मुखिया प्रतिनिधि ने किया स्वागत

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चयकलां के ग्राम चयकलां से प्रयागराज महाकुंभ गये श्राद्धलुओं का जत्था बुधवार को गांव पहुंचा। गांव पहुंचने पर ग्राम पंचायत चयकलां के मुखिया प्रतिनिधि हेलाल अख्तर ने सभी श्रद्धालुओं को फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया। मुखीया प्रतिनिधि हेलाल अख्तर ने कहा कि गंगा, यमुना, सरस्वती का संगम एक अनूठी मिशाल है। जो हमें आपस में बैर नहीं रखने का संदेश सिखाता है। प्रयागराज महाकुंभ से कन्हाई पासवान, केदार राणा, रामेश्वर महतो, टहल दांगी, प्रयाग महतो, प्रकाश दांगी, रोहन साव, छत्रधारी साव सहित करीब 75 श्रद्धालु शामिल थे।

स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन ने अव्वल प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

बड़कागांव : शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन हजारीबाग ने मॉर्डन पब्लिक स्कूल के परिसर में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया। फाउंडेशन ने बीते रविदास जयंती के अवसर पर नि:शुल्क क्विज प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया था। इसमें अव्वल प्रतिभागियों को स्कूल बैग देकर फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक बिपिन कुमार ने पुरस्कृत किया। समारोह की अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी धनश्याम साहू ने किया। वहीं संचालन ब्रदर्स एकेडमी के निदेशक जितेंद्र कुमार ने की संबोधित करते हुए संस्थापक बिपिन कुमार ने कहा कि स्टेमैक्स फाउंडेशन मुख्य रूप से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए स्थापित की गई है। हमारा फाउंडेशन ने पिछले वर्ष अम्बेडकर जयंती के अवसर पर पांच हजारीबाग प्रतिभागियों के बीच ज्ञान परीक्षा आयोजित कर पंद्रह सौ से अधिक अव्वल प्रतिभागियों के बीच लैपटॉप,टैब, एंड्राइड मोबाइल, डिजिटल वॉच,बैग एवं मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। हमने ओएमआर शीट पर परीक्षा लेकर विद्यार्थियों को आने वाले दिनों के लिए तैयार करने का प्रयास किया है।स्कूल के निदेशक कुलदीप कुमार और सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी धनश्याम साहू ने विद्यार्थियों को पढ़ाई से संबंधित टिप्स दिए।प्रतियोगिता के प्रथम विजेता सलेहा प्रवीण एंव माही कुमारी, द्वितीय रिया कुमारी एंव संदीप कुमार, तृतीय काजल कुमारी एंव अंकित कुमार को पुरस्कृत किया गया।इस पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिक्षक विकास कुमार,मुकेश कुमार,मंजीत कुमार,मो .महबूब,रंजीत कुमार,संतोष कुमार,अनुज कुमार, मो .अजमातुल्ला,मो .अलि,मनोज कुमार शिक्षिका सेवंती कुमारी,शांति कुमारी,मंजू कुमारी, सृष्टि कुमारी, रानी कुमारी,शिल्पी कुमारी शामिल थे।

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता दिल्ली में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में हुईं शामिल

हजारीबाग : दिल्ली स्थित रामलीला मैदान में नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित मंत्रीमंडल के शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य रूप से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के कई प्रमुख लोगों की उपस्थिति रही। इस ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व पल पर हजारीबाग की भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता साक्षी बनी। दिल्ली की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में रामलीला मैदान भगवामय हो गया। भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे बरबस हवा में तैरते रहा। इस बीच राष्ट्रगान हुआ तो जनसैलाब में अप्रतीम अनुशासन देखा गया। शपथ ग्रहण समारोह की शुरूआत हुई। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सबसे पहले रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। उसके बाद छह कैबिनेट मंत्री ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। रेखा गुप्ता दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं। प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिरसा, रविंद्र इंद्राज, कपिल मिश्रा और पंकज सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने भाजपा का झंडा अपने हाथों में लेकर कार्यकताओं का उत्साह वर्धन की। काफी उत्साहपूर्वक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर कार्यकताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में सशक्त, विकसित एवं समृद्ध दिल्ली के संकल्प को साकार करने के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया जाएगा।

एक नजर

झारखंड जगुआर का 17वां स्थापना दिवस आज

रांची : झारखंड जगुआर का 17 वां स्थापना दिवस 21 फरवरी को मनाया जाएगा। टेंडर ग्राम स्थित झारखंड जगुआर के कैंप में आयोजित कार्यक्रम में डीजीपी अनुराग गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 2008 में स्थापना के बाद से अब तक झारखंड जगुआर ने नक्सली संगठनों के खिलाफ महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। आंध्र प्रदेश के ग्रे हाउंड की तर्ज पर स्थापित, झारखंड जगुआर का गठन 2008 में किया गया था और 2009 में इसने 40 असाल्ट ग्रुप का गठन किया था।

शास्त्रीय संगीत से 23 को सजेगा बिरसा मुंडा फन पार्क

रांची : बिरसा मुंडा फन पार्क और रिलेशंस के संयुक्त तत्वावधान में 23 फरवरी को म्यूजिक इन द पार्क में नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। यह कार्यक्रम शाम पांच बजे से होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देना है। गुरुवार को इस संबंध में बिरसा मुंडा फन पार्क के संचालक आर्यन चोपड़ा और रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि कोलकाता के अंतराष्ट्रीय सरोद वादक अर्नब भट्टाचार्य और प्रख्यात तबला वादक लक्ष्मी नारायण ओझा विशेष प्रस्तुति से रांची वासियों का दिल जीतेंगे। इस कार्यक्रम के जरिये हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने रांची वासियों से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में बंधु तिर्की बरी

रांची : पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता बंधु तिर्की को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े छह वर्ष पुराने एक मामले में एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की अदालत ने बंधु तिर्की को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। गुरुवार को कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। इससे पहले सोमवार को पूर्व मंत्री बंधु तिर्की का 313 का बयान दर्ज किया गया था, जिसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था और फैसला सुनाने के लिए गुरुवार की तिथि निर्धारित की थी। दरअसल सिल्ली विधानसभा के उप चुनाव के दौरान पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने अनगड़ा थाना क्षेत्र में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ी कहा था। उसी रैली में सुदेश कुमार महतो को नाभि में तीर मारने का बयान भी बंधु तिर्की ने दिया था। इसके बाद उनके संबोधन को लेकर राहे की तत्कालीन सीओ ने अनगड़ा थाना में 7 जून 2018 को बंधु तिर्की के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बंधु तिर्की पर छह जुलाई 2022 को आरोप गठित किया गया था। जब यह पूरा घटनाक्रम हुआ था, उस दौरान बंधु तिर्की जेवीएम में थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, वरीय मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/चक्रधरपुर द्वारा नीचे वर्णित निविदा सं. के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जिसके खुलने की नियत तिथि 12.03.2025 को 15.00 बजे है। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं ऐसा कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। क्रम सं., निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का विवरण निम्नानुसार है: 1. एसटी-सीकेपी-ओटी-24-25-131, एसएसई/सिग/टाटानगर के अधीन शाखा में विविध सिग्नलिंग कार्य। निविदा लागत: रु.97,08,597.26, बयाना राशि: रु. 1,94,200/-, 2. एसटी-सीकेपी-ओटी-24-25-132, चक्रधरपुर मंडल के तहत एलसीसीडी के डबल डिटेक्शन का प्रावधान। निविदा लागत: रु.81,66,280.10, बयाना राशि: रु. 1,63,300/- कार्य समापन: क्रम सं. 1 हेतु 12 माह और क्रम सं. 2 हेतु 09 माह। निविदा का विवरण वेबसाइट http:// www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदाकार/बोलीदाता के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट रहना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन जरूर पंजीकृत रहें। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-निविदा प्रणाली में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किया जाएगा। (PR-1157)

कंचन सिंह ने जेएसएलपीएस में संभाला मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी का पद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) की नव नियुक्त मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी कंचन सिंह ने राज्य कार्यालय में राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा सह योजना बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक के दौरान उन्होंने सभी डोमेन और परियोजना प्रमुखों को निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर ग्रामीण समुदाय तक पहुंचे। इसके लिए सुनिश्चित प्रयास किए जाएं।इस बैठक में जेएसएलपीएस द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। कंचन सिंह ने महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने, आजीविका संवर्धन, कौशल विकास और वित्तीय समावेशन को अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जेएसएलपीएस का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को आत्मनिर्भर बनाना है। इसके लिए हर स्तर पर समर्पित प्रयास की आवश्यकता है। वहीं, बैठक में राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे 'फूलो झानो आशीर्वाद अभियान' और 'पलाश' की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान कंचन सिंह ने 'पलाश' ब्रांड के तहत ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने के प्रयासों को तेज करने के निर्देश दिए।

झारखंड पुलिस के विजेता हुए सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक अनुराग गुप्ता ने अपने कार्यालय कक्ष में 68वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट 2024-25 में झारखंड पुलिस के विजेताओं को गुरुवार को सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 15 फरवरी 2024 तक रांची, झारखंड में हुआ था, जिसमें देशभर के 18 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों के साथ-साथ अर्द्ध सैनिक संगठनों की आठ टीमों ने हिस्सा लिया था।

झारखंड पुलिस को इस प्रतियोगिता में कुल 5 मेडल मिले, जिनमें 1 गोल्ड और 4 सिल्वर शामिल हैं। पुलिस अवर निरीक्षक रोहित कुमार कालिन्दी को फिंगर प्रिंट में गोल्ड मेडल, जबकि पुलिस अवर निरीक्षक रवि शंकर को फिंगर प्रिंट में सिल्वर मेडल मिला। इसके अतिरिक्त, पुलिस अवर निरीक्षक नविता कुमारी महतो को मेडिको लिगल में सिल्वर, सहायक पुलिस अवर निरीक्षक बलेन्द्र कुमार को पुलिस पोर्ट्रेट में सिल्वर और सहायक पुलिस अवर निरीक्षक महेन्द्र महतो को (डॉग-एरिक) ट्रैकर में सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ। इस शानदार उपलब्धि के बाद, पुलिस महानिदेशक ने सभी विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर पुलिस महानिरीक्षक असीम विकांत मिंज, पुलिस उप-महानिरीक्षक संध्या रानी मेहता, और अपराध अनुसंधान विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

हाई कोर्ट के दिवंगत अधिवक्ता सूरज कुमार को दी गयी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के अधिवक्ता सूरज कुमार के निधन पर गुरुवार को झारखंड एडवोकेट्स एसोसिएशन के बैनर तले हाई कोर्ट के सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया। आयोजित शोक सभा में हाई कोर्ट के अधिवक्ताओं ने दिवंगत सूरज कुमार को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा के बाद अधिवक्ताओं ने अपने आप को न्यायिक कार्य से अलग रखा। इस कारण सैकड़ों मामलों की सुनवाई प्रभावित रही। उल्लेखनीय है कि 18 फरवरी को झारखंड हाई कोर्ट के अधिवक्ता सूरज कुमार का आकस्मिक निधन हो गया था।

वह हाई कोर्ट में एक केस की बहस कर कोर्ट रूम से निकलते ही बेहोश होकर गिर पड़े थे। इसके बाद उन्हें हाई कोर्ट स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन स्थिति में ज्यादा सुधार नहीं होता देख, आनन फानन में अधिवक्ता सूरज कुमार को पारस हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय प्रभारी कुलसचिव से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तकनीकी छात्र संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव निशांत कुमार से मुलाकात की। इस वक्त उनके साथ पाठ्यक्रम डायरेक्टर स्नेह भी उपस्थित थे। इस दौरान छात्र संघ ने विश्वविद्यालय में चल रही परीक्षा संबंधी समस्याओं और लंबित परिणामों के बारे में कुलसचिव को अवगत कराया।

छात्र संघ ने बताया कि अगस्त महीने में बीटेक 6 सेमेस्टर की परीक्षा आयोजित की गई थी। लेकिन अब तक उसका परिणाम जारी नहीं किया गया है। इसके साथ ही हाल ही में 7 सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित की गई है। इससे छात्रों में निराशा और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

छात्र संघ ने यह भी जानकारी दी कि टइअ की परीक्षा को तीन महीने हो चुके हैं। लेकिन अब तक उसका परिणाम भी घोषित नहीं किया गया है। इससे छात्रों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। अभिषेक बनर्जी ने विश्वविद्यालय की रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय द्वारा रिजल्ट जारी करने से पहले एक प्रोविजनल रिजल्ट भेजा जाता है, जो रिजल्ट जैसा ही दिखता है। लेकिन इसमें अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होते। यह रिजल्ट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित नहीं किया जाता। बल्कि कॉलेज को ईमेल के जरिए भेजा जाता है। इसके कारण कुछ स्टाफ सदस्य छात्रों को रिजल्ट में पास करवा देने के नाम पर धोखाधड़ी करते हैं, जिससे घूसखोरी की समस्या उत्पन्न हो रही है।

वहीं, मामले के बारे में जानकारी मिलने पर कुलसचिव और पाठ्यक्रम डायरेक्टर ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और छात्रों को जल्द से जल्द समाधान प्रदान करने का आश्वासन दिया। कुलसचिव ने कहा कि वे एक से दो दिन के भीतर परीक्षा नियंत्रक से मिलकर इन सभी मुद्दों को संज्ञान में लेंगे। इसके साथ ही मामले का शीघ्र समाधान करने का प्रयास करेंगे।

रांची डीसी की याचिका पर जवाब के लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मांगा समय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची डीसी के पद पर पदस्थापित मंजू नाथ भजंत्री की याचिका पर अब सुप्रीम कोर्ट में चार सप्ताह बाद सुनवाई होगी। गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के किए समय देने का आग्रह किया गया। जिसे शीर्ष अदालत ने स्वीकार करते हुए चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। फिलहाल शीर्ष अदालत ने उन्हें कोई राहत नहीं दी है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस पंकज

मित्तल की बेंच में भजंत्री की याचिका पर सुनवाई चल रही है। दरअसल मंजूनाथ भजन्त्री ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) दाखिल कर हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें चुनावी कार्य से दूर रखे जाने के आदेश दिया गया था। पिछले वर्ष 22 सितंबर को झारखंड हाईकोर्ट ने कअर अधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और उन्हें चुनावी कार्यों से उन्हें अलग रखने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका स्वीकार कर ली थी। जिसके बाद उन्हें चुनाव के कार्य से दूर रखा गया था। आचार संहिता के दौरान आनन फानन में उन्हें रांची डीसी के पद से हटा कर वरुण रंजन को रांची डीसी नियुक्त कर दिया गया था। हालांकि हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सरकार ने वापस मंजू नाथ भजंत्री को रांची डीसी नियुक्त कर दिया है।

जम्मू- कश्मीर के उपराज्यपाल दो दिवसीय दौरे पर पहुंचें रांची

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जम्मू- कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा गुरुवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने विकास भारती में उनका स्वागत किया। इसके साथ ही उपराज्यपाल मनोज को एक मोमेंटो भेंट किया। इस अवसर पर विकास भारती के प्रमुख अशोक भगत, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, चतरा सांसद कालीचरण सिंह, रांची विधायक सी पी सिंह, हटिया विधायक नवीन जायसवाल सहित कई नेता उपस्थित रहे।

एक दिवसीय सामूहिक उपवास कर झारखंड आंदोलनकारियों ने सरकार को चेताया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 11 सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय सामूहिक उपवास कर झारखंड आंदोलनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी। कहा कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं, तो वे आमरण अनशन पर बैठेंगे। आंदोलनकारियों का कहना है कि झारखंड राज्य को बने 25 साल हो गए हैं, लेकिन सरकार अब तक आंदोलनकारियों की पहचान नहीं कर पाई है। गुरुवार को मोरहाबादी बापू वाटिका के सामने सैकड़ों आंदोलनकारी धरने पर बैठे और अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान केंद्रीय अध्यक्ष राजू महतो ने कहा कि आंदोलनकारियों की मांगें पूरी करनी होंगी, नहीं तो वे हमेशा के

लिए आमरण अनशन पर बैठ जाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि वे आंदोलनकारियों के दर्द को समझें और जेल जाने की बाध्यता समाप्त करें। राजू महतो ने आगे कहा कि सभी आंदोलनकारियों को एक समान सम्मानजनक पेंशन मिलनी चाहिए, क्योंकि राज्य सरकार ने आंदोलनकारियों को विभिन्न समूहों में बांटकर उनकी पहचान की है। जेल जाने वाले लोगों को पहले समूह में रखा गया है। लेकिन सभी आंदोलनकारियों को समान पेंशन मिलनी चाहिए।प्रधान महासचिव क्यूम खान ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी चिन्हीकरण आयोग में 50 हजार से अधिक आवेदन लंबित पड़े हैं, जबकि राज्यभर में लाखों आंदोलनकारी हैं, जिनमें से केवल 7 हजार लोगों को चिन्हित किया गया है। आरीफ खान ने बताया कि 17-18 हजार आंदोलनकारियों को चिन्हित किया गया है, जिनमें से 7 हजार को पेंशन मिल रही है।

उपवास कार्यक्रम में ये थे शामिल

केंद्रीय उपाध्यक्ष भुनेश्वर सेनापति, लक्ष्मी देवी, लोहरदगा जिला कार्यकारी अध्यक्ष अमर किन्डो, दिनेश साहू, छत्रपति महतो, सीता उरांव, गोंदे प्रधान, आरीफ खान, बिरसा मुंडा, भोला मांझी, इसरार अहमद, एरेन कच्छप, उषा रानी लकड़ा, सुमित्रा देवी, तारामनी मिंज, शिवचरण मंडल, विशेषण भगत, सीताराम तूरी, दामोदर प्रसाद महतो और अन्य लोग शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से मिला कोयलांचल विस्थापित संघर्ष मोर्चा का शिष्टमंडल

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को कोयलांचल विस्थापित संघर्ष मोर्चा का एक शिष्टमंडल ने मुलाकात की। वतन महतो के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि वैदकारो मौजा (थाना संख्या-20, थाना-गांधीनगर) स्थित खुली जमीन पर सीसीएल कारो परियोजना को बिना ग्रामसभा की सहमति के स्वीकृति दी गई है। शिष्टमंडल ने इस परियोजना पर रोक लगाने के लिए राज्यपाल से आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया।

राज्यपाल से मिला मचान उत्कर्ष फाउंडेशन का शिष्टमंडल

रांची : मचान उत्कर्ष फाउंडेशन के एक शिष्टमंडल ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से भेंट की। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को मैथिली भाषा से जुड़ी विभिन्न मांगों से अवगत कराया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को मिथिला पंचांग एवं मधुबनी पेंटिंग भी भेंट की।

शर्मा टावर मार्केट में लगी भीषण आग

रांची : रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित महावीर चौक के शर्मा मार्केट (टावर) परिसर में गुरुवार की सुबह अचानक आग लग गई। मार्केट के ऊपर वाले तल्ले में भीषण आग लगी है, जो नीचे तक फैल रही है। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही है। आग कैसे लगी अबतक इसके पीछे की वजह सामने नहीं आयी है। हालांकि आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट होने के वजह से आग लगी है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने से लाखों का नुकसान बताया जा रहा है। कोतवाली थाना प्रभारी आदिकान्त महतो ने बताया कि आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है।

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज हल्की बारिश से गिरा तापमान

रांची : झारखंड के अधिकांश जिलों में गुरुवार की सुबह से ही मौसम का मिजाज बदल गया। रांची समेत कई जगहों पर हल्की बारिश से मौसम सुहाना हो गया। हल्की बारिश से रांची में तापमान में लगभग छह डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। सुबह में रांची में तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड दर्ज किया गया जो बुधवार को 29.8 डिग्री सेल्सियस था। हालांकि बाद में मौसम साफ हो गया और धूप खिल गई। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने पूर्व में ही गुरुवार और शनिवार को राज्य के दक्षिणी, पूर्वी, मध्यवर्ती और पश्चमी जिलों के कई इलाकों में गर्जन के साथ ओलावृष्टि और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया था।

शिक्षा के प्रति सरकारें गंभीर नहीं : पंकज मिश्र

रांची : जयप्रकाश जनता दल के राष्ट्रीय सचिव पंकज मिश्र ने केंद्र और राज्य सरकारों पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारें शिक्षा के प्रति गंभीर नहीं है। पेपर लीक की घटनाओं से कोई राज्य अछूता नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारें अगर पेपर लीक रोकने में कारगर नहीं हैं तो सुप्रीम कोर्ट को तत्काल कोई स्वतंत्र एजेंसी का गठन कर परीक्षाओं को संपन्न कराना चाहिए। श्री मिश्र ने कहा कि पेपर लीक को लेकर देश में अराजक माहौल बन गया है। छात्र परीक्षा देकर घर भी नही पहुंचते तब तक पेपर लीक की सूचना आ जाती है। युवाओं का भविष्य अंधकारमय है। युवाओं के आक्रोश और सरकारों की लापरवाह रवैया को देखते हुए लगता है देश में फिर से जेपी आंदोलन की जरूरत है। कमोवेश ऐसी ही परिस्थितयों के बाद 1974 में जयप्रकाश नारायण जी ने आंदोलन का बिगुल फूंका था। आज वही स्थिति दिख रही है। बेरोजगारी और पेपर लीक ने युवाओं की जिंदगी बर्बाद कर दी है।

सीसीएल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

रांची : सी. सी.एल. जन आरोग्य केन्द्र गांधीनगर द्वारा गुरुवार को राँची के इचापीढ़ी गाँव में नि:शुल्क रक्तचाप एवं मधुमेह स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया । विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 135 लोगों की नि:शुल्क जाँच की और डॉक्टरी सलाह दिया।शिविर में विशेषकर हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर , हाइपरटेंशन का नि:शुल्क जाँच किया गया और दवा भी दिया गया। ज्ञात हो की सीसीएल द्वारा अपने हितधारकों तथा समाज के सभी जरूरतमंदों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता रहता है। बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठाते हैं। शिविर के सफल आयोजन में डॉ रत्नेश जैन, सी.एम.एस., सी.सी.एल., डॉ प्रीति तिग्गा सी एम ओ,सी एस आर, इंचार्ज , डॉ रजनी दीपा कुजूर,डॉ दीपाली, डॉ शिल्पी झा, डॉ वीणा सिंह, मुन्ना कुमार सिंह, कमलेश पंडित, हरमन एवं सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

एक नजर

पुलिस ने आरोपी के घर चिपकाया इश्तेहार

धनबाद : कतरास थाना के पुअनि मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में स्थानीय थाना क्षेत्र के पुलिस बल ने तोपचांची थाना क्षेत्र के नेपाईडीह के रहने वाले राजेश बाउरी का पुत्र प्राथमिक अभियुक्त रोहित कुमार बाउरी के घर ढोल बजाकर इश्तिहार चिपकाया। पुअनि मनोज महतो ने बताया कि कतरास थाना कांड संख्या-66/23, की धारा- 366 भा०द०वि० में अभियुक्त गिरफ़्तारी के डर से पिछले 3 वर्षो से फरार चल रहा है इसलिए प्राथमिकी अभियुक्त रोहित कुमार बाउरी, के घर माननीय न्यायालय, धनबाद द्वारा निर्गत इश्तिहार को तोपचांची पुलिस के सहयोग से चिपकाया गया।

बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों का हड़ताल 24-25 को

बोकारो : बैंक ऑफ इंडिया एम्प्लाइज यूनियन, झारखंड स्टेट के बैनर तले बोकारो आंचलिक कार्यालय के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया गया। यह विरोध फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियंस के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर हुआ, जिसमें बैंक प्रबंधन द्वारा समझौतों के उल्लंघन और समुचित बहाली न करने के खिलाफ आवाज उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान राकेश मिश्रा ने कहा कि बैंकों में कर्मचारियों की घटती संख्या से ग्राहक सेवा बाधित हो रही है और मौजूदा कर्मियों पर अत्यधिक कार्यभार बढ़ रहा है। प्रमुख मांगों में सभी संवर्गों में तत्काल बहाली, 27 दिसंबर 2021 को केंद्रीय श्रमायुक्त के समक्ष हुए समझौते का कार्यान्वयन, कर्मचारियों के प्रति भेदभाव खत्म करना और बैंक सुरक्षा हेतु आर्म गार्ड की बहाली शामिल हैं। प्रदर्शन के बाद बैंक प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया। यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 24 और 25 फरवरी को दो दिवसीय हड़ताल होगी, और यदि फिर भी समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में प्रियंका कुमारी, इंद्रजीत चौधरी, अजय कुमार, प्रेम कुमार, मनोज सिंह, शशि भूषण मिश्रा सहित सैकड़ों कर्मचारी शामिल हुए।

पंचायत में बाहा बोंगा की तैयारी शुरू, 5 मार्च को होगा आयोजन

बोकारो : कनारी पंचायत के ग्राम बरुवाटांड़ में बाहा बोंगा को लेकर ग्रामिणों की एक बैठक जाहेर थान में हुई जिसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान उपेन्द्र हेम्बरम ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि 3 मार्च को उम नाड़का, 4 मार्च को साड़िम दाए और 5 मार्च 2025 को बाहा बोंगा किया जाऐगा। बाहा बोंगा शांति और सौहर्दपूर्ण वातावरण में संपन्न करने के लिए एक समिति का गठन किया गया। जिसका नाम मारांगबुरु बाहा बोंगा समिति है। सभी के सहमति से मारांगबुरु बाहा बोंगा समिति का अध्यक्ष उपेन्द्र हेम्बरम,सचिव विन्तोष टुडू,उप सचिव राखो किस्कू,कोषाध्यक्ष कालीचरण किस्कू को नियुक्त किया गया। बैठक में निम्न लोग पूर्व माझी हड़ाम गुहीराम हेम्बरम, पूर्व माझी हड़ाम हरिराम हेम्बरम, भीम मुर्मू, सुखदेव मुर्मू, बिनोद हेम्बरम, पीतांबर सोरेन, विजय माड़ी,संजूल मुर्मू, नागेश्वर मुर्मू,भीम मुर्मू, बुटान बेसरा, सुनिल मुर्मू आदि ग्रामिण उपस्थित थे।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में मिथिला-मैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की नई कार्यकारिणी की प्रथम बैठक बुधवार देर शाम सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में हुई। परिषद के अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी की अध्यक्षता तथा महासचिव नीरज चौधरी के संचालन में आयोजित इस बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। मुख्य रूप से होली मिलन समारोह, परिषद के पंचांगयुक्त कैलेंडर तथा संस्था के प्रमुखतम वार्षिक उत्सव विद्यापति स्मृति पर्व समारोह के आयोजन को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 12 मार्च को संध्या 6 बजे से परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में भव्य होली मिलन समारोह आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में अबीर-गुलाल के साथ-साथ फगुआ गीतों की जमकर बौछार होगी। समारोह की सफलता के लिए अविनाश कुमार झा के निर्देशन में एक टीम भी गठित की गई, जिसमें मिहिर मोहन ठाकुर, विजय कुमार मिश्र 'अंजू', रोशन कुमार तरुण, विवेकानंद झा, सुदीप कुमार ठाकुर एवं प्रकाश कुमार झा शामिल किए गए। इसके उपरांत परिषद तथा मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल की उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं गतिविधियों से संबंधित आकर्षक चित्रों के साथ पंचांगयुक्त कैलेंडर प्रकाशित किए जाने का भी निर्णय लिया गया। तत्पश्चात परिषद के प्रमुखतम वार्षिक कार्यक्रम विद्यापति स्मृति पर्व समारोह का भव्य आयोजन आगामी अप्रैल माह में किए जाने पर सहमति बनी। इसकी तिथि बाद में घोषित की जाएगी। समारोह में विभिन्न स्थानीय एवं प्रसिद्ध आमंत्रित कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र होंगे। इसके अलावा, बैठक में संस्था के सदस्यता अभियान को तेज करते हुए सामाजिक सशक्तिकरण के लिए आपसी एकजुटता व सहभागिता पर भी बल दिया गया। बैठक में अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी व महासचिव नीरज चौधरी के अलावा मुख्य रूप से राजेन्द्र कुमार, केसी झा, विजय कुमार झा, पीके झा 'चंदन', दिलीप कुमार झा, मिहिर मोहन ठाकुर, मिहिर कुमार झा (राजू), प्रदीप कुमार, अरुण पाठक, प्रकाश झा, अविनाश कुमार झा, सुदीप कुमार ठाकुर, सुशील कुमार झा, गणेश झा, आनंद नारायण मिश्र, विवेकानंद झा, गोविंद कुमार झा, रोशन कुमार तरुण आदि उपस्थित रहे।

मोदीडीह कोलियरी के समीप संयुक्त मोर्चा ने किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : भारत सरकार द्वारा श्रम कानून बदले जाने एवं एमडीओ के लागु करने के विरोध में संयुक्त मोर्चा के नेता व कोल कर्मियों ने मोदीडीह कोलियरी के 7/8 खदान पर जनजागरण अभियान चलाया। कहा कि सरकार द्वारा लिए गए ये निर्णय मजदूर विरोधी है। कोयला मजदूरो के अधिकार एवं भावना के साथ खिलवाड़ की जा रही है। इसका जमीनी स्तर से लेकर केंद्र तक पूरजोर विरोध किया जाएगा। कहा कि नया श्रम कानून मजदूरो के बीच जबरन थोपा जा रहा है। वहीं एमडीओ लागु होने से कोलकर्मियों के कई हक छीना जाएगा। कहा कि समय आ गया है जब सारे मजदूरो को एक होकर सरकार द्वारा बनाए जा रहे नए नए कानून के खिलाफ आवाज बुलंद करने का। यदि अभी चूक गए तो फिर मजदूरो के अधिकार का लगातार हनन होता रहेगा। मौके पर सिमेवा के मजहर अंसारी, सुनील सिंह, राकोमयू के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री शकील अहमद, मजदूर नेता जीतू पासी, बृजबिहारी सिंह, मो इम्तियाज, गौतम बाउरी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने 500 व 100 एमटी गोदाम के लिए शीघ्र भूमि चिन्हित करने का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने बृहस्पतिवार को समाहरणालय के सभागार में माननीय उच्च न्यायालय से संबंधित लंबित मामले तथा एन.जी.डी.आर.एस. के लंबित मामलों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने सभी पदाधिकारियों को समन्वय बनाकर माननीय उच्च न्यायालय से संबंधित लंबित मामलों को प्राथमिकता देते हुए समय पर निष्पादन कराने का निर्देश दिया।
वहीं जिले में 500 एम.टी. एवं 100 एम.टी. क्षमता के गोदाम बनाने तथा नगर निगम को भूमि हस्तांतरण करने के लिए उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को भूमि चिन्हित कर शीघ्र विवरण देने का निर्देश दिया। साथ ही एन.जी.डी.आर.एस. के सभी लंबित मामलों का निष्पादन करने, तय फॉर्मेट में रिपोर्ट बनाने तथा अंचल अधिकारियों को रिपोर्ट में अपना मंतव्य देने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, सरकारी अधिवक्ता अमरेन्द्र कुमार सहाय, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो, डीएलओ श्री राम नारायण खलको, डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, डीएमओ रितेश राज तिग्गा, डीएसडब्ल्यूओ अनीता कुजूर, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार के अलावा विभिन्न प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं विभिन्न अंचल के अंचल अधिकारी मौजूद थे।

जिले में स्वास्थ्य जांच के लिए विशेष अभियान शुरू, सिविल सर्जन ने किया शुभारंभ

30 वर्ष से ऊपर के लोगों का होगा मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर की जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सिविल सर्जन बोकारो डॉ अभय भूषण प्रसाद की अध्यक्षता में कार्यालय के कक्ष में गैर संचारी रोग कार्यक्रम अंतर्गत 30 वर्ष एवं उससे ऊपर के व्यक्तियों का मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं तीन प्रकार के कैंसर मुख कैंसर, स्तन कैंसर, एवं सर्वाइकल कैंसर का व्यापक जांच हेतु 20 फरवरी से 31 मार्च तक स्पेशल स्क्रीनिंग ड्राइव का शुभारंभ किया गया। डॉ अभय भूषण प्रसाद सिविल सर्जन बोकारो द्वारा बताया गया कि भारत सरकार द्वारा 20 फरवरी से 31 मार्च तक सभी स्वास्थ्य संस्थानों में स्पेशल स्क्रीनिंग ड्राइव किए जाने का निर्देश प्राप्त है बोकारो जिला के सभी स्वास्थ्य संस्थान यथा सदर अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं सभी शहरी स्वास्थ्य संस्थान में 30 वर्ष एवं उससे ऊपर के सभी व्यक्तियों का जांच किया जाएगा जिसके तहत घर-घर जाकर छूटे हुए लोगों का भी जांच किया जाएगा ताकि लक्ष्य अनुरूप उपलब्धि प्राप्त किया जा सके। कार्यक्रम में सिविल सर्जन बोकारो डॉक्टर अभय भूषण प्रसाद, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉक्टर सेलिना टुडू, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक दीपक कुमार तथा एनसीडी के कर्मी उपस्थित हुए।

आरपीएफ की सक्रियता से दो यात्रियों को वापस मिला खोया हुआ सामान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रेलवे स्टेशन पर सुबह के वक़्त ऐ शिफ्ट में ड्यूटी पर तैनात अरुण उरांव को रेल मदद सहायता केंद्र से एक शिकायत साथ हुई इसमें एक व्यक्ति का पिट्ठू बैग ट्रेन संख्या 18626 हटिया पूर्णिया एक्सप्रेस में छूट गया था शिकायतकर्ता सूरज महतो ने इसी सूचना रेलवे मदद सहायता केंद्र पर दी । सूरज महतो जो टाटीसिल्वे, जिला रांची झारखंड का निवासी है उन्होंने बताया कि सफर के दौरान उसका पिट्ठू बैग जिसकी कीमत लगभग 4000 रुपए बताई गई है यात्रा के दौरान वह ट्रेन में छूट गई। शिकायतकर्ता ने इसी सूचना टेलीफोन के माध्यम से रेल मदद शिकायत केंद पर आई तो बोकारो रेलवे स्टेशन पर सुबह के वक्त ड्यूटी पर तैनात अरुण उरांव ने इस संदर्भ में संज्ञान लेते हुए हटिया पूर्णिया एक्सप्रेस ट्रेन में खोज बिन की। खोजबीन पर पिट्ठू बैग बरामद किया गया तत्पश्चात इसकी सूचना शिकायतकर्ता को दी गई ।इसी दौरान अरुणा उरांव के साथ ड्यूटी पर तैनात सुधांशु शेखर प्लेट फॉर्म संख्या एक पे नियमित चैकिंग करने के दौरान एक यात्री का छुटा हुआ मोबाइल प्राप्त हुआ जिसकी कीमत लगभग 1800 रुपए बताई गई।इस पर त्वरित करवाई करते हुए प्लेट फॉर्म पर अनाउंसमेंट करवाया गया। अनाउंसमेंट सुन एक व्यक्ति जिसका नाम रामानुज सिंह पता ग्राम मछुआरी, थाना राजपुर, जिला रोहतास बिहार का निवासी था। प्राप्त की गई मोबाइल एवं पिट्ठू बैग को रेलवे सहायता केंद्र में जमा करा दिया गया था दोनों यात्री अपनी-अपनी समान का दावा किया। बोकारो आरपीएफ द्वारा दोनों का उचित सत्यापन एवं पहचान करने के बाद दोनों यात्री को उसका खोया हुआ समान सकुशल शौक दिया गया।

बोकारो थर्मल प्लांट में बड़ा हादसा : दीवार गिरने से ठेका मजदूर की मौत, एक घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीवीसी के बोकारो थर्मल पावर प्लांट में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। प्लांट के अंदर दीवार गिरने से एक ठेका मजदूर की मौ'त हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी की पहचान गोविंदपुर बस्ती निवासी भोला सिंह के रूप में हुई है, जबकि घायल मजदूर करण कुमार घासी का इलाज डीवीसी के स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

मुआवजे की मांग को लेकर गेट जाम

घटना के बाद मृतक मजदूर के परिजनों और ग्रामीणों ने नियोजन एवं मुआवजे की मांग को लेकर बोकारो थर्मल प्लांट गेट जाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीण तत्काल मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

कैसे हुआ हादसा

घायल मजदूर करण कुमार घासी ने बताया कि वे राधा टीएमटी कंपनी के तहत पुराने बी प्लांट के कम्युनिकेशन रूम के पास लोहा कटिंग का कार्य कर रहे थे। कुल छह मजदूर इस काम में लगे थे, तभी अचानक कम्युनिकेशन रूम की दीवार गिर गई। मलबे में मजदूर दब गए। भोला सिंह को मलवे से निकालने में लगे हैं। जबकि करण कुमार घायल हो गया।

प्रबंधन का बयान

बोकारो थर्मल प्लांट के परियोजना प्रधान सुशील कुमार अलजरिए ने बताया कि स्क्रैप कटिंग के दौरान यह हादसा हुआ। मलवे में दबे मजदूर को निकालने की प्रक्रिया जारी है। गौरतलब है कि बी प्लांट में स्क्रैप कटिंग का ठेका राधा टीएमटी कंपनी को दिया गया है। हादसे के बाद सुरक्षा मानकों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने दोषियों पर कार्रवाई और उचित मुआवजे की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

एआईआईईए की मान्यता की मांग को लेकर एलआईसी के सभी कार्यालयों में की हड़ताल

धनबाद : गुरुवार को पूरे देश में एआईआईईए के आह्वान पर नयी बहाली एवं एआईआईईए को मान्यता की मांग के सवाल पर धनबाद जिले सभी एलआईसी कार्यालय में दिन के 12.30 बजे से 01.30 बजे तक एक घंटे की हड़ताल की गयी। बहिर्गमन हड़ताल को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एलआई सी में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भारी कमी है। 31 मार्च 2017 को तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की संख्या 57441 से घटकर 31 मार्च 2024 को 45762 रह गई है। 2020 में अधिसूचित तृतीय श्रेणी के 8000 पदों में से 2700 से अधिक पद विभिन्न कारणों से भरे नहीं जा सके। चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की स्थिति और भी गंभीर है। भर्ती के माध्यम से इस मुद्दे को हल करने के बजाय, कुछ स्थानों पर चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों को पूरी तरह से आउटसोर्स करने का प्रयास किया जा रहा है। अगले कुछ वर्षों में कई कर्मचारियों के जाने के कारण, ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने और पसंदीदा बीमाकर्ता के रूप में अपनी प्रमुख स्थिति को बनाए रखने के लिए भर्ती की तत्काल आवश्यकता है। हम यह भी नोट करना चाहेंगे कि कर्मचारियों की संख्या में तेजी से कमी हमारे घोषित उद्देश्य एक मजबूत भारत के लिए एक मजबूत एलआईसी को साकार करने के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बन रही है। हमारा अखिल भारतीय संगठन, एआईआईईए, केंद्रीय कार्यालय स्तर पर बार-बार इस मुद्दे को उठाता रहा है। पिछले पांच वर्षों से प्रबंधन का लगातार यही कहना है कि रिक्तियों पर काम चल रहा है और यह प्रक्रिया पूरी होते ही शुरू हो जाएगी। रिक्तियों पर काम करने और भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने के लिए पांच साल का समय काफी होता है, खासकर एल आई सी जैसी विश्व स्तरीय संस्था के लिए। लेकिन शीर्ष स्तर से भी आश्वासन मिलने के बावजूद इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है।

सात्विक आईभीएफ पहुंचे सरयू राय

धनबाद : सात्विक आईभीएफ धनबाद के 10 वर्ष पूरे होने पर सिटी सेंटर धनबाद पहुँचे। पूर्व मंत्री एवं वर्तमान जमशेदपुर पश्चिमी विधायक सरयू राय और सात्विक आईभीएफ की संचालिका डॉ. नेहा प्रियदर्शिनी को दिया आशीर्वाद। ज्ञात हो कि सात्विक आईभीएफ का उदघाटन भी 10 वर्ष पूर्व इन्हीं के द्वारा किया गया था। सेंटर पहुंचने पर संचालिका डॉ नेहा प्रियदर्शिनी और उनकी पूरी टीम ने श्री राय को मधुबनी पेंटिंग एवं बुके देकर सम्मानित किया। सेंटर पहुंचने पर श्री राय ने विगत 10 वर्ष के क्रियाकलापों की जानकारी ली, जिसे देखकर उन्होंने काफी प्रसन्नता जाहिर की एवं पूरे टीम को बधाई दी साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर डॉ. नेहा को एवार्ड मिलने पर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डॉ. विश्वनाथ चौधरी, बिजय कुमार झा, डॉ. शिवानी झा, डॉ. धीरज चौधरी, अनंत श्रीकृष्णा, न्युट्रिशयन मनीषा मीनू, सुशील सिंह,पिंटू सिंह, रामस्वरूप यादव, अरविन्द सिंह, नवनीत सिंह, दिनेश धारी, पुष्पा पाण्डेय एवं सात्विक आईभीएफ के अभिनाश कुमार, धीरज सिंह, राजू दत्ता, अमित पासवान, जीतेन्द्र कुमार, मधु कुमारी,अन्नू कुमारी, देवराज कुमार, अनिता सिंह, रतन कुमार उपस्थित थे।

जल और वायु प्रदूषण के खिलाफ वन प्रमंडल पदाधिकारी से प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

बोकारो : जल एवं वायु प्रदूषण के रोकथाम को लेकर दामोदर बचाओ आंदोलन का एक प्रतिनिधि मंडल आज वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार से मुलाकात किया और प्रदूषित हो रही ईजरी ओर गंगा नदी जो की दामोदर नदी की सहायक नदी है जिसको नमामि गंगे के तहत शामिल किया गया चास नगर निगम के आवासीय कॉलोनी के गंदे पानी को बिना ट्रीटमेंट किए ही विशुद्ध जल को नदी में प्रवाह किया जा रहा जिस कारण से नदिया दूषित हो रही है साथ ही साथ नदियों को अतिक्रमण करके आवास भी बनाये जा रहा है। डीएफओ ने कहा कि हम रिपोर्ट मंगवा कर अतिक्रमण मुक्त करने का प्रयास करके एवं ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगे इस पर जल्द ही बैठक बुलाता हूं इस प्रतिनिधि मंडल में दामोदर बचाओ आंदोलन के बोकारो जिला संयोजक सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा,ललित सिन्हा,शिवकुमार श्रीवास्तव,विक्रम कुमार महतो,गोपाल साह, करमचंद गोप,आशीष कुमार महतो आदि लोग मौजूद थे।

चास रजिस्ट्री ऑफिस में इंटरनेट फेल जमीन की खरीद-बिक्री पर पड़ रहा असर

बोकारो : झारनेट इंटरनेट के भोरोसे है रजिस्ट्री ऑफिस। पिछले तीन चार दिनों से लिंक फेल होने के चलते रजिस्ट्री करनेवाले को हो रही है दिक्कतों का सामना। इंटरनेट के फेल होने से रजिस्ट्री ऑफिस पहुंचने वाले लोगो को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जहां लोगो का कहना है की इससे अच्छा मैनुअल ही था। लोग इस कदर परेशान है की लोगो ने कहा की पिछले दो दिनों से घूम रहे है और जब भी सब रजिस्ट्री ऑफिस पहुंचते है तो पता चलता है की इंटरनेट फेल है। ऐसे में इंटरनेट फेल होने से ऑनलाइन के तहत हो रहे रजिस्ट्री के काम काज पर भी बुरा असर पड़ रहा है क्योंकि बिना ओटीपी के रजिस्ट्री नहीं हो पाता है। जमीन के डीड लिखनेवाले डीड राइटर भी खासे परेशान नजर आ रहे है जहां इनका कहना है की रजिस्ट्री की कोई दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए था लेकिन दूसरी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं किए जाने के चलते भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

एक नजर

पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार मिजाचौकी थाना कांड संख्या 09,/25 गुरुवार को 2025 धारा 308/2/109/352/351/2/126(2)/3(5)/117(2) बीएनएस के प्राथमिकी अभियुक्त मो सोहराब अंसारी उम्र 23 वर्षीय, पिता स्वर्ग कयूम अंसारी, साकिन तेतरिया, जिला साहिबगंज के रहने वाले को पुलिस ने विधिवत तरीके से गिरफ्तार कर चिकित्सा जांच के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया। जहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर ने चिकित्सा जांच किया, जांच के उपरांत अभियुक्त को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एनसीबी की टीम ने बिहार जा रही पांच लाख का गांजा पकड़ा, पांच हिरासत में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो रांची की टीम ने गुप्त सूचना के बाद लगभग पांच लाख रुपए का गांजा की खेप को पकड़ने में सफलता हासिल की है। मालवाहक ट्रक के चालक और खलासी की सूचना पर गांजा खरीदार तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। एनसीबी की टीम हिरासत में लिए गए आरोपितों से पूछताछ कर रहीं हैं। गांजा को ओडिशा के संबलपुर से बिहार के गया ले जाया जा रहा था। मिली जानकारी के अनुसार ओडिशा के संबलपुर से मालवाहक ट्रक नम्बर (ओडी 14 जेड 3324)में लकड़ी का फ्लाई वुड लोड करते हुए बिहार के गया जा रहा था। इसी मालवाहक ट्रक में 13 बोरा मे भरकर 250 किलोग्राम

गांजा को बीच में छिपाया गया था। संबलपुर से मालवाहक ट्रक राउरकेला होते हुए सिमडेगा के बाद गुमला पहुंचा था तथा लोहरदगा होते हुए कुडू की तरफ से बिहार के गया जाना था। इस बात की जानकारी एनसीबी के पुलिस अधीक्षक को मिल चुकी थी।एनसीबी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक टीम का गठन किया गया। एनसीबी की टीम बुधवार देर रात कुडू थाना पहुंची तथा कुडू थाना प्रभारी मनोज कुमार के साथ मिलकर कुडू - लोहरदगा मुख्य पथ पर वाहन जांच अभियान शुरू किया।देर रात लगभग एक बजे मालवाहक ट्रक मस्जिद चौक पहुंचा। वाहन को रोकते हुए एनसीबी की टीम ने जांच शुरू किया तो लकड़ी के प्लाईवुड के बीच मे छिपाकर रखा गया 13 बोरा गांजा बरामद किया गया। मालवाहक ट्रक के चालक बिहार के औरंगाबाद निवासी अर्जुन कुंवर तथा खलासी भोजपुर निवासी रमेश महतो को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के क्रम में चालक तथा खालासी ने बताया का मालवाहक ट्रक को एक कार मे सवार तीन लोग स्कार्ट करते हुए लेकर जा रहे थे। जो पुलिस को देख भागने में सफल हुए हैं। एनसीबी की टीम ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर लगभग पचास किलोमीटर पीछा करते हुए तीन गांजा कारोबारी बक्सर निवासी सानी कुमार, आरा भोजपुर निवासी उमेश यादव तथा बक्सर निवासी महेश साह को हिरासत में लिया है। बरामद गांजा की कीमत लगभग पांच लाख रुपए बताई जा रही है। मामले में 250 किलोग्राम गांजा एक मालवाहक ट्रक एक कार जिस पर पुलिस का लोगो चिपका हुआ है । पांच को हिरासत मे लिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

डिजनी लैंड मेला का शुभारंभ कल

साहिबगंज: आपके शहर में डिजनी लैंड मेला का शुभारंभ 22 फरवरी 2025 को होने जा रहा है। वहीं डिजनी लैंड मेला का आयोजक रंजीत साहा और मुन्ना सिंह है। वही प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधन करते हुए रंजीत साहा ने बताया कि साहेबगंज पोखरिया टाउन हॉल के पीछे पहली बार डिजनी लैंड मेला में सुडजरलैण्ड, दुबई सिटी कार्निबल का आनन्द लिजिए, मेला में प्रत्येक राज्य से बहुत सारी वस्तुएं मुम्बई का चप्पल, कोलकाता का ज्वेलरी, विक्टोरिया पाउ भाजी, बच्चा से लेकर बड़ा तक घूमने का बहुत सारा साधन ब्रेक डांस, ड्राइग्न ट्रेन आदि राइड्स से लेकर सांइस का अविष्कार 3 डी शो बहुत सारी आइटम लेकर आया है। वही डिजनी लैंड मेला का कार्य अंतिम चरण में है।

मध्य विद्यालय रतनपुर में होगी विज्ञान प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता

बरहरवा: राष्ट्रीय आविष्कार अभियान एवं नवाचार के अंतर्गत विद्यालय में पढ़ने वाले कक्षा 6 एवं 8 के छात्र-छात्राओं को प्रखंड स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जानकारी देते हुए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी बरहरवा ने बताया कि यह कार्यक्रम 24 फरवरी को प्रखंड के मध्य विद्यालय रतनपुर में दिन के 11:00 बजे से प्रारंभ होगी। जिसमें प्रखंड क्षेत्र के सभी विद्यालय के कक्षा 6 एवं 8 के छात्र-छात्राओं को इस प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए कहा गया है।इस प्रदर्शनी में भारत की खगोलीय उपलब्धि स्वदेशी प्रौद्योगिकी का उपयोग जैसे विषयों पर भी चचाएं की जाएगी। इस विज्ञान प्रदर्शनी में सम्मिलित होने को लेकर लगभग सभी 6 एवं 8 संचालित कक्षा के छात्र-छात्रा विद्यालय स्तर पर जोर-शोर से तैयारी करना प्रारंभ कर दिया है। इस कार्यक्रम को लेकर बच्चों में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

चैनपुर में ओलावृष्टि और बारिश से मौसम हुआ सुहाना

चैनपुर: चैनपुर में ठंड कम हो चुका था और लोगों को थोड़ी-थोड़ी गर्मी का एहसास भी होने लगा था। लोग अपना जैकेट, स्वेटर, और बक्सा में बंद कर चुके थे। लेकिन तभी मौसम ने अचानक करवट बदली और चैनपुर कुरुमगढ़ क्षेत्र में झमाझम बारिश के साथ जोरदार ओलावृष्टि हुई। ओलावृष्टि और बारिश के बाद मौसम काफी सुहाना हो गया। लोगों को चैनपुर में ही कश्मीर और मनाली का मजा आने लगा। खुशनुमा मौसम में राहगीर सड़क पर उतरकर ओलावृष्टि से हुई बर्फ के साथ इंजॉय कर फोटो खींचने लगे। लोगों ने काफी मजा किया और ओलावृष्टि के बाद के मौसम का आनंद लिया। लेकिन अचानक मौसम बदलने से ठंड बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में ठंड में और भी वृद्धि हो सकती है। लेकिन ओलावृष्टि और बारिश के बाद के मौसम ने लोगों को काफी खुशी दी। लोगों ने अपने घरों के बाहर निकलकर ओलावृष्टि का आनंद लिया और फोटो खींचे। चैनपुर में हुई अचानक ओलावृष्टि और बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया है। ओलावृष्टि का राहगीरों ने खूब लुफ्त उठाया। हालांकि अचानक बदले इस मौसम में ठंड को एक बार फिर से बढ़ा दिया है। लोगों को फिर से स्वेटर जैकेट निकालना पड़ेगा।

ट्रैक्टर ने बिजली के पोल को धक्का मार किया क्षतिग्रस्त

साहिबगंज/राजमहल: थाना क्षेत्र के कसवा गांव में बुधवार को एक ट्रैक्टर बिजली के खंभे से जा टकराया जिससे खंभा टूटकर जमीन पर गिर गया और विकास मंडल के घर का बरामदा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे ट्रैक्टर के रफ्तार का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। इस घटना में समीप खड़ी एक बच्ची बाल-बाल बच गई। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को छोड़कर मौके पर से भाग गया। ट्रैक्टर चालक की इस लापरवाही से आक्रोशित दर्जनों ग्रामीणों ने तत्काल मंगलहाट-राजमहल मुख्य सड़क को जाम कर दिया और घर की क्षतिपूर्ति की मांग करने लगे। फिलहाल उक्त गांव का बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गया है। करीब एक घंटे तक रोड जाम रहा। क्षतिपूर्ति के आश्वासन पर जाम हटा दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि मंगलहाट से राजमहल की सड़क दो दशक के बाद बनी है। इससे सड़क पर दिनभर तीव्र गति से सैकड़ों वाहन चलते हैं। वाहनों की तेज रफ्तार से सड़क किनारे के लोगों को काफी परेशानी होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने जागरूकता अभियान चलाया

बरहरवा: गुरुवार को बरहरवा नगर पंचायत के रिलायंस पेट्रोल पंप स्थित रामनगर पीएलवी शुभम कुमार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार जागरूकता अभियान चलाया। जिसमें बाल विवाह, बाल मजदूरी, रोकथाम सड़क दुर्घटना में मुआवजा दिया जाएगा एवं निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तरफ से दिलाने की बात कही है। पीएलवी के शुभम कुमार के द्वारा जानकारी प्राप्त हुआ। मौके पर अमित सिंह, शुभो शाह, बाबू सहा, चिरंजीत शाह, विप्लव मंडल, जीत सरकार उपस्थित थे।

ऑल इंडिया लोको पायलट रनिंग स्टाफ एवं गार्ड काउंसिल ने अपनी मांगों को लेकर दिया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एवं ऑल इंडिया गार्ड काउंसिल के तत्वाधान में पूरे भारतीय रेलवे में लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर के द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि गुरुवार को सुबह 8:00 बजे से 21 को रात्रि 8:00 बजे तक सामूहिक उपवास करते हुए गाड़ियों का संचालन किया जाएगा। विगत दिनों में रेलवे बोर्ड के द्वारा रनिंग एवं गार्ड कर्मचारियों का माइलेज अलाउंस को अंध भक्तों की तरह 25 % बढ़ाने से इनकार कर दिया गया। इसके विरोध में अखिल भारतीय रेलवे में सभी जगह सभी लोको पायलट एवं गार्ड कर्मचारियों के द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि सरकार यदि हमारी बात नहीं मानती है तो हम 36 घंटे का भूख हड़ताल करते हुए निर्बाध रूप से गाड़ियों का परिचालन करेंगे। इसी तत्वाधान में

साहिबगंज बुकिंग लॉबी में ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन एवं ऑल इंडिया गार्ड काउंसिल के द्वारा 36 घंटे का डेमोंसट्रेशन एवं विरोध मनाया जा रहा है, जिसमें समस्त लोको रनिंग स्टाफ एवं समस्त गार्ड काउंसिल के सदस्य सम्मिलित है। सरकार अभी तक यह नहीं समझ रही है की लोको पायलट यदि भूख हड़ताल करते हुए कार्य करेंगे तो संरक्षण की दृष्टि से कितना भीषण परिणाम हो सकता है रेलवे प्रशासन के द्वारा रनिंग कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है एवं उनकी जायज मांगों को मानने से इनकार किया जा रहा है। अंततः सभी कर्मचारियों ने केंद्रीय कार्यकारिणी की निर्णय के अनुसार भूख हड़ताल करने का निर्णय लिया है। इसकी अध्यक्षता शाखा सचिव कॉमरेड नितीश प्रभाकर, गोपाल, अमरजीत, प्रभात प्रभाकर, दिवाकर, राजीव, रोहित, सचिन, संतोष ए डी रमन, गौतम, हितेश कुमार आदि कॉमरेड उपस्थित थे।

ई रिक्शा पलटने से चालक और सवारी हुए घायल

साहिबगंज/राजमहल : राजमहल-मंगलहाट फोर लाइन सड़क पर जदुवाटोली गांव के पास ई-रिक्शा अचानक पलटा गया,जिसमें ई-रिक्शा के नीचे चालक एवं सवारी दब गया। जानकारी के अनुसार बुधवार की देर शाम को ई-रिक्शा में मुड़ माला गांव की सवारी सवार होकर राजमहल से अपने गांव जा रहे थे। इस दौरान फोर लाइन सड़क जदुवाटोली गांव के पास सड़क पर चालक का संतुलन बिगड़ने से ई रिक्शा पलट गया। ई रिक्शा में सवारी लेबर व चालक लगभग चार से पांच सवारी दब गया। दबे हुए लोगों की चीख-पुकार सुनकर लोगों ने बाहर निकाला। वहीं राहगीरों की मदद से इलाज के लिए सभी घायलों को अनुमंडल अस्पताल राजमहल भेज दिया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने घायलों का इलाज किया। मिली जानकारी के अनुसार ई रिक्शा में सवार सभी लोगों की पहचान राजमहल थाना क्षेत्र के मुड़ माला गांव की बताई जा रही है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा का सभी पंचायतों में संगठन का किया जाएगा विस्तार : राजू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : अनगड़ा प्रखंड के गोंदलीपोखर मे झारखंड मुक्ति मोर्चा की एक अहम बैठक प्रखण्ड संयोजक टीम ने संयोजक प्रमुख जगेश्वर महतो की अध्यक्षता में हुई जिसमें पार्टी के नीति सिद्धांतों पर चर्चा एवं सरकार के योजनाओं को आम जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। मौके पर जिला राजू प्रमाणिक ने कहा कि झामुमो पार्टी ने पूरे राज्य में सक्रिय समिति को लेकर पंचायत से लेकर प्रखंड और जिला स्तर पर काम करना है। और पार्टी का मजबूती प्रदान के लिए अनगड़ा प्रखंड के(21) पंचायतों में चुनाव करना है उदेश्य है जिसका शुरूआत दो पंचायत सालहन और चिलदाग पंचायत में झामुमो पंचायत स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा जिसकी शुरूआत सर्व सहमति से सालहन पंचायत समिति के अध्यक्ष राजकिशोर महतो को

सचिव पवनकिशोर प्रमाणिक, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार को बनाया गया। वहीं चिलदाग में अध्यक्ष मनोज मुंडा, सचिव शत्रुधन मुंडा, उपाध्यक्ष मुस्ताक अंसारी को बनाते हुए समिति का विस्तार किया गया। इस बैठक में टीएसी मेंबर जमाल मुंडा, रिझुवा मुंडा,सीताराम पातर, वनमाली महतो, रंथा महली, सज्जाद अंसारी, अमानुला अंसारी, नवीन किशोर नायक, श्रीनाथ महतो, राजकिशोर महतो सहित अन्य शामिल हुए ।

महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए जत्था रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी/सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत सिंगपुर और महुआडीह से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संगम में आस्था के डुबकी लगाने के लिए जत्था मुरी जंक्शन से संबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन से रवाना हुए। जत्था में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल थे। डुबकी लगाने को लेकर सभी में काफी उत्साह और जोश देखा गया। जत्था प्रयागराज के संगम में डुबकी लगाने के बाद मैहर (मध्य प्रदेश) में मां शारदा भवानी का दर्शन करने के पश्चात विंध्याचल और बनारस में काशी विश्वनाथ का भी दर्शन करेंगे। बताते चलें की महाकुंभ मेला हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्यौहार है साथ ही खगोलीय घटनाओं के आधार पर आयोजित होता है। हिंदू धर्म में महाकुंभ मेले में संगम में डुबकी लगाने का रिवाज है जिसको सनातन धर्म के लोग अपनाते हैं। मान्यता है कि महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने से कई गुना ज्यादा पुण्य की प्राप्ति होती है। महाकुंभ में साधु, संत, ऋषि और योगी ध्यान और साधना करते हैं।

नवजात शिशु का इलाज कराने के लिए कनाडा से महिला पहुंची भारत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड : नवजात शिशु का इलाज कराने के लिए कनाडा से महिला पहुंची भारत और भारत से सुदूरवर्ती झारखंड के पाकुड़ में अपने 13 माह के नवजात शिशु मीर अहमद अली बुखारी का इलाज करा रहे हैं मीर अहमद अली बुखारी की माता सफीक तहसीन ने बताया कि वे लोग कनाडा में रहते हैं और बच्चे का जन्म के तीन माह बाद भारत बच्चे की चिकित्सा कराने भारत पहुंची। बच्चें की माँ ने कहा कि बच्चे की चिकित्सा कनाडा में की जा रही थी लेकिन बच्चे के अंदर किसी प्रकार का हलचल या फिर सुधार नहीं होने के कारण उनकी चिंता बढ़ गई कनाडा में पांच डॉक्टरों को दिखाया गया लेकिन सुधार नहीं हुई जिसके कारण घबराकर इंडिया के हैदराबाद आ गये और इंडिया में नामी ग्रामी लगभग 50 से अधिक डॉक्टर के पास उक्त नवजात शिशु का इलाज

कराया गया लेकिन उसके अंदर किसी प्रकार की सुधार नहीं हुई इसी क्रम में यूट्यूब चैनल पर झारखंड राज्य के पाकुड़ जिले के शहरी क्षेत्र में स्थित एको पंचरीस्ट डॉक्टर अशोक शाह का वीडियो देखा गया जिसमें चीनी पद्धति के द्वारा एको पंचर के माध्यम से ट्रीटमेंट किए जाते हैं और बीमारी का इलाज किया जाता है वीडियो देखा गया और महिला के द्वारा डॉक्टर से कांटेक्ट किया गया जिसमें डॉक्टर ने उन्हें हैदराबाद में ही किसी एको पंचरिष्ट डॉक्टर से इलाज करने के लिए कहा लेकिन महिला को संतुष्टि नहीं हुई जिसके कारण महिला अपने 13 महीने के बच्चे को लेकर पाकुड़ चली आई जहां पर एक सप्ताह से बच्चे का एको पंक्चर्स डॉक्टर अशोक साह के द्वारा इलाज किये जा रहे हैं महिला ने बताया कि बच्चों में 30 परसेंट से अधिक सुधार हुई है धीरे-धीरे सुधार हो जाएगी बीमारी के विषय में पूछने पर डॉक्टर ने कहा कि सर में इसका पानी भर गया है लिवर संबंधी समस्याएं है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज : गुरुवार को मॉडल कॉलेज, राजमहल में आज विश्व सामाजिक न्याय दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. रंजीत सिंह ने कहा, सामाजिक न्याय केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक अधिकार है, जो हर व्यक्ति को समान दृष्टि से देखता है, चाहे जाति, धर्म, लिंग या आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, न्याय सबके लिए समान होना चाहिए। प्राचार्य डॉ. रंजीत सिंह ने इस दिन के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि 1950-60 में अमेरिका में श्वेत-अश्वेत भेदभाव के खिलाफ पहला बड़ा आंदोलन हुआ। 1995 में डेनमार्क के कोपेनहेगन में सामाजिक विकास सम्मेलन आयोजित किया गया। 2005 में संयुक्त राष्ट्र ने कोपेनहेगन घोषणा की समीक्षा की। 26 नवंबर 2007 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक रूप से 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस घोषित किया। 2009 में पहली बार इस दिवस को वैश्विक स्तर पर मनाया गया। डॉ. रंजीत सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान हर नागरिक को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक न्याय का अधिकार देता है, जिससे हर व्यक्ति सम्मान और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सके।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना को लेकर बच्चियों को किया गया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव के निदेर्शानुसार मंथन संस्था एवं चाइल्डलाइन द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, राजमहल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने कहा कि भारत सरकार ने 2015 में शिक्षा, लैंगिक भेदभाव और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना की शुरूआत की थी। यह योजना

22 जनवरी, 2015 को प्रधानमंत्री द्वारा पानीपत, हरियाणा में शुरू की गई थी। इस योजना से शिशु लिंग अनुपात में गिरावट को रोकने, महिलाओं को सशक्त बनाने, आर्थिक विकास में सुधार, स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति को बेहतर बनाने, सामाजिक सुधार को बढ़ावा देने और देश की प्रगति में योगदान देने में मदद मिलती है। उन्होंने बच्चों को जागरूक करते हुए बताया कि अगर वे रास्ते, ट्रेन या किसी अन्य जगह पर खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं, तो वे तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, बाल संरक्षण पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति या नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचना दे सकते हैं। इसके बाद उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। मंथन संस्था के समन्वयक अमन वर्मा ने बताया कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं का सशक्तिकरण करना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और भविष्य में किसी भी समस्या का सामना करने में सक्षम हों। इसके अलावा, कार्यक्रम के दौरान स्कूल में मौजूद प्रोजेक्टर के माध्यम से बाल विवाह, बाल शोषण, बाल तस्करी और पोक्सो एक्ट से संबंधित वीडियो दिखाए गए। साथ ही, इन विषयों से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को शपथ ग्रहण करवाई गई और 5 फलदाई वृक्षों का रोपण भी किया गया। इस अवसर पर इकबाल अंसारी, संजीव कुमार, नाहिद परवीन, रूबी कुमारी, अंशु मालाकार, सबनम परवीन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

ई०-अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई-निविदा सं० : RDSD/RAMGARH/09/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी : पर्यटन कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग।

क्र	आईडेन्टीफिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	प्रखण्ड	ग्राम / पंचायत	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि (रु०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रु०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	RDSD/RAMGARH/Sports/01/2024-25	चितरपुर	बोरोबिंग	प्रखण्ड चितरपुर के ग्राम-बोरोबिंग में प्रखण्ड स्तरीय स्टेडियम निर्माण।	8304550	167000	10000	12 (बारह माह)

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :- दिनांक 27.02.2025
3. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय - दिनांक 27.02.2025 से 06.03.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई-निविदा खोलने का स्थान - कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
5. ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय- 08.03.2025 अपराह्न 02:00 बजे।
6. ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
7. ई निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं०- 9162178293
8. परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबंधित संवेदक की होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

PR 346889 Rural Work Department (24-25)_D

रेखा 'राज' के समक्ष चुनौतियां

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में भारी मंथन के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजे के 12वें दिन रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा हुई। मुख्यमंत्री के नाम पर चौंकाने वाली भाजपा की शैली विभिन्न राज्यों की तरह दिल्ली में भी जारी रही। भाजपा के जीते 48 विधायकों में शायद कोई एकाध नाम छूटा हो, जिसका नाम सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री के दावेदार के तौर पर न आया हो। कयास तो प्रवेश वर्मा को लेकर लगाए जा रहे थे लेकिन अंत में वे पिछड़ गए। क्यों पिछड़े, इसका जवाब किसी के पास नहीं। 08 फरवरी के चुनाव परिणाम के दिन से लेकर 19 तारीख की देर शाम तक मुख्यमंत्री के नाम को लेकर भाजपा ने सस्पेंस बरकरार रखा। जैसे पिटारे से नाम निकला, सभी एकबार फिर चकित रह गए। ऐसा नाम जिसकी कल्पना तक किसी नहीं की थी।

मुख्यमंत्री के नाम का सस्पेंस 12वें दिन खत्म किया गया। सप्ताह भर तक नाम को गुप्त रखा गया। पार्टी ने विचार करके और आरएसएस की सिफारिश पर ही दिल्ली के शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र से चुनी गईं रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा की। हालांकि, वरिष्ठता के लिहाज से रेखा गुप्ता अन्य विधायकों के मुकाबले बहुत जूनियर हैं। रेखा के नाम की जब घोषणा हुई, कई के चेहरे की रंगत बदल गई।

भाजपा ने एक और नई परंपरा शुरू की है। चुनाव जीतने के बाद राज्यों में किसी बड़े चेहरे को मुख्यमंत्री के पद पर न बिठाने की। दिल्ली में भी कई प्रचलित व दिग्गज नेता मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे लेकिन उनके दावे धरे रह गए। अब मुख्यमंत्री बनने के बाद रेखा गुप्ता के समक्ष सियासी कौशल साबित करने की चुनौती है। चुनाव अभियान के दौरान दिल्ली के मतदाताओं से किए गए पार्टी के वायदों को जमीन पर उतारना सबसे बड़ी चुनौती है जिनमें फ्री की योजनाएं, बिजली-पेयजल की समस्या से निबटना, यमुना की सफाई, बेरोजगारी जैसे बड़े मसले शामिल हैं। इसके साथ परीक्षा आम आदमी पार्टी की भी है। पार्टी का गठन होते ही सत्ता में पहुंच जाने वाली पार्टी को अबतक विपक्ष का कोई अनुभव नहीं है और अब उसे यह साबित करना होगा कि विपक्ष की भूमिका में वे कितने सक्षम हैं।

भाजपा का चुनाव जीतने के बाद अंत तक मुख्यमंत्री के नाम को सार्वजनिक नहीं करने की चौंकाने वाली शैली इस समय चचाओं में है। ये सिलसिला बीते कुछ वर्षों से लगातार जारी है। पिछले ही साल मध्य प्रदेश और राजस्थान में इसी शैली ने सबको चौकाया था। मप्र में डॉ. मोहन यादव, राजस्थान में भजनलाल शर्मा को सामने लाकर पार्टी ने प्रदेशों में खलबली मचा दी थी। उन तीनों राज्यों के निर्णयों में एक बात जो कॉमन थी वह यह कि तीनों ही मुख्यमंत्री आरएसएस और भाजपा की राजनीतिक-संस्कृति में पले-बढ़े हैं। तीनों नाम संघ-भाजपा की आपसी सहमति से तय हुए। पेशे से वकील रेखा गुप्ता सालों से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से जुड़ी रही हैं।

हरियाणा के जींद जिला स्थित नंदगढ़ में जन्मी रेखा गुप्ता को लेकर भाजपा ने मास्टर स्ट्रोक खेला। इस समय देश की ज्यादातर राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं लेकिन इनमें किसी में महिला मुख्यमंत्री नहीं है। इसलिए राजधानी में महिला को मुख्यमंत्री बनाकर उस कमी को भाजपा ने दूर किया है। विपक्षी दल ये आरोप लगाते आए थे कि भाजपा महिला सशक्तिकरण की बात तो करती है, पर निभाती नहीं। पार्टी ने जातीय समीकरण को देखकर ही रेखा गुप्ता का चयन किया है। वह वैश्य समाज से संबंधित हैं और दिल्ली में वैश्य बहुतायत संख्या में है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी वैश्य थे, उनकी काट पार्टी ने रेखा के जरिए की है। वैश्य समुदाय से जुड़े पार्टी के एक अन्य वरिष्ठ नेता विजेंद्र गुप्ता के नाम पर भी विचार हुआ, तब भी इस समीकरण को साध सकते थे लेकिन महिला होने के नाते रेखा गुप्ता का पलड़ा भारी पड़ा।

भविष्य की चुनौतियों की जहां तक बात है तो उसका मुकाबला करने के लिए न सिर्फ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जमीन पर उतरना पड़ेगा बल्कि भाजपा की पूरी मशीनरी को सामूहिक रूप से दिल्ली में मोर्चा संभालना होगा। पार्टी ने चुनाव प्रचार के दौरान वायदों की बौछार कर दी थी जिन्हें पूरा करना होगा। वादे पूरे इसलिए करने होंगे, क्योंकि भाजपा को इसके जरिये देश के अन्य राज्यों को भी संदेश देना है। इसके बाद भाजपा को बिहार कूच करना है। दिल्ली का मौजूदा बजट 76 हजार करोड़ के आसपास है जिसमें नई सरकार को बेतहाशा वृद्धि करनी पड़ेगी, तभी सरकार सभी वायदों का खर्च उठा पाएगी।

सूडोकु नवताल- 7348

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7347 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

साफ होनी चाहिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर दिमागी गंदगी?

प्रियंका सौरभ

कानूनी कार्रवाई का मतलब सिर्फ व्यक्तियों को दंडित करना नहीं है; इसका उद्देश्य एक मिसाल कायम करना है कि कुछ चीजें स्वीकार्य नहीं हैं, चाहे लोग उन्हें कितना भी हास्यपूर्ण बताने की कोशिश करें। यदि वे सचमुच समाज को बेहतर बनाने के बारे में चिंतित हैं, तो उन्हें यह समझना चाहिए कि सांस्कृतिक पतन से लड़ना भी बड़े अपराधों से निपटने जितना ही महत्वपूर्ण है। यदि आप सोचते हैं कि हमें ऐसे घृणित 'मजाक' को नजरअंदाज कर देना चाहिए और केवल 'वास्तविक अपराधों' पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, तो आप यह समझने में विफल हैं कि समाज कैसे काम करता है। विकृत और अपमानजनक हास्य को सामान्य मानने से नैतिक सीमाएं कमजोर होती हैं और लोग अस्वीकार्य चीजों के प्रति असंवेदनशील हो जाते हैं। कॉमेडी में बिना किसी परिणाम के कुछ भी कहने की छूट नहीं है - खासकर तब जब यह बहुत ही विचलित करने वाले क्षेत्र में प्रवेश कर जाए। यदि कोई मजाक अनादर, असंवेदनशीलता या नैतिक सीमाओं को लांघने पर आधारित है, तो यह सवाल उठना उचित है कि क्या यह समाज का उत्थान करता है या पतन करता है? आलोचना का मतलब 'घटिया मानसिकता' रखना नहीं है; यह संस्कृति पर विषय-वस्तु के प्रभाव को पहचानने के बारे में है। यदि कॉमेडी पर सवाल नहीं उठाया जा सकता तो फिर वास्तव में संवेदनशील कौन है? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ऐसी सामग्री का बचाव करना केवल यह साबित करता है कि समाज में क्या स्वीकार्य है, इसके प्रति लोग कितने असंवेदनशील हो गए हैं।

कुछ लोग ह्यूमर के नाम पर समाज में गंदगी फैला रहे हैं। ऐसा कंटेट प्रसारित कर रहे हैं जो चिंता का विषय है। विवाद बढ़ने के बाद ये अश्लील इंफ्लूएंसर अपनी करतूत पर माफी मांग लेते हैं। लेकिन सवाल ये है कि क्या इनकी शर्मनाक हरकत पर इनका माफी मांग लेना काफी है या बड़ा एक्शन होना चाहिये? ऐसे लगों को कानूनी तौर पर तो सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन साथ ही में जनता उनके सभी चैनलों का बहिष्कार करेगी तो यह उनके लिए सबसे बड़ी सजा होगी। इन लोगों को सजा मिलनी आवश्यक है तभी बाकी इस प्रकार के मानसिक दिवालिया वाले लोग सुधार पाएंगे। ऐसे सारे कार्यक्रम, ओटीटी, टीवी, आदि पर भी हैं। सब बंद होना चाहिए। ऐसा बलगर कंटेंट्स हमारे देश की संस्कृति को खत्म कर देगी।.यह निंदनीय है और सभ्य समाज के लिए गलत भी। ऐसे लोग हमारा सनातन धर्म और हिंद संस्कृति का बेड़ागर्क कर रहे है। इनको सजा होनी चाहिए ताकि आने वाले समय ऐसी नीच हरकत और सोच रखने वाले ऐसी हरकत करने से पहले 10 बार सोचना पड़े। इस सब प्रकार की घिनौनी मानसिकता को देखना और सुनना आज के समाज का भी कसूर है। इन जैसे लोगों का समाज से बहिष्कार करना चाहिए। गंदी भाषा वाले बहुत सारे नाटक और फि ल्में दिखाई जाती हैं। उन्हें भी बंद कर देना चाहिए। ओटीटी पर तो बहुत ज्यादा अश्लीलता परोसी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर 'आपत्तिजनक' टिप्पणियों की निंदा की।

सर्वोच्च न्यायालय ने अल्लाहबादिया के शब्दों के पीछे छिपे गहरे मुद्दों को उजागर करते हुए इसे "उनके दिमाग की गंदगी" कहा। अल्लाहबादिया के शब्दों की निंदा करते हुए कहा कि उसकी भाषा से माता-पिता और बहनों को शर्म आएगी। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, अल्लाहबादिया की टिप्पणियों की विकृत प्रकृति से "पूरा समाज शर्मिंदा महसूस करेगा"। यह मामला डिजिटल युग में प्रभावशाली व्यक्तियों और सामग्री निमार्ताओं की जिम्मेदारी के बारे में व्यापक चर्चा को जन्म देता है। वैसे भी सार्वजनिक हस्तियों को अपनी भाषा के प्रयोग के प्रति सचेत रहना चाहिए, क्योंकि इससे सामाजिक मूल्यों पर असर पड़ता है। समाज पर ऐसे युवा प्रतीकों के प्रभाव को कम आंकना मूर्खतापूर्ण होगा, विशेषकर युवा मस्तिष्कों और स्वस्थ समाज की बुनियादी संस्कृति पर। क्या यह काफी बड़ा नहीं है? यह पूछना कि शो का कोई प्रतियोगी किस चीज के लिए कितना शुल्क लेगा, क्या इससे युवाओं की एक पूरी पीढ़ी भ्रष्ट नहीं हो जाएगी? तर्कहीन ढंग से और समाज के प्रति किसी जिम्मेदारी के बिना कही गई बातें। क्या आपके बच्चे नहीं हैं और न ही आपको उनकी परवाह है। सच तो यह है कि "मजाक" के माध्यम से ऐसी अश्लीलता को सामान्य बनाना उसी मानसिकता को बढ़ावा देता है जो वास्तविक अपराधों को बढ़ावा देती है। समाज रातों-रात नहीं बिखर जाता - इसकी शुरूआत असहनीय को सहन करने, घृणित को "सिर्फ हास्य" के रूप में नजरअंदाज करने और धीरे-धीरे नैतिक सीमाओं को खत्म करने से होती है।

कानूनी कार्रवाई का मतलब सिर्फ व्यक्तियों को दंडित करना नहीं है। इसका उद्देश्य एक मिसाल कायम करना है कि कुछ चीजें स्वीकार्य नहीं हैं, चाहे लोग उन्हें कितना भी हास्यपूर्ण बताने की कोशिश करें। यदि वे सचमुच समाज को बेहतर बनाने के बारे में चिंतित हैं, तो उन्हें यह समझना चाहिए कि सांस्कृतिक पतन से लड़ना भी बड़े अपराधों से निपटने जितना ही महत्वपूर्ण है। यदि आप सोचते हैं कि हमें ऐसे घृणित 'मजाक' को नजरअंदाज कर देना चाहिए और केवल 'वास्तविक अपराधों' पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, तो आप यह समझने में विफल हैं कि समाज कैसे काम करता है। विकृत और अपमानजनक हास्य को सामान्य मानने से नैतिक सीमाएं कमजोर होती हैं और लोग अस्वीकार्य चीजों के प्रति असंवेदनशील हो जाते हैं। कॉमेडी में बिना किसी परिणाम के कुछ भी कहने की छूट नहीं है। खासकर तब जब यह बहुत ही विचलित करने वाले क्षेत्र में प्रवेश कर जाए। कानून गरिमा को बनाए रखने और बुनियादी शालीनता के क्षरण को रोकने के लिए मौजूद हैं। अगर आप यह सिर्फ. एक मजाक है के नाम पर इसका बचाव कर रहे हैं, तो शायद असली मुद्दा यह है कि आप इस तरह की सामग्री के प्रभाव के प्रति कितने सुन्न हो गए हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना बहुत जरूरी है। आपका यह तर्क कि हमें 'मजाक के बजाय वास्तविक अपराधों और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए' मूर्खतापूर्ण और अपरिपक्व दोनों है। हास्य में शक्ति होती है और शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी आती है। 'मजाक' कहलाने वाली हर बात हानि रहित नहीं होती। कुछ हास्य हानिकारक व्यवहार को सामान्य बना देता है। यदि कोई मजाक अनादर, असंवेदनशीलता या नैतिक सीमाओं को लांघने पर आधारित है, तो यह सवाल उठना उचित है कि क्या यह समाज का उत्थान करता है या पतन करता है। आलोचना का मतलब 'घटिया मानसिकता' रखना नहीं है; यह संस्कृति पर विषय-वस्तु के प्रभाव को पहचानने के बारे में है। यदि कॉमेडी पर सवाल नहीं उठाया जा सकता तो फिर वास्तव में संवेदनशील कौन है? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ऐसी सामग्री का बचाव करना केवल यह साबित करता है कि समाज में क्या स्वीकार्य है, इसके प्रति लोग कितने असंवेदनशील हो गए हैं। स्वतंत्रता का अभिप्राय है, सही समय पर सही यानि नैतिक कार्य करने की स्वतंत्रता। इसी प्रकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अभिप्राय है- उचित समय पर उचित बात कहने की स्वतंत्रता। इसके विपरीत कुछ भी, कभी भी कह देने की स्वतंत्रता, स्वतंत्रता नहीं स्वच्छंदता है। स्वच्छंदता को ही अराजकता कहा जाता है। अतः स्वतंत्रता एक कानूनी प्रक्रिया है, इसके विपरीत स्वच्छंदता गैरकानूनी है। अतः अभिव्यक्ति की कानूनी स्वतंत्रता के तहत अभिव्यक्ति की स्वच्छंदता की अनुमति गैरकानूनी है। अभिव्यक्ति की स्वच्छंदता को प्रश्रय, सोशल मीडिया की गुणवत्ता की जगह मात्रा को अहमियत देने की व्यवस्था ने दिया है।

जनजातीय हितों व श्रद्धा पर केंद्रित हो नई वननीति

डॉ. प्रवीण गुगनानी

वनग्राम, वनों से सटे राजस्व ग्राम, जनजातीय समाज, वनों के भीतर कृषि का अधिकार, जनजातीय समाज को वनों के सीमित उपयोग की अनुमति आदि-आदि विषय मप्र में एक बड़ा सामाजिक सरोकार का प्रश्न रहे हैं। यह प्रश्न अब गहरा रहा है। मप्र सरकार कंपनी, संस्था, व्यक्ति या स्वयंसेवी संस्था को बिगड़े जंगल अनुबंध पर साठ वर्ष हेतु देने के प्रस्ताव पर विचाररत है। नई नीति में निजी क्षेत्र को विभाग के अनुसार नए पौधे लगाने होंगे। दो वर्ष में पौधे नहीं उगे तो अनुबंध समाप्ति का अधिकार शासन के पास सुरक्षित रहेगा। इन वनों का कार्बन क्रेडिट, वन विभाग के माध्यम से विक्रय करेंगे। इस नीति के अनुसार एक हजार हेक्टेयर तक के जंगल को यदि कोई निजी कंपनी विकसित करना चाहेगी तो वनों की पुनर्स्थापना का भी प्रावधान है। अनुबंधित वनों से प्राप्त वनोपज का पांचवां भाग वन समिति और शेष चार भाग वन विकास निगम और निजी कंपनी को मिलेंगे। फल वनोपज का आधा भाग निजी कंपनी को प्राप्त होगा।

मप्र में 37 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बिगड़े वन हैं, इसे ही निजी क्षेत्र में सौंपने की तैयारी है। नई नीति के अन्तर्गत निजी निवेशकों का इन वनीय क्षेत्रों की उपज व कार्बन क्रेडिट पर प्रथम अधिकार होगा। नई नीति का नाम "सीएसआर एवं कंपनी एन्वायरमेंट रिस्पांसिबिलिटी एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वनों की पुनर्स्थापना" है। इसके अंतर्गत मप्र में निजी निवेशक न्यूनतम दस हेक्टेयर वन का चयन कर सकेंगे।

नई वन नीति में कई विसंगतियाँ हैं, जिससे वनीय विविधता की हत्या हो जाएगी। जिस प्रकार समर्थन मूल्य के कारण मप्र व अन्य प्रदेशों की कृषि विविधता समाप्त हो गई है, उसी प्रकार वन विविधता समाप्त हो जाएगी। जब वनीय विविधता समाप्त होगी तो सर्वप्रथम वनीय जैव विविधता, बड़ी तीव्रता से समाप्त होगी। वनवासियों हेतु हर वृक्ष का हर उत्सव व ऋतु में अलग-अलग आस्था का सम्बंध होता है। हजारों-लाखों प्रकार के जीव-जंतुओं का भोजन, उनकी औषधियां, उनकी रहवासी आवश्यकताएं सभी कुछ समाप्त हो जाएंगे। जीव-जंतु तो छोड़िए जनजातीय समाज और नगरीय समाज को मिलने वाली हजारों वनीय औषधियां, जड़ी-बूटियां, रसायन, मौसमी उत्पाद सभी कुछ समाप्त हो जाएँगे। प्रकृति की अविरल धारा के समक्ष एक बड़ा अवरोध व परिवर्तन उपस्थित होगा जिससे कई प्रकार की असंगतियां-विसंगतियां देखने को मिलेंगी। अनुबंध पर जंगल लेने वाले व्यसायी केवल लाभ से सरोकार रखेंगे। निजी वन व्यवसायी और कम्पनियां आदि; राष्ट्रीय, पर्यावरणीय, सामाजिक, धार्मिक विषयों के प्रति कोई सरोकार या संवेदनशीलता रखने से तो रहे। व्यावसायिक लाभ ही एकमेव लक्ष्य होगा, इससे वनोपज में असंतुलित वृद्धि तो हो सकती है किंतु पर्यावर्णीय हानि, जैव व वन विविधता की हानि व वनवासी समाज के साथ शासन व शेष समाज के सम्बंध बिगड़ सकते हैं। नई वन नीति की सम्पूर्ण समीक्षा की आवश्यकता है। या तो यह नीति रद्द हो या फिर इस नीति में वनीय, विविधता, जैव विविधता, जलीय सरंचनाओं, वनीय पशु-पक्षियों की आवश्यकताओं, वनवासी बंधुओं की आजीविका आदि विषय में सुरक्षा की गारंटी हो।

नई वन नीति में जिसे "बिगड़े वन" कहा जा रहा है, उसकी परिभाषा भी तय नहीं है। ग्राम सभा की अनुमति की शर्त भी बड़ी ही आसान व एक औपचारिकता मात्र है। केवल मूल्यवान लकड़ी प्रदान नहीं करने वाले वनों को बिगड़ा हुआ वन मान लेना एक बड़ी प्रदूषित, शोषक, स्वार्थी व एकपक्षीय नीति है। वनवासी बंधुओं की धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक आवश्यकताओं एवं पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए वनीय विविधता बनी रहे, यह परम आवश्यक है। इस नई वन नीति से हमारी आने वाली पीढ़ियाँ कई वन उत्पादों के केवल नाम ही सुन पाएगी। आज जिस प्रकार कृषि क्षेत्र में केवल दो चार प्रकार के अन्न का उत्पादन हो रहा है व शेष फसलों का उन्मूलन होता जा रहा है, वही स्थिति वनों में भी देखने को मिलेगी। प्रत्येक ऐसे वृक्ष को जिससे आर्थिक लाभ नहीं होता है या कम लाभ होता है, उसे कुल्हाड़ी की बलि चढ़ाकर वहाँ व्यावसायिक लाभ की दृष्टि से मूल्यवान पेड़ लगा दिए जाएँगे। लाभमात्र के मूलमंत्र से पारिस्थितिकी संतुलन व इको सिस्टम समाप्त होगा। वनों में ये कंपनियां बेतहाशा इको टूरिज्म को बढ़ावा देंगी, यह लाभप्रद तो अवश्य ही होगा किंतु इसके गंभीर साइड इफेक्टस भी हो सकते हैं। आशंका है कि वनों को लेकर अंधाधुंध दोहन की या केवल लाभ की नीति से पर्यावरण असंतुलन उत्पन्न हो सकता है।

वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री शिवराज चौहान के समय भी इस प्रस्ताव को लाया गया था जो बाद में फाइलों में बंद हो गया। फाइलों में बंद इस जिन्न को मप्र वन विभाग के नौकरशाहों ने पुनः बाहर निकाला है। यद्यपि यह मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की संवेदनशीलता ही है कि सरकार ने अभी एकतरफा निर्णय नहीं लिया है तथापि मुख्यमंत्री को जनजातियों के प्रति असंवेदनशील, वन नीति से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कुछ ही दिन पहले एक टास्क फोर्स की मीटिंग हुई थी, जिसमें वन अधिकार कानून के तहत ग्राम सभाओं को अपने परंपरागत वन क्षेत्र के पुनर्निर्माण, संवर्धन, संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकार देने का निर्णय हुआ था। संभवतः इसी को ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री ने इस वन नीति के प्रारूप को अभी सहमति नहीं दी होगी। मप्र शासन ने नई वननीति के संदर्भ में apccfit.mp.gov.i पर जनता से सुझाव व आपत्तियाँ माँगी हैं। सभी पर्यावरणविदों को सुझाव देना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि शासकीय आय बढ़ाने के इस उपक्रम को वन शोषण का धत्कर्म बना दिया जाए। वन विकास के नाम पर कहीं हमारे वन, व्यवसाइयों व दलालों की भेंट न चढ़ जाएँ। मप्र की जनता से प्राप्त होने वाले सुझावों और आपत्तियों को देखते हुए नीति में वांछनीय परिवर्तन या संपूर्णतः अस्वीकृत भी किया जा सकता है। मप्र की भाजपा सरकार की ओर से यह शुभ संकेत है और एक अवसर भी। वस्तुतः स्टेट फॉरेस्ट रिपोर्ट 2023 में यह निष्कर्ष था कि मध्यप्रदेश, 97 हजार वर्ग किमी वनक्षेत्र वाला देश का सबसे बड़ा राज्य है। इसमें यह तथ्य भी उभरकर आया था कि 2021 की तुलना में 2023 में मप्र में 612 वर्ग किमी जंगल कम हो गए हैं।

मप्र में चालीस प्रतिशत से कम घनत्व वाले वनों को बंजर भूमि या ओपन फॉरेस्ट कहा गया है। इस वनभूमि को ही निजी क्षेत्रों में देना प्रस्तावित है। मप्र सरकार का लक्ष्य इस बंजर भूमि पर वनक्षेत्र बढ़ाना है। किंतु इस लक्ष्य के पीछे कहीं उद्योगपति इनका शोषण न करने लग जाएँ। इस हेतु शासकीय व सामाजिक विजिलेंस का एक बड़ा नेटवर्क निर्मित करना होगा। ग्राम समितियों को नई नीति में शासन की आँख, कान, नाक बनाकर सोशल विजिलेंस का नया उदाहरण समूचे देश के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रस्तावित ड्राफ्ट के पहले भाग में सीएसआर और सीईआर (कॉर्पोरेट एन्वायरमेंट रिस्पांसबिलिटी) निधि से वन विकास का उल्लेख है। दूसरे भाग में निजी निवेश से ओपन फारेस्ट के विकास का लक्ष्य है। यह ड्राफ्ट रोजगार सृजन, राजस्व की सृजन आदि विषय में भी अस्पष्ट है।

एक सुझाव यह भी है कि नई वन नीति समूचे मप्र हेतु एक जैसी न बने। इस नीति को क्षेत्रवार, भौगोलिक विशेषताओं, विशिष्टताओं, वनीय बंधुओं की आवश्यकतानुसार, वनीय बंधुओं की परंपराओं आदि को ध्यान में रखकर वनीय बंधुओं के रोजगार सृजन के लक्ष्य, वनवासी बंधुओं के विस्थापन-स्थापन की सधी हुई दृष्टि से निर्मित करना होगा। मप्र की नई वननीति व्यवसाय नहीं अपितु वनवासी समाज केंद्रित हो, यह ध्यान में रखना ही होगा।

(लेखक, जनजातीय विषयों के विशेषज्ञ हैं।)

संस्कृति एवं साहित्य में बेहद प्रगाढ़ता है काशी और द्रविड़ की

शशिकांत मिश्र

भारत की सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत में काशी और द्रविड़ क्षेत्र की गहरी जड़ें हैं। काशी, जिसे वाराणसी के नाम से भी जाना जाता है, प्राचीन भारत की सांस्कृतिक राजधानी मानी जाती है। यह न केवल सनातन धर्म और आध्यात्मिक चिंतन का केंद्र रही है, बल्कि साहित्य, संगीत, कला और दर्शन के क्षेत्र में भी इसका अतुलनीय योगदान रहा है। वहीं, द्रविड़ संस्कृति दक्षिण भारत की प्राचीनतम परंपराओं को संजोए हुए है, जो तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम जैसी समृद्ध भाषाओं और साहित्यिक धरोहरों से जुड़ी है।

साहित्य में इस बात के कई प्रमाण मिलते हैं कि तमिलों की काशी और बाबा विश्वनाथ के प्रति सदियों से अगाध श्रद्धा रही है। आम जनमानस के साथ ही तमिल शासक और प्रबुद्ध वर्ग भी लगातार काशी की यात्रा करते रहे हैं। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि लगभग 2300 वर्ष पहले तमिलनाडु के नगरों और गांवों की गलियां काशी की महिमा का गुणगान करने वाले गीतों से गूंजा करती थीं। लगभग 2000 वर्ष पहले से ही तमिल समाज में काशी यात्रा का प्रचलन शुरू हो गया था।

तमिल भाषा अत्यंत समृद्ध रही है, जिसका प्रमाण अगटिटयम अगस्त्यम नामक प्राचीन व्याकरण ग्रंथ है, जिसका रचना काल ईसा पूर्व माना जाता है। संस्कृत के पाणिनि के अष्टाध्यायी की तरह, इसे भी शिव के डमरू की ध्वनि से उत्पन्न बताया जाता है। संस्कृत और तमिल व्याकरण के बीच यह ऐतिहासिक संबंध संभवतः संगम काल के दौरान स्थापित हुआ होगा।

ऐसा कहा जाता है कि प्रथम तमिल संगम मदुरै में आयोजित हुआ था, जब पांड्य राजाओं की राजधानी वहीं थी। इस संगम में अगस्त्य, शिव और मुरुगवेल जैसे विद्वानों ने भाग लिया था। दूसरा संगम कपातपुरम में आयोजित हुआ, जिसे इतिहास का सबसे बड़ा संगम माना जाता है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डॉ. विशुद्धानंद पाठक के अनुसार, इस संगम में उत्तर और दक्षिण भारत के विद्वानों ने मिलकर विमर्श किया।

हालांकि, पहले दो संगमों के बारे में विद्वानों में मतभेद हैं, लेकिन उस काल के तोल्काप्पियम ग्रंथ का अस्तित्व आज भी है। इसके रचनाकार तोल्काप्पियर थे, जिन्होंने तमिल का दूसरा व्याकरण ग्रंथ लिखा। तमिल साहित्य में हर रचना तमिल अस्मिता को दशार्ती है।

समय के साथ, भाषाई विवाद भी बढ़े। विद्वानों का मत है कि तमिल क्षेत्र के पांड्य राजाओं का संगम साहित्य के विकास में बड़ा योगदान रहा है। पल्लव और पांड्य राजाओं के बीच हुए संघर्षों ने तमिल को संस्कृत से दूर कर दिया। पल्लव शासक संस्कृत को प्रोत्साहित करते थे और वैदिक धर्म के संरक्षक थे, जबकि पांड्य राजाओं के शासन में शैव और वैष्णव परंपराएं फली-फूलीं और तमिल भाषा को विशेष महत्व दिया गया। हालांकि, पांड्य राजा संस्कृत के विरोधी नहीं थे, बल्कि तमिल भाषा के समान प्रचार-प्रसार के पक्षधर थे। 16वीं शताब्दी में मुगल आक्रमणों के कारण तमिल समाज के लिए काशी यात्रा बाधित हो गई। काशी विश्वनाथ मंदिर का विध्वंस हो गया था और वहां के पुरोहितों के अनुष्ठानों पर रोक लगा दी गई थी। इस परिस्थिति में, तमिलनाडु के पांड्य वंश के राजा जटिल वर्मन पराक्रमम ने ताम्रवर्णीय नदी (जिसका उल्लेख रामायण में भी है) के तट पर तेनकाशी नामक नगर बसाया, जिसे तमिलों की नई काशी के रूप में स्थापित किया गया।

17वीं शताब्दी में तिरुनेलवेली में जन्मे संत कुमारगुरु परा ने काशी पर आधारित काशी कलंबकम नामक काव्य रचना की और कुमारस्वामी मठ की स्थापना की।

काशी ने जहां पंडित परंपरा को स्थापित किया, वहीं तमिलनाडु में तमिल इलक्कियापरंबराई (तमिल साहित्यिक परंपरा) विकसित हुई। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह में वैज्ञानिक सी.वी. रमन जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे, जबकि भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन इसके कुलपति थे।

श्रीकांची शंकराचार्य मठ के प्रबंधक एवं तीर्थ पुरोहित सुब्रमण्यम मणि के अनुसार, सातवीं शताब्दी के तमिल लोकसाहित्य में काशी की महिमा का उल्लेख प्रचुर मात्रा में मिलता है। तमिल शैव परंपरा में उस समय 63 शैवपंथ शाखाएं सक्रिय थीं, जिनके 63 धमार्चार्य भी थे। उनमें से एक प्रमुख धमार्चार्य अप्परस्वामी कैलाश मानसरोवर की यात्रा के दौरान कई महीनों तक काशी में प्रवास पर रहे।

संगम साहित्य में "अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्," "राष्ट्रीय पुस्तक न्यास," "भारतीय भाषा संस्थान" और "केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान" द्वारा प्रकाशित ग्रंथों में तिरुकुरल, शिल्पादिकारम, मणिमेकलई, पट्टुपट्टु जैसी तमिल कृतियों का संकलन मिलता है।

रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था– यदि ईश्वर की इच्छा होती, तो सभी भारतीय एक ही भाषा बोलते... भारत की शक्ति उसकी अनेकता में एकता रही है और सदैव बनी रहेगी।

भारत में 19,500 से अधिक भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं, जिनमें काशी और तमिलनाडु संस्कृत और तमिल जैसी विश्व की प्राचीनतम भाषाओं के केंद्र रहे हैं। महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती काशी में रहे, जहां उन्होंने संस्कृत और हिंदी सीखी तथा स्थानीय संस्कृति को समृद्ध किया। इस तरह की सांस्कृतिक समरसता ने भारत को एक समग्र और समृद्ध परंपरा बनाए रखने में सक्षम बनाया है।

काशी और द्रविड़ संस्कृति, अपनी भिन्न विशेषताओं के बावजूद, भारत की अखंडता को दशार्ती हैं। दोनों ही साहित्य और दर्शन के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता को प्रकट करते हैं। जहाँ काशी संस्कृत और हिंदी साहित्य का केंद्र रही है, वहीं द्रविड़ संस्कृति ने तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम साहित्य को समृद्ध किया है।

दैनिक पंचांग

21 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

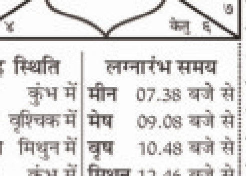

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.38 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	09.08 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.48 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.46 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	15.00 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	17.16 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.28 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.39 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.53 ब.से
राहुकाल		धनु	02.09 बजे से
10.30 से		मकर	04.14 बजे से
12.00 बजे तक		कुंभ	06.01 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 52 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी 11.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 15.54 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 11.59 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.58 बजे तदनन्तर तैतिल 00.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 22.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 33'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872262
जूलियन दिन 2460727.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** शाबान
तारीख 22
विशेष जानकी जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अखिलेश बोले- ये बजट नहीं बड़ा ढोल

अंदर से खोखला: शिवपाल ने कहा-बड़े घोटाले की स्क्रिप्ट

लखनऊ। योगी सरकार ने गुरुवार को 2025-26 का बजट पेश किया। पशुओं की समस्या खत्म करने का भी ऐलान किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसको लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा। कहा- ये छुट्टा जानवर तभी हट सकते हैं जब ये सरकार हटेगी। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा- यह बजट एक बड़े घोटाले की पटकथा है। अगर यही विकास है तो जनता को अंधकार से कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए। इसलिए मैं इस बजट को पूरी तरह से खारिज करता हूं। अखिलेश यादव ने कहा- सरकार ने उर्दू वाला सवाल जानबूझ कर उठाया, जिससे रोजगार, इंवेस्टमेंट पर बात न हो। मुख्यमंत्री जी को उर्दू के बारे में कुछ नहीं पता। ये मेरठ के आसपास जन्मी है। सीएम अकेले में गजल सुनकर रोते हैं। इस बार के बजट में पिछड़े, दलित और मुसलमानों के साथ भेदभाव किया है। बुंदेलखंड का किसान बर्बाद हो गया। उसकी मूंगफली खरीदी नहीं गई। अगले 5 साल में सरकार फसलों का न्यूनतम दाम देने की बात कह रही है। मंडियां तो चौपट हो गईं। नई मंडी एक भी नहीं बनाई। भाजपा ने संकल्प लिया था कि 14 दिन में किसानों का भुगतान नहीं किया तो उस पर ब्याज सहित भुगतान देंगे। सरकार यह नहीं बता रही कि गन्ने की कीमत कितनी बढ़ाई। कितना बकाया है, यह नहीं बताती। अखिलेश ने बजट को 'बड़ा ढोल' बताया। कहा कि यह सिर्फ दिखावा है, जो वास्तविक विकास और सुधार की बजाय सिर्फ प्रचार पर आधारित है। सरकार कहती है कि यूपी में 6 मेगा फूड पार्क विकसित किए जाएंगे। अब तक सरकार ने एक भी मेगा फूड पार्क विकसित किया है तो बताए। जो लोग सशक्त नारी की बात कर रहे हैं, जिन्होंने कहा कि UPPSC में हम महिलाओं की संख्या दोगुनी कर देंगे...आज बताएं कि कितनी दोगुनी हुई। सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा, मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि अगली बार जुमलों की किताब की जगह जनता की जरूरत का बजट बनाएं। हम 2027 में जनता के हित में एक बेहतर बजट लाएंगे।

मायावती बोलीं- करोड़ों परिवारों की दरिद्रता दूर कैसे होगी बसपा प्रमुख मायावती ने कहा- बजट महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन को दूर करने, आम जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। ऐसे में विकास कैसे संभव है। कुल मिलाकर यूपी सरकार का बजट भी पेट भरे मध्यम वर्ग के तुष्टीकरण वाला है। जबकि सरकारों का दायित्व करोड़ों परिवारों की दरिद्रता को दूर करके सुख-चैन पहुंचाना होता है। लेकिन, बजट में ऐसा न होना चिंतनीय है।

बजट में उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना निहित: दुर्गेश राय

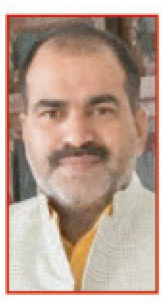

कुशीनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने लगातार 9वीं बार वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 8 लाख 8 हजार 636 करोड़ रुपए का बजट पेश किया है, जो रामराज्य का बजट है। इस बजट में उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना निहित है। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी कुशीनगर जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहीं। कहा कि प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, सांस्कृतिक विरासत,सामाजिक पेंशन, गरीब, युवा, किसान, महिला धार्मिक पर्यटन और महिलाओं के उत्थान पर विशेष ध्यान दिया गया है । बजट में समाज के हर वर्ग- गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, महिला, युवा और आम लोगों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया गया है।इस बजट में छात्राओं का विशेष ध्यान रखा गया है। 8 लाख करोड़ रुपये के बजट में छात्राओं के लिए वित्त मंत्री ने ह्वस्कूटी स्कीमह्व की घोषणा की है। इस योजना के तहत प्रदेश में पढ़ रही छात्राओं को सरकार की ओर से मुफ्त में स्कूटी दी जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और उनकी पढ़ाई-लिखाई में कोई रुकावट न आए।सही मायने में यह जनहित का बजट है।

3,700 रेलवे कर्मचारी हड़ताल पर लोको पायलट गार्ड भी शामिल

लखनऊ। के चारबाग रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट और गार्ड हड़ताल पर बैठे हैं। रनिंग स्टाफ का कहना है- वीक ऑफ कैंसिल किया जा रहा है। इसमें मेला सहित अन्य कारण बताए जा रहे हैं। महाकुंभ के चलते 10 से अधिक दिनों तक बिना रेस्ट के काम कराया जा रहा है। इससे पारिवारिक और मानसिक स्थिति खराब हो रही है। हम लोग तनाव में काम कर रहे हैं। लखनऊ मंडल में करीब 3,700 कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इनमें 2,200 लोको पायलट और 1,500 गार्ड शामिल हैं। हालांकि कर्मचारी ड्यूटी भी कर रहे हैं। उन्होंने संगठन को सांकेतिक समर्थन दिया है। इस दौरान ड्यूटी खत्म होने के बाद 36 घंटे तक उपवास कर प्रदर्शन में शामिल हो रहे। लोको पायलट बताते हैं कि रूट ऑफ होने के बाद रनिंग रूम में रहने पर 8 घंटे के बाद दोबारा ड्यूटी पर बुलाने का नियम होता है, लेकिन सिर्फ 6 घंटे पर ही बुला लिया जाता है। इससे समस्या होती है। वहीं घर पर रहने पर 16 घंटे की बजाय सिर्फ 14 घंटे में ही बुला लिया जाता है। लोको पायलट बोले नहीं बढ़ा अलाउंस लोको पायलट चौधरी विक्रम सिंह ने बताया कि रेस्ट कम मिलता है।

50 फीसदी डीए बढ़ने के बाद अन्य कर्मचारियों के भत्ते 25 फीसदी बढ़ा दिए गए हैं, लेकिन रनिंग कर्मचारियों का किलोमीटर अलाउंस अभी तक नहीं बढ़ाया गया है। इससे कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

पीएनएम इंटर कालेज में विदाई और सम्मान समारोह आयोजित

कुशीनगर। फाजिलनगर के पीएनएम इंटर कालेज में दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के विदाई समारोह के साथ ही विद्यालय के अवकाश प्राप्त शिक्षक असलम अंसारी के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य डा.अक्षयबर पांडेय ने कहा कि विद्यार्थी विद्यालय की उत्पाद (प्रोडक्ट) होते हैं। उनके व्यवहार से शिक्षक और विद्यालय के संस्कारों का परिचय मिलता है।ब्रीशिक्षक कभी सेवानिव त्त नहीं होता, वह समाज को सदैव दिशा देने का कार्य करता रहता है। शिक्षक केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहते, बल्कि जीवनभर अपने ज्ञान और अनुभवों से समाज का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा में अधिक से अधिक सफलता अर्जित करें और अपने विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन करें। समारोह में अवकाश प्राप्त शिक्षक श्री अंसारी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। उपप्रधानाचार्य विश्राम यादव, वरिष्ठ शिक्षक नंदा पांडेय, समीप राव, डॉ. संजय मिश्र, रामानंदन दास ने सम्बोधित किया। संचालन कवि मनंजय तिवारी ने किया। इस दौरान राम केवल प्रसाद, शैलेश तिवारी, जयनाथ प्रसाद, नीरज रानी, प्रतिमा पांडेय, नम्रता मिश्र, संदीप गौतम, अतुल तिवारी, चंद्र प्रकाश तिवारी, चंद्रशेखर उपाध्याय उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय अंग्रेजी विषय के उपचारात्मक शिक्षण, प्रशिक्षण का हुआ समापन

कुशीनगर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान कुशीनगर डायट के सभागार में तीन दिवसीय अंग्रेजी विषय के उपचारात्मक शिक्षण, प्रशिक्षण समापन समारोह का समापन हो गया। प्रभारी प्राचार्य /बीएसए कुशीनगर डॉ रामजीयावन मौर्य की देखरेख में बुधवार को संपन्न समारोह के मुख्यअतिथि डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ अमित कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में अंग्रेजी भाषा को जानना व समझना एक वैश्विक आवश्यकता है। रिमेडियल ट्रेनिंग के नोडल/ डायट प्रवक्ता धनंजय चतुर्वेदी ने कहा कि जो बच्चे हैं, उनके नीट को देखते हुए, यह उपचारात्मक शिक्षण, प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से अंग्रेजी भाषा को बेहतर तरीके से बच्चों को बताया जा सके। कार्यक्रम को डायट प्रवक्ता डॉ मुकेश गुप्त, चंद्रशेखर कुमार, डॉअखलाक अहमद, , डॉ अर्चना सिंह ल ने संबोधित किया । प्रशिक्षणोपरानत प्रतिभागी शिक्षक/ शिक्षिका गण को प्रमाण पत्र दिया गया। विषय विशेषज्ञ त्रिलोकी प्रसाद मद्धेशिया, नरेंद्र पांडे, एहसान अली, सुचिता प्रसाद, अमीरुल हक अंसारी व मारकंडेय, प्रतिभागी शिक्षक गण में छेदी प्रसाद, अशोक कुमार दुबे, सुरेश प्रसाद रावत, ध्रुव नारायण सिंह, विनय प्रकाश तिवारी, नीरज श्रीवास्तव, सुमित कुमार त्रिपाठी, अमरेंद्र नारायण सिंह, मनोज सिंह, दिनेश यादव, मदन गोपाल पाठक, सुरेंद्र सिंह, रामनिवास प्रसाद, भगवान तिवारी, महेश रजक, अरविंद तिवारी, शिक्षिका गण में- सुधारानी जायसवाल, कंचन लता, प्रतिभा तिवारी, निशु विश्वकर्मा, मनोरमा द्विवेदी, प्रतिभा तिवारी, माया गुप्ता, प्रीति सोनकर, सुनीता सिंह की सहभागिता रही।

संचालन- प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी व आभार डायट नोडल प्रवक्ता धनंजय चतुर्वेदी ने ज्ञापित किया।

3.60 लाख के ह्यूम पाइप खरीद में गड़बड़ी का आरोप

गोंडा। के देवीपाटन मंडल में 15वें वित्त आयोग की धनराशि में बड़े घोटाले का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत पुरैनिया रूपईडीह में ह्यूम पाइप खरीद और श्रमिक व्यय में गड़बड़ी की शिकायत मिली है।मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने इस मामले में उप निदेशक पंचायती राज को जांच सौंपी है। शिकायतकर्ता पंकज कुमार पाण्डेय ने बताया कि पंचायत ने 3,60,595 रुपये खर्च किए। लेकिन मौके पर कहीं भी पाइप नहीं लगाई गई। पंचायत ने चार अलग-अलग तिथियों में भुगतान किया। 25 दिसंबर 2021 को 1,09,349 रुपये की ह्यूम पाइप खरीदी गई। 18 फरवरी 2022 को श्रमिक व्यय में 65,702 रुपये खर्च किए गए। 9 अगस्त 2023 को 91,920 रुपये की पाइप खरीद और 1,704 रुपये का श्रमिक व्यय दर्शाया गया। 17 अगस्त 2023 को 91,920 रुपये की एक और खरीद की गई। ग्राम कश्मीरवा, पुरैनिया रूपईडीह के निवासी पंकज कुमार पाण्डेय का कहना है कि इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बाद भी जमीन पर कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने मामले की गहन जांच और भौतिक सत्यापन की मांग की है।

प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेंगे बच्चे: रजनीकांत मणि त्रिपाठी

गोंडा। में बार एसोसिएशन के नेतृत्व में हजारों अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ता अधिनियम 1961 में प्रस्तावित संशोधन का विरोध कर रहे वकीलों ने डीएम नेहा शर्मा को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। बार एसोसिएशन का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधन को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। अधिवक्ताओं का मानना है कि इन संशोधनों से उनकी स्वतंत्रता प्रभावित होगी। उनका आरोप है कि यह प्रस्ताव वकीलों की निष्पक्ष आवाज को दबाने का प्रयास है। गोंडा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राम बुझारत द्विवेदी ने कहा कि सरकार को संशोधन से पहले अधिवक्ताओं से विचार-विमर्श करना चाहिए।

संक्षिप्त डायरी

थाई मंदिर में बुद्ध गीत कांटेस्ट में बच्चों ने लिया भाग

कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित थाई मोनेस्ट्री परिसर में माघी अमावस्या के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय बुद्ध धातु शोभायात्रा समारोह के प्रथम दिन 30 स्कूलों के छात्र - छात्राओं ने तथागत बुद्ध पर आधारित गीत प्रतियोगिता में भाग लिया। सामूहिक रूप से बुद्धम शरणम गच्छामि की थीम पर श्रद्धा और भक्ति के साथ प्रस्तुति दी। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम के तहत मुख्य थाई मंदिर में प्रमुख भंते फ्राविडेस्वेरियन (डॉ. पी सोम पोंग) के निर्देशन में स्थानीय बुद्धिस्ट मॉनिस्ट्रियो से जुड़े भिक्षुओं ने विधि विधान से भगवान बुद्ध का विशेष पूजन किया। आयोजित बुद्ध गीत प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी और थाईलैंड से आए अतिथियों ने फीता काटकर किया। कांटेस्ट में भगवान बुद्ध के जीवन और उपदेशों पर आधारित गीत सरदार पटेल जूनियर विद्यालय, लिन्ह सन इंटर कालेज, सरस्वती ज्ञान मंदिर हेतिमपुर, सीएस स्कूल, लोहिया पब्लिक स्कूल, मैत्रेय लोटस पब्लिक स्कूल अहिरौली सहित 30 विद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने एकल, सूहिक रूप से गीत, नृत्य की बेजोड़ प्रस्तुति दी। सभी प्रतिभागियों को आयोजक गण और अतिथियों ने पुरस्कृत किया। संचालन टीके राय ने किया। इस दौरान भंते सोन क्रान, राजीव खन्ना, विवेकनंद तिवारी, अंबिकेश त्रिपाठी, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड आदि सहित अन्य भंते मौजूद रहे।

सांसद राकेश राठौर की जमानत पर 24-फरवरी को सुनवाई

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में दुराचार के मामले में जेल में बंद कांग्रेस सांसद राकेश राठौर की जमानत याचिका पर आज सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने मामले को सोमवार को सुनवाई के लिए पहले नंबर पर रखा है। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह सोमवार तक अपना जवाब दाखिल कर सकती है। न्यायालय सोमवार को सुबह बैठते ही सबसे पहले इस जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा। राठौर की ओर से दायर नियमित जमानत याचिका पर न्यायालय ने यह आदेश सुनवाई के बाद पारित किया। इस मामले में अंतिम निर्णय सोमवार को आने की संभावना है। 21 दिन पहल हुई थी गिरफ्तारी कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को पुलिस ने 21 दिन पहले गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। उन पर एक महिला नेता ने रेप करने का आरोप लगाया है। गुरुवार को राकेश राठौर सीतापुर में अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। तभी अचानक पुलिस पहुंची। पुलिस ने सांसद को कोर्ट में पेश किया, जहां से 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया। राकेश राठौर पर 15 जनवरी को एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज कराई। महिला ने कहा कि 4 साल से सांसद शादी का झांसा देकर और नेता बनाने की बात कहकर यौन शोषण कर रहे थे। FIR दर्ज होने के बाद से सांसद अंडरग्राउंड हो गए। गुरुवार को पहली बार वह मीडिया से अपनी बात रखने आए। तभी उनको गिरफ्तार कर लिया गया था।

हॉस्टल बाथरूम में कक्षा 5 के छात्र का शव मिला

लखनऊ। में मलिहाबाद स्थित सफा पब्लिक स्कूल के हॉस्टल में कक्षा पांच के छात्र का शव फांसी से लटका मिला। छात्र की पहचान खान अल्तमस (15) के रूप में हुई। साथी छात्रों ने शव देखकर स्कूल प्रबंधन को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से बस्ती केपकोलियाका रहने वाला खान अल्तमस (15) का शव गुरुवार सुबह बाथरूम में लटकता मिला। इंस्पेक्टर मलिहाबाद के मुताबिक परिवार वालों को सूचना दे दी गई है। परिजनों की शिकायत और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सिगरेट पीने पर टीचर ने डांटा मलिहाबाद इंस्पेक्टर बैजनाथ ने बताया कि छात्र तीन दिन पहले छत के रास्ते कुछ दोस्तों के साथ कूदकर सिगरेट पीने गया था। स्कूल प्रबंधन ने जानकारी होने पर उसको दोबारा ऐसा नहीं करने की हिदायत दी थी। साथ ही परिजनों को सूचना दी थी। उन्होंने बताया कि इसके बाद छात्र गुमसुम रहने लगा। आशंका है कि इसी के चलते उसने सुसाइड कर लिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। भाई को पता चला तो घर ले जाएगे पुलिस पूछताछ में साथियों ने बताया कि स्कूल में सिगरेट पीने की जानकारी होने के बाद से अल्तमस परेशान था। प्रधानाचार्य ने उसके बस्ती के पकोलिया गांव निवासी भाई को सूचना दे दी थी। वह कह रहा था कि भइया आएंगे तो मारते हुए घर ले जाएंगे। इसी के चलते दो दिनों से किसी से कुछ नहीं बोल रहा था। भाई ने लगाया स्कूल प्रबंधन पर प्रताड़ना का आरोप अल्तमस के भाई खान अब्दुल कुद्दूस का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने भाई की आत्महत्या की बात छुपाई। समय पर सूचना भी नहीं दी। स्कूल प्रबंधन की सख्ती और पिटाई से परेशान होकर भाई ने यह कदम उठाया है। प्रिंसपल अनटोनी थामस, सर अब्दुल हफीज और स्कूल प्रशासन के खिलाफ वहां के बच्चों ने भी यही बात बताई। परिजनों ने सीबीआई जांच की मांग घटना की सूचना पर पहुंचे अल्तमस के परिजनों ने पुलिस और योगी सरकार से पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच कराने की बात कही। उनका कहना है कि स्कूल में बच्चे को रात को छोटी से बात पर लंडे और लात-घूसों से पीटा गया। जिससे उसने डर कर यह कदम उठा लिया स्कूल में नहीं लगे सीसीटीवी कालेज में बच्चों की पढ़ाई के साथ रहने की भी व्यवस्था है, लेकिन कहीं भी सीसीटीवी नहीं लगाए गए हैं। जिससे पता चल सके कि वहां क्या होता है साथ के बच्चों ने बताया प्रबंधन सख्त अल्तमस के साथ पढ़ने वाले बच्चों ने स्कूल प्रबंधन के सख्त होने की बात कही।

अदाणी ग्रुप की सीमेंट और खनन क्षेत्र में दोहरे अंकों में वृद्धि बरकरार

नई दिल्ली ।

भारत के एक प्रमुख उद्यम, अदाणी ग्रुप ने अपने सीमेंट और खनन क्षेत्र के कारोबार में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि की खुशखबरी दी है। कंपनी ने जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, यहां आय कंपनी की पूर्वानुमान के साथ मिलकर 86,789 करोड़ रुपये पर पहुंची है। कम्पनी बयान देते हुए कह रही है कि इस वृद्धि के पीछे सोलर और विंड ऊर्जा, एयरपोर्ट्स, सीमेंट उत्पादन जैसे उभरते व्यापारिक क्षेत्रों का है। केवल अक्टूबर से दिसंबर माह में कंपनी ने अपनी विजयी यात्रा को 17.2 प्रतिशत तक बढ़ाया है और पिछले 12 महीनों में एक्सपोनेंशियल रिजल्ट प्राप्त किया है। अदाणी ग्रुप के बूटस्ट्रैप कार्यक्रम ने न केवल उभरते व्यवसाय में वृद्धि दर्शाई है, बल्कि उसके बुनियादी ढांचा व्यवसायों की प्रमुख भूमिका को भी मजबूत किया है। इस उत्कृष्ट कार्यक्रम से लागत और मूल्यंकन से संबंधित कई महत्वपूर्ण लाभ मिला है। अदाणी ग्रुप के उत्तराधिकारी भावना अदाणी ने कहा कि उनके समूह का यह सफलतापूर्वक कारोबारिक मॉडल उज्जवल भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन कर रहा है और उन्हें गर्व है कि वे सरकार के सपने को साकार करने में योगदान दे रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में चाहे जितना भी उतार-चढ़ाव क्यों न हो, घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल पर इसका असर देखने को नहीं मिलता है। गुरुवार के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें जारी कर दी गई हैं। गुरुवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें वही हैं और यहां कोई बदलाव नहीं किया गया है। गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कीमतों में आखिरी बार पिछले साल बदलाव किया गया था और उस दौरान आम लोगों को महंगे पेट्रोल और डीजल से राहत मिली थी, लेकिन उसके बाद से एक बार भी राहत नहीं मिली है। आपको जानकारी के लिए बता दें कि, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार मार्च 2024 में बदलाव किया गया था। 14 मार्च 2024 को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार 2-2 रुपये प्रति लीटर की दर से बदलाव किया गया था। लेकिन उसके बाद से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

प्योर ईवी और जियो थिंग्स के मध्य हुआ समझौता

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता प्योर ईवी कंपनी ने अपने वाहनों में स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर और टेलीमैटिक्स को एकीकृत करने के लिए जियो थिंग्स लिमिटेड के साथ एक समझौता किया हैं। इस समझौते के तहत प्योर ईवी अपने इलेक्ट्रिक वाहनों में जियो थिंग्स के स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर्स का उपयोग करेगा, जो एंड-टू-एंड आईओटी समाधान प्रदान करेंगे, जिससे उनके वाहनों की कार्यक्षमता और इंटरएक्टिविटी को बढ़ाया जा सकेगा। जियो थिंग्स द्वारा प्रदान की जाने वाली 4जी कनेक्टिविटी और टेलीमैटिक्स की मदद से ग्राहक अपने वाहन के प्रदर्शन की वास्तविक समय में निगरानी कर सकेंगे और संचालन को और अधिक कुशल बना सकेंगे।

इसके अलावा, जियोथिंग्स स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर में फुल एचडी प्लस टचस्क्रीन डिस्प्ले कम्पैटिबिलिटी, रीयल-टाइम डेटा एनालिटिक्स और कस्टमाइज्ड टू-व्हीलर इंटरफेस जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यह समाधान वाहन निर्माताओं को अपने उत्पादों में आईओटी तकनीकों के एकीकरण में मदद करेगा, जिससे वे उन्नत डिजिटल अनुभव प्रदान कर सकेंगे। प्योर ईवी के संस्थापक और एमडी डॉ. निशांत डोंगरी ने कहा, यह साझेदारी हमारे उत्पादों को उच्चतम मानकों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। हमारा लक्ष्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में दक्षता और इंटरएक्टिविटी को बढ़ाना है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के अध्यक्ष आशीष लोढ़ा ने इस साझेदारी को इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर क्षेत्र के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इस साझेदारी से ग्राहकों को बेहतरीन कनेक्टिविटी और कार्यक्षमता का अनुभव मिलेगा। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाना है, जिसमें उन्नत आईओटी समाधान, निर्बाध कनेक्टिविटी और डिजिटल एकीकरण का लाभ उठाया जाएगा।

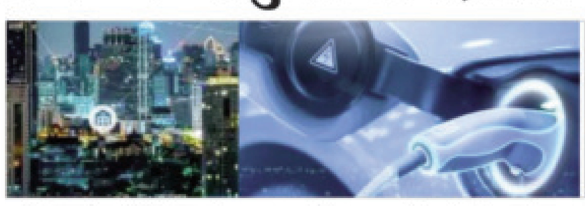

ईपीएफओ के निवेश नियमों में बदलाव के संकेत

मुंबई । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के निवेश के तरीके में बदलाव होने की संभावना है। श्रम और रोजगार मंत्रालय, वित्त मंत्रालय से ईपीएफओ के डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश को 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करने की मंजूरी मांगेगा। यह बदलाव नवंबर 2024 में ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) की बैठक में मंजूर हुआ था। इसका कारण पब्लिक सेक्टर बॉन्ड्स में कम रिटर्न और उनकी कम सप्लाई बताई जा रही है। ईपीएफओ द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बॉन्ड के बजाय कॉर्पोरेट बॉन्ड में अधिक निवेश करने का निर्णय कई कारणों से महत्वपूर्ण है। कॉर्पोरेट बॉन्ड आमतौर पर सरकारी बॉन्ड की तुलना में अधिक रिटर्न देते हैं, जिससे कर्मचारियों की रिटायरमेंट बचत को अधिक फायदा हो सकता है। हालांकि, इनमें जोखिम भी अधिक होता है, क्योंकि इन्हें जारी करने वाली कंपनियों के दिवालिया होने की संभावना रहती है। जोखिम को कम करने के लिए ईपीएफओ को आर्थिक रूप से मजबूत कंपनियों के बॉन्ड में निवेश करना होगा। इस फैसले से निवेश पोर्टफोलियो में विविधता आएगी और संभावित रूप से ईपीएफओ को बेहतर रिटर्न मिल सकता है। ईपीएफओ मुख्य रूप से सरकारी कंपनियों के बॉन्ड में निवेश करता था, लेकिन इनसे मिलने वाला रिटर्न कम हो रहा था और पर्याप्त बॉन्ड उपलब्ध नही हो पा रहे थे। ऐसे में उच्च रिटर्न के लिए कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश करने की योजना बनाई गई है। हालांकि, इनमें जोखिम अधिक होता है, इसलिए निवेश की प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक प्रबंधित करने की जरूरत होगी। अगर यह प्रस्ताव मंजूर होता है, तो इससे कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट को बढ़ावा मिलेगा और ईपीएफओ को बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाएगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर दबाव पड़ा। इसके अलावा वीकली एक्सपायरी के कारण भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 203.22 अंक करीब 0.27 फीसदी टूटकर 75,735 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 19.75 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी नीचे आकर 22,913.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में से 28 बढ़कर बंद हुए। श्रीराम फाइनेंस, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में उछाल आया और ये 4 फीसदी तक ऊप आकर बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक का शेयर 2.35 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा मारुति, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस, सनफार्मा, टाइटन के शेयरों में भी गिरावट रही ।

आज एनटीपीसी और महिंद्रा एन्ड महीने के स्टॉक 3 फीसदी से ज्यादा बढ़त पर बंद हुए। इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, इन्फोसिस के शेयरों में भी तेज रही।

कारोबार के दौरानर मेटल, एनर्जी और ऑटो के शेयरों में लाभ हुआ जबकि बैंकिंग और आईटी कमजोर हुए। ब्रोडर मार्केट ने लगातार दूसरे सेशन में अपना लाभ बढ़ाया। स्मालकैप और मिडकैप दोनों ने लगभग डेढ़ फीसदी की बढ़त दर्ज की।÷

एनएसई पर सेक्टोरल इंडेक्स मिलेजुले रुख में बंद हुए। निफ्टी ऑटो, निफ्टी पीएसबी, मेटल, रियल्टी, ओएमसी और मीडिया इंडेक्स 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, बैंक निफ्टी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, फार्मा और प्राइवेट बैंक सूचकांक 0.75 फीसदी तक की गिरावट के साथ लाल रंग में बंद हुए।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक गिरकर 75,672 पर खुला। निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 22,821 अंक पर लाल निशान में खुला। बीच, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,881.30 करोड़ रुपये की भारतीय इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने कारोबारी सत्र के दौरान 1,957.74 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को मामूली गिरावट में बंद हुए।

अब सिगरेट पीना तंबाकू खाना होगा महंगा! सरकार जीएसटी बढ़ाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली।

केंद सरकार सिगरेट और तंबाकू पर जीएसटी बढ़ाने पर विचार कर रही है, ताकि टैक्स रेवेन्यू में कमी नहीं आ सके। अभी इन उत्पादों पर 28 फीसदी जीएसटी के अलावा कई चार्ज लगते हैं, जिससे कुल टैक्स 53 फीसदी हो जाता है, लेकिन यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सुझाए 75 फीसदी से कम है। यह बदलाव तंबाकू खाने वाले लोगों की जेब पर असर डालेगा। फिलहाल, सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर 28 फीसदी जीएसटी के अलावा कंपनसेशन सेस और अन्य चार्ज लगते हैं, जिससे कुल टैक्स 53 फीसदी हो जाता है। सरकार इसे बढ़ाकर 40 फीसदी करने और उस पर अलग से एक्साइज ड्यूटी लगाने पर विचार कर रही है। सरकार का मकसद यह तय करना है कि कंपनसेशन सेस खत्म होने के बाद भी इन उत्पादों से टैक्स रेवेन्यू में कमी न आए। कंपनसेशन सेस 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगा। सरकार इस सेस की जगह किसी दूसरे सेस को लागू करने के पक्ष में नहीं है। एक अधिकारी के मुताबिक सेस को कारगर नहीं माना जाता है। सिगरेट और तंबाकू उत्पादों को 'सिन गुड्स' माना जाता है यानी ऐसे उत्पाद जो सेहत के लिए हानिकारक हैं। इन पर जीएसटी के अलावा बेसिक एक्साइज ड्यूटी और नेशनल कैलामिटी कंटिंजेंट ड्यूटी भी लगती है। हाल ही में सिगरेट बनाने वाली कंपनियों आईटीसी), वीएसटी इंडस्ट्रीज और गॉडफ्रे फिलिप्स के शेयरों में गिरावट आई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि एक रिपोर्ट में सरकार द्वारा तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी बढ़ाने की बात कही गई थी। आईटीसी, फोर स्क्वायर बनाने वाली गॉडफ्रे फिलिप्स और चारमीनार बनाने वाली वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयरों में गुरुवार को भारी गिरावट देखने को मिली। सुबह आईटीसी का शेयर 1.6 फीसदी गिरकर 400 रुपए पर था, जबकि गॉडफ्रे फिलिप्स 3 फीसदी गिरकर 6,364.4 रुपए पर पहुंच गया था और वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयर 3.7 फीसदी गिरकर 288.3 रुपए पर था। डब्ल्यूएचओ ने सिगरेट पर 75 फीसदी टैक्स लगाने की सलाह दी है, लेकिन भारत में अभी यह 53 फीसदी ही है। तंबाकू और तंबाकू उत्पाद सरकार के लिए टैक्स रेवेन्यू का एक बड़ा स्रोत हैं। 2022-23 में इनसे 72,788 करोड़ रुपए का टैक्स रेवेन्यू जुटाया गया था।

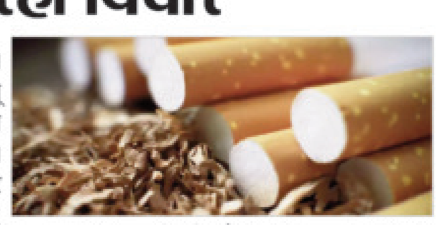

भारतीय स्टार्टअप्स के लिए यूनिकॉर्न बनने की अवधि फिर बढ़ी

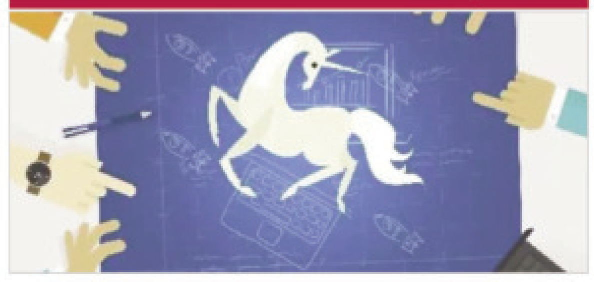

नई दिल्ली ।

देश में अनेक कंपनियों ने 1 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का जादुई आंकड़ा पार कर यूनिकॉर्न बनने का तमगा हासिल किया है। लेकिन शुरुआत में इस उपलब्धि को पाने के लिए उन्हें लंबा संघर्ष करना पड़ा। वर्ष 2019 तक जो कंपनियां यूनिकॉर्न बनीं, उन्हें यहां तक पहुंचने में औसतन 10 वर्ष लग गए लेकिन केवल चार साल बाद 2023 में यह आंकड़ा पार करने में औसत अवधि पांच वर्ष ही रही। एक शोध एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि वेंचर कैपिटल (वीसी) और प्राइवेट इक्विटी (पीई) ने लाभप्रदता की ज्यादा चिंता किए बिना अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए इन कंपनियों पर जमकर नकदी का निवेश किया। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हो जाती। पिछले कुछ वर्षों से जैसे-जैसे इन वीसी और पीई ने निवेश से हाथ खींचना शुरू किया तो स्टार्टअप का यूनिकॉर्न बनने का इंतजार भी लंबा होता गया और 2024 में यूनिकॉर्न का दर्जा पाने का औसत समय बढ़कर पुनः साढ़े नौ वर्ष हो गया और यह अवधि 2019 के स्तर पर पहुंच गई। एक अध्ययन के अनुसार अमेरिका में स्थिति इसके बिल्कुल उलट सामने आई जहां 2014 के बाद किसी स्टार्टअप को यूनिकॉर्न बनने में 3.4 वर्ष का समय लगा। इससे पहले वहां छोटी कंपनियों को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 6.6 वर्ष लग जाते थे। वैसे स्टार्टअप की दुनिया एक शोध का विषय रहा है।

स्टार्टअप के विकास के लिए 2021 का साल सबसे बेहतरीन रहा जब कॉइनडीसीएक्स, क्रेड, जेटविर्क, भारतपे और मोबाइल प्रीमियर लीग जैसे बड़े ब्रांड तीन वर्ष के अंदर ही यूनिकॉर्न बन गए। लेकिन सभी स्टार्टअप को एक जैसी तरक्की का रास्ता नहीं मिला। कुछ ऐसे भी रहे, जिन्होंने यूनिकॉर्न जैसा मील का पत्थर छूने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ा। संघर्ष से जूझते हुए आगे बढ़ने में उन्हें कारोबारी मॉडल तक बदलना पड़ा।

चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह में डीओसी निर्यात में नौ फीसदी गिरावट

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान भारत का डी-आयल्ड केक (डीओसी) का निर्यात नौ प्रतिशत घटकर 36 लाख टन रह गया है। इस गिरावट का कारण रैपसीड डीओसी और अरंडी डीओसी के निर्यात की खेप का घटना है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जनवरी की अवधि के दौरान, कुल डीओसी का निर्यात 36,03,030 टन का हुआ, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 39,74,351 टन था। दस महीने की अवधि में, सोयाबीन डीओसी का समग्र निर्यात एक साल पहले 15.86 लाख टन की तुलना में 17.71 लाख टन तक बढ़ गया। हालांकि, रैपसीड डीओसी का निर्यात 18,95,454 टन से घटकर 15,42,032 टन रह गया, जबकि अरंडी डीओसी का निर्यात 3,27,261 टन से घटकर 2,58,005 टन रह गया। आंकड़ों के अनुसार, पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान डीओसी का कुल निर्यात 48,85,437 टन रहा था। दक्षिण कोरिया, थाइलैंड, वियतनाम और बांग्लादेश भारतीय डीओसी के प्रमुख आयातक हैं।

ट्रंप नहीं चाहते भारत में टेस्ला अपनी फैक्ट्री लगाए!

- टेस्ला के ग्राहकों पर हो सकता है असर

नई दिल्ली । अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ टैरिफ के मुद्दे पर फिर एक बयान दिया है। ट्रंप ने एक टीवी शो में एलन मस्क के साथ साझा किया कि उन्हें लगता है कि भारत में इंपोर्ट ड्यूटी बेहद उच्च है और इससे वहां उनके कारों की बिक्री पर असर पड़ता है। ट्रंप ने कहा, वे (भारत वाले) इसका उदाहरण है, मुझे नहीं पता ये सच है या नहीं लेकिन यहां (भारत में) इंपोर्ट ड्यूटी शायद 100 फीसदी है? इस पर मस्क ने स्वीकार किया। ट्रंप ने और भी कहा कि अब अगर वे भारत में फैक्ट्री लगाते हैं तो ठीक है लेकिन यह हमारे साथ बहुत बड़ी नाइंसाफी होगी। इस बयान से हर भारतीय का मन खट्टा हो गया है। इस बात को लेकर भारत में टेस्ला के ग्राहकों पर भी हो सकता है असर, जिन्होंने उम्मीद रखी थी कि कंपनी भारत में अपनी फैक्ट्री लगाएगी। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेस्ला प्रमुख एलन मस्क से मुलाकात की थी और इसके बाद तरह-तरह की बिजनेस डीलों की चर्चाएं तेज हो गई थीं। कई राज्य, महाराष्ट्र समेत, भी अब टेस्ला को अपने यहां बुलाने की कोशिश कर रहे हैं। खबरें हैं कि टेस्ला ने नई दिल्ली अपने शोरूम के लिए लोकेशन भी देख ली है। इस सभी के बीच, भारत के खिलाफ टैरिफ के मुद्दे पर ट्रंप की चूकी गर्मी में हर देश अपने हित के लिए उठाए गए कदमों को समझने की जरूरत है।

अप्रिलिया टूनो 457 स्पोर्ट्स बाइक लॉन्च

नई दिल्ली ।

स्पोर्ट्स बाइक अप्रिलिया टूनो 457 भारत में लॉन्च हो चुकी है। इस बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 3.95 लाख रुपये रखी गई है। इस बाइक में बाइ-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर का ऑप्शन भी है, जो राइडिंग एक्सपीरियंस को और बेहतर बनाता है।

टूनो 457 का डिजाइन आरएस 457 से थोड़ा अलग है, इसमें एक नई छोटी एलईडी हेडलाइट है जिसमें दो शार्प डे-टाइम रनिंग लाइट्स दी गई हैं। फ्यूल टैंक की क्षमता भी थोड़ी कम है, टूनो में 12.7 लीटर का टैंक दिया गया है, जबकि आरएस 457 में 13 लीटर का टैंक है। इसके बावजूद दोनों बाइक्स का वजन समान, यानी 175 किलोग्राम है। टूनो 457 में छोटी गियरिंग भी दी गई है, जो इसे और भी स्पोर्टी बनाती है। बाइक की बुकिंग आज से शुरू हो गई है, और इसकी डिलीवरी मार्च तक शुरू होने की संभावना है। इस बाइक की कीमत 3.95 लाख रुपये है, जो आरएस 457 से 25,000 रुपये सस्ती है। इसकी टक्कर यामाहा एमटी-03 और केटीएम 390 ड्यूक जैसी बाइक्स से होगी।

टूनो 457 अपने स्पोर्ट्स बाइक प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है। यह बाइक अप्रैलिया आरएस 457 के काफी समान है, खासकर इसके मैकेनिकल सैटअप में, जिसमें 457सीसी पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है। यह इंजन 47.6 एचपी की पावर और 43.5 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है, जो 6-स्पीड गियरबॉक्स और स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच के साथ जोड़ा गया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबल गुरुवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.88 पर बंद हुआ। सुबह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.79 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू बाजारों में सुस्त रुझान और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित कर रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय में रुपया 86.88 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले 86.79 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 10 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.98 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107 पर रहा।

वारी एनर्जीज को 362.5 मेगावाट सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का ठेका मिला

नई दिल्ली । वारी एनर्जीज ने इंजी इंडिया की अनुषंगी कंपनी खाबा रिन्यूएबल एनर्जी से 362.5 मेगावाट सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का ठेका मिलने की गुरुवार को घोषणा की। कंपनी बयान के अनुसार, इस ठेके में उन्नत 600 डब्ल्यूपी एलीट बीआईएन-08 एन-टाइप टॉपकॉन सौर मॉड्यूल की आपूर्ति शामिल है, जिसे ऊर्जा दक्षता तथा स्थिरता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। ये मॉड्यूल भारत की प्रमुख जलविद्युत कंपनियों में से एक एनएचपीसी के लिए तैनात किए जाएंगे। वारी एनर्जीज लिमिटेड के एक अधिकारी ने कहा कि हम इस महत्वपूर्ण ठेके पर खाबा रिन्यूएबल एनर्जी और एनएचपीसी के साथ साझेदारी कर खुश हैं।

डिजिटल पेमेंट सेवाओं पर अब देना होगा चार्ज

मुंबई । भारत में अधिकांश लोग यूपीआई के जरिए भुगतान कर रहे हैं। देशभर में हर दिन करोड़ों यूपीआई से लेनदेन होते हैं। पेटीएम, गूगल पे और फोनपे जैसी कंपनियां यूपीआई पेमेंट सेवाओं में अग्रणी हैं और अब तक ये सेवाएं ज्यादातर मुफ्त रही हैं लेकिन अब शायद आपको इसके लिए अलग-अलग सर्विसेज के लिए फीस चुकानी पड़ सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आप बिल पेमेंट के लिए क्रेडिट या फिर डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करेंगे तो 0.5 फीसदी से 1 फीसदी तक का चार्ज आप लोगों से लिया जाएगा, इस चार्ज के अलावा आपको जीएसटी भी देना पड़ेगा। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि एक साल पहले से ही गूगल पे यूजर्स से मोबाइल चार्ज पर 3 रुपए की कनविनियंस फीस चार्ज कर रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब एक ग्राहक ने जब बिजली बिल भरने के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया तो ऐप ने 15 रुपए की कनविनियंस फीस यूजर से चार्ज की है। इस फीस को डेबिट/क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन के लिए प्रोसेसिंग फीस नाम से ऐप में दिखाया जा रहा है जिसमें जीएसटी भी शामिल है।

भारत और कतर के बीच व्यापार समझौते में सावधानी की जरुरतः जीटीआरआई

नई दिल्ली। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने भारत और कतर के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर ध्यान दिलाते हुए कहा है कि पेट्रोरसायन क्षेत्र में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल-सानी ने जारी संयुक्त बयान के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) में प्रवेश करने के लिए तैयारी दिखाई है। इसमें उन्होंने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का मकसद रखा है। जीटीआरआई के एक अधिकारी ने बताया कि भारत को पेट्रोरसायन और ऊर्जा आयात पर शुल्क रियायतों के संरक्षण का ध्यान देना चाहिए ताकि देश के घरेलू उद्योगों को कोई नुकसान ना हो। उन्होंने सावधानी बरतने की सलाह दी और व्यापार समझौते के प्राथमिकतक शर्तों के मूल्यांकन की मांग की।

बजट 2025- निर्मला सीतारमण ने मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ी पहनी

पटना। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 8वीं बार देश का बजट पेश किया। इस बार सीतारमण ने क्रीम कलर की मधबुनी पेंटिंग वाली साड़ी पहनी। इसका गोल्डन बॉर्डर है। यह साड़ी उन्हें बिहार में रहने वाली पद्मश्री विजेता दुलारी देवी ने गिफ्ट की थी। दरअसल 2 महीने पहले वित्त मंत्री क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम में मधुबनी आई थीं। तब दुलारी देवी ने उन्हें ये साड़ी भेंट की थी। कहा जा रहा है कि दुलारी देवी ने साड़ी गिफ्ट देते समय वित्त मंत्री ने कहा था कि बजट वाले दिन इसे पहनें। आज हाफ शोल्डर रेड ब्लाउज के साथ वित्त मंत्री ने वही साड़ी पहनी। इस साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में बिहार की प्रसिद्ध मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ी को इससे जोड़ा देखा जा रहा है। 'साड़ी पर मछली, पानी, कमल, पान और मखाने की तस्वीर बनाई है। ये सभी मधुबनी की पहचान हैं। मैंने इसे मिथिला हाट कार्यक्रम में वित्त मंत्री को भेंट किया था।'वित्त मंत्री के साड़ी पहनने से दुलारी देवी काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि ये मिथिला और बिहार के लिए गौरव की बात है। चर्चा में रहती है वित्त मंत्री की साड़ी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपनी साड़ियों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। खासकर वे साड़ी जो वे बजट पेश करने के दौरान पहनती हैं। वे बजट पेश करने के दौरान लाल, नीली, पीली, भूरी और ऑफ-व्हाइट साड़ी पहन चुकी हैं। ये साड़ियां भारतीय संस्कृति और विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं। बिहार के मधुबनी जिले में एक छोटे से गांव रांटी में रहती हैं दुलारी देवी। 57 साल की दुलारी देवी को 2021 में पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। मधुबनी पेंटिंग में इनके योगदान को लेकर केंद्र सरकार ने दुलारी देवी को ये सम्मान दिया था। दुलारी देवी ने कहा था, 'पिताजी मछुआरे थे। कम उम्र में ही चल बसे। मां मजदूरी करके हमें पालने लगीं। बचपन से ही मैं, मेरी तीन बहनें और भाई मां के साथ काम पर जाने लगे। इसलिए स्कूल जाने का कभी मौका ही नहीं मिला।' महज 12 साल की उम्र में दुलारी देवी की शादी हो गई थी। बेटी हुई तो 6 महीने बाद ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद ससुराल में अनबन हो गई और दुलारी देवी ससुराल छोड़कर अपने घर चली आईं। फिर वे पड़ोस में ही रहने वाली महासुंदरी देवी के घर काम करने लगीं।

अवैध संबंध का विरोध करने पर पति की हत्या

3 साल बाद पत्नी और प्रेमी को मिली उम्रकैद की सजा

पटना। में कोर्ट ने मंगलवार को पति की हत्या करने मामले में पत्नी और उसके प्रेमी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। बहादुरगंज थाना क्षेत्र के देशियाटोली की रहने वाली सुनीता देवी और उसके प्रेमी महेंद्र लाल को अदालत ने दोषी करार दिया। जानकारी के अनुसार दोनों ने मिलकर 23 मई 2021 को सुनीता के पति लालचंद की हत्या की थी। अपर जिला और सत्र न्यायाधीश सह विशेष जज एससी-एसटी कुमार गुंजन ने दोनों पर अलग-अलग धाराओं में कुल 80 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। सुनीता ने हत्या का मामला कराया था दर्ज दरअसल, शुरूआत में सुनीता देवी ने ही अपने पति की हत्या का मामला बहादुरगंज थाने में दर्ज कराया था। लेकिन जांच के दौरान मामले में नया मोड़ आया। विशेष लोक अभियोजक एससी-एसटी आदु लाल की जोरदार दलीलों के बाद अदालत ने सुनीता देवी और महेंद्र लाल को दोषी पाया। मालूम हो कि 23 मई 2021 की रात पुलिस को सूचना मिली थी कि बहादुरगंज थाना क्षेत्र के देशियाटोली हरिजन टोला में लालचन्द हरिजन को अपराधियों ने चाकू मार कर घायल कर दिया है। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल लालचंद हरिजन को इलाज के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज किशनगंज भेज दिया था। इसके बाद घायल को बेहतर इलाज के लिए सिल्ली गुड़ी रेफर कर दिया गया। हालांकि रास्ते में ही लालचंद हरिजन की मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने के बाद मृतक की पत्नी सुनीता देवी के बयान पर 3 नामजद और 2 अज्ञात के खिलाफ बहादुरगंज थाना में कांड दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल का कई बार निरीक्षण किया। इस दौरान 2 जून 2021 को महेन्द्र लाल उर्फ मेन, पिता स्व गेंदु लाल हरिजन को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में इन्होंने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए पूरा खुलासा किया। उसने बताया कि पिछले 5-6 सालों में मृतक की पत्नी सुनीता देवी से उनका अवैध संबंध रहा।

बिहार को केंद्रीय बजट से बड़ा फायदा

पटना। विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। एनडीए नेताओं का ध्यान अब बिहार की राजनीति पर है। इसी कड़ी में बिहार सरकार के उद्योग एवं पर्यटन मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री नीतीश मिश्रा मंगलवार को अररिया पहुंचे। उन्होंने प्रेस वार्ता में केंद्रीय बजट 2025 की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि बीते दो वित्तीय वर्षों से बिहार को केंद्रीय बजट में खास तवज्जो दी जा रही है। इससे राज्य में उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने कहा कि मखाना बोर्ड के गठन से मिथिलांचल और सीमांचल के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि बिहार में इंफ्रास्ट्रक्चर की कोई कमी नहीं है। अब व्यापारी भी यहां निवेश करने लगे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीते 20 वर्षों में बिहार में बड़ा बदलाव आया है।

अब व्यापारी बिना झिझक बिहार आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिहार में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट पर तेजी से काम हो रहा है। इससे पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताते हुए कहा कि इस बजट में बिहार को बहुत कुछ मिला है। इससे किसानों, युवाओं और महिलाओं को बड़ा फायदा होगा।

प्रीमियर लीग का तीसरा सीजन शुरू

किशनगंज। प्रीमियर लीग (केपीएल) के तीसरे सीजन का उद्घाटन गुरुवार को हुआ। एसपी सागर कुमार और माता गुजरी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार इच्छित भारत ने फीता काटकर टूनार्मेंट का शुभारंभ किया एसपी ने केडीसीए के सचिव और सभी सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने दर्शकों से रूईधासा मैदान में शांतिपूर्वक खेल देखने की अपील की। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से इस आयोजन में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार ने खिलाड़ियों से खेल भावना बनाए रखने का आग्रह किया। 17 मार्च को होगा फाइनल मैच केपीएल प्रबंधन समिति के सचिव परवेज आलम गुड्डू ने बताया कि पिछले सीजन को मिली सफलता के बाद इस बार तीसरे सीजन का आयोजन किया जा रहा है। इस सीजन में 10 टीमें भाग ले रही हैं। एक महीने तक चलने वाले इस टूनार्मेंट का फाइनल 17 मार्च को खेला जाएगा। सुरक्षा के लिए मैदान के चारों ओर स्वयंसेवक तैनात रहेंगे। दर्शकों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

केमिकल वाले ट्रक में शॉर्ट-सर्किट से लगी आग: गाजियाबाद से बंगाल जा रहा था वाहन

गया। में केमिकल लदे ट्रक में आग लग गई। ट्रक गाजियाबाद से बंगाल जा रहा था। रास्ते में ट्रक को वेल्डिंग दुकान के पास खड़ा किया गया था। इसी बीच ट्रक से धुआं उठने लगा और देखते-देखते ट्रक में आग लग गई। लपटें इतनी तेज हो गई कि पास में खड़ा पिकअप और एक ट्रक के चेसिस में भी आग लग गई। तीनों गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। दमकल की टीम को बुलाया गया। घटना बाराचट्टी थाना क्षेत्र के सुलेबट्टा की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग इतनी भयानक थी कि मौके पर अफरातफरी मच गई। हालांकि, राहत की बात रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। गाड़ी मालिक राजू यादव का कहना है कि शॉर्ट-सर्किट से आग लगी। थाने में आवेदन देने की बात कही है। स्थानीय लोगों ने आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन दमकल समय पर नहीं पहुंची। करीब एक घंटे तक आग लगी रही। इस बीच मदद को लोग तरस गए। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने कहा कि अगर दमकल टीम वक्त पर पहुंच जाती तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती।

दिल्ली की सीएम ने पहनी मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ी

पटना। रेखा गुप्ता ने दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बाद दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ी में नजर आईं। कल यानी बुधवार को दिल्ली में बीजेपी विधायकों की बैठक में रेखा गुप्ता को विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद उपराज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान उन्होंने मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ी पहनी हुई थी। उन्होंने रेड ब्लाउज के साथ यलो कलर की चौड़े बॉर्डर वाली साड़ी पहनी थी। साड़ी और ब्लाउज के बॉर्डर में मधुबनी पेंटिंग की गई है। साड़ी के पल्लू पर भी मधुबनी पेंटिंग है। इसे लेकर बिहार बीजेपी की ओर से बुधवार (19 फरवरी) को एक्स पर रेखा गुप्ता की तस्वीर भी शेयर की गई है।

मैं अपनी तकलीफ किसी को नहीं बता सकता

सुसाइड नोट लिख इंटर के छात्र ने की खुदकुशी

गांव से पढ़ने आया था पूर्णिया

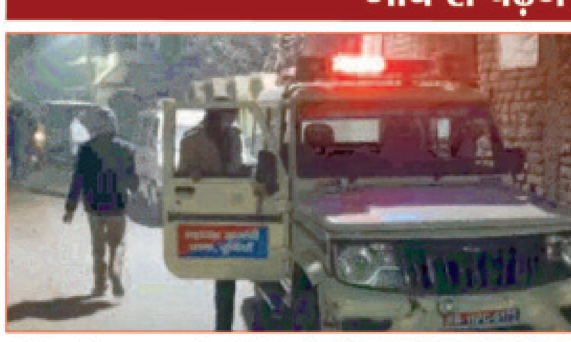

पूर्णिया। में एक छात्र ने फंदे से झूलकर खुदकुशी कर ली। छात्र का शव सहायक खजांची थाना के कसाई मोहल्ला के आशियाना कॉलोनी स्थित इंजीनियर लॉज में पंखे से लटकता मिला। उसके कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। सुसाइड नोट में लिखा है- 'मैं अपनी तकलीफों को किसी को नहीं बता सकता है। उसकी जिंदगी एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ी हुई थी। जिसकी उसने कभी उम्मीद भी नहीं की थी। आखिर में उसने लिखा कि मेरे भतीजे का ख्याल रखिएगा।' मृतक इंटर (11वीं। का छात्र था। वह लॉज में रहकर पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए मेडिकल शॉप में काम करता था। घटना की सूचना मिलते ही सहायक खजांची थाना की पुलिस और फोरेंसिक की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान डगरूआ थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव निवासी गुलाम रसुख के बेटे मो. मुशफीक उर्फ बाबू (22) के के रूप में हुई है। वह पिछले 2 साल से लॉज में रह रहा था। लॉज में रहने वाले स्टूडेंट्स ने बताया कि मो. मुशफीक कुछ दिनों से परेशान चल रहा था। वो एक मेडिकल शॉप में काम करता था, मगर पिछले दो से तीन दिनों से उसने मेडिकल शॉप भी जाना बंद कर दिया था और रूम में ही रहता करता था। देर शाम लॉज से बाहर घूमने निकलने को लेकर जब उन्होंने मुशफीक के मोबाइल पर कॉल किया। तो उसने एक बार भी कॉल रिसीव नहीं किया। काफी दरवाजा खटखटाने के बाद भी मो.मुशफीक ने अपना कमरा नहीं खोला। इसके बाद लॉज की खिड़की से कमरे के भीतर झांकने पर मो.मुशफीक का शव फंदे से लटकता हुआ मिला। छात्रों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस और मृतक के परिजनों को दी। सुसाइड की सूचना मिलते ही छात्र के परिजन लॉज पहुंचे। छात्र ने मरने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा। इसमें मृतक ने लिखा है कि वो अपनी मर्जी से फांसी लगा रहा है। उसे अपनी लाइफ में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए वो अपनी मर्जी से अपनी जिंदगी समाप्त कर रहा है। इसमें लॉज ऑनर या लॉज के किसी भी लड़के का कोई दोष नहीं। वो अपनी तकलीफों को किसी को नहीं बता सकता है। उसकी जिंदगी एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ी हुई थी। जिसकी उसने कभी उम्मीद भी नहीं की थी। आखिर में उसने लिखा कि मेरे भतीजे का ख्याल रखिएगा। इसके बाद छात्र ने फांसी लगा ली।

21 गेंदों में अर्धशतक, ऋषभ का बिहार टीम में चयन

पटना। जोकीहाटे केसर्रा पंचायत के पूर्व मुखिया नागेश्वर पासवान के बेटे ऋषभ भारती ने अंडर-16 टी-20 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। इसी के दम पर बिहार टीम में जगह बनाई। ऋषभ ने गुवाहाटी में क्रिकेट की ट्रेनिंग ली। 16 फरवरी को पटना में हुए चयन ट्रायल में विस्फोटक बल्लेबाजी की। 21 गेंदों में अर्धशतक जड़कर अपनी जगह पक्की कर ली। टी-20 गली क्रिकेट राष्ट्रीय लीग के राज्य स्तरीय मैचों के लिए बिहार स्ट्राइकर्स टीम में चुने गए। ऋषभ के चयन से अररिया और सीमांचल के लोग गर्व महसूस कर रहे हैं। खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

संक्षिप्त डायरी

बीएसएफ का सीमावर्ती गांवों में सामाजिक पहल

किशनगंज। में भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित सीमा चौकी विनन्दपुर में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। बीएसएफ की 17वीं वाहिनी ने सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत स्थानीय लोगों के लिए विशेष पहल की। वाहिनी के कमांडेंट अजय कुमार शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सीमावर्ती गांवों के लोगों को साइकिल और ट्राई साइकिल वितरित की गई। इस दौरान खेल सामग्री का भी वितरण किया गया। साथ ही, महिलाओं में सिलाई मशीन बांटा गया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के बीच वॉलीबॉल मैच का आयोजन भी शामिल था। कुल मिलाकर 2.35 लाख रुपए की सामग्री वितरित की गई। स्थानीय लोगों से की सहयोग की अपील कार्यक्रम में डिप्टी कमांडेंट रविंदर सिंह और डिप्टी कमांडेंट अजय सिंह भाटी भी उपस्थित रहे। कमांडेंट शुक्ला ने कहा कि बीएसएफ स्थानीय लोगों के साथ मिलकर काम करती है। उन्होंने स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की।

दबंग जमीन खाली करने की दे रहे धमकी

किशनगंज। के लहरा में जमीन विवाद का मामला सामने आया है। गुल मोहम्मद ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि उन्होंने 2012 में लहरा में 8 डिसमिल जमीन खरीदी थी। उन्होंने इस जमीन पर चारदीवारी और टीन का घर बनाकर मुनाजीर आलम को देखरेख के लिए दिया। कमरुल उर्फ सकरातू नाम का व्यक्ति पिछले कुछ दिनों से मुनाजीर आलम को जमीन खाली करने की धमकी दे रहा है। वह 10 लाख रुपए की मांग कर रहा है। जमीन खाली न करने पर मारपीट की धमकी भी दे रहा है। गुल मोहम्मद ने कमरुल से जमीन के कागजात मांगे। लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाया। पीड़ित ने टाउन थाने में भी शिकायत दर्ज कराई थी। कोई कार्रवाई न होने से कमरुल का मनोबल बढ़ गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नहीं होने के कारण पीड़ित ने डीएसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। डीएसपी ने मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पश्चिमपाली और लहरा चौक क्षेत्र में अवैध कब्जे के मामले आम हैं। कुछ लोग अवैध वसूली के लिए जबरन जमीन पर कब्जा कर लेते हैं। इससे आम लोगों को थाना-पुलिस का चक्कर लगाना पड़ता है।

छात्राओं को गलत तरीके से छूता था टीचर

वैशाली। के बिदुपुर प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय खानपुर पकरी खिरिका में एक छात्रा के साथ गलत व्यवहार करने का मामला सामने आया है। गुरुवार को मामले की जांच करने के लिए डीपीओ निशांत किरण और बिदुपुर प्रखंड के शिक्षा पदाधिकारी अरुण कुमार पहुंचे। इसके साथ ही छात्रा के परिजन और ग्रामीण भी स्कूल पहुंचे। डीपीओ ने कहा कि स्कूल में हिन्दी और विज्ञान के सहायक शिक्षक लालकृष्ण यादव पर कुछ छात्राओं ने गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया था। इसी को लेकर जांच करने पहुंचे थे। फिलहाल आरोपी शिक्षक को पूछताछ के लिए लेकर जा रहे है। इसके बाद जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी। विभाग की ओर से फिर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले को लेकर एक ग्रामीण रामेश्वर ने कहा कि इस शिक्षक के खिलाफ पहले भी शिकायत की गई थी। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। दरअसल स्कूल के प्रिंसिपल रत्नेश कुमार उनको हर बार बचा लेते थे। इस बार शिकायत प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को की गई थी। गुरुवार को टीम जांच के लिए पहुंची तो शिक्षक को पूछताछ के लिए लेकर गई है। अधिकारियों ने पूछताछ के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा मामले को लेकर आरोपी सहायक शिक्षक लालकृष्ण यादव ने कहा कि उनके ऊपर लगाए गए सभी आरोप गलत है। 11 फरवरी को कुछ ग्रामीण स्कूल पहुंचे थे। इसके बाद उनलोगों ने पिटाई की और जबरन घटना को स्वीकार करने की बात लिखवाई। इसके बाद प्रिंसिपल ने उनको छुट्टी पर भेज दिया। इसको लेकर भी एक पत्र लिखवा लिया गया था। इस पूरे मामले में उनकी कोई गलती नहीं है। स्कूल की कुछ छात्राएं उनका विरोध करती है। इसलिए उन्होंने शिकायत की है। जबकि उन्होंने ऐसी कोई हरकत नहीं की है। इसके अलावा पहले भी प्रिंसिपल ने उनपर झूठा आरोप लगाकर कई बार रुपए ठगे है।

3 पिकअप वैन से 16 मवेशी बरामद

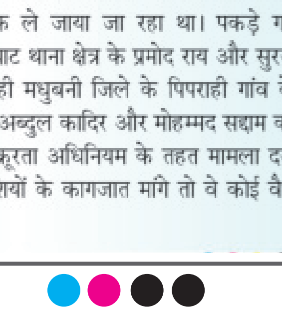

पटना। अररिया पुलिस ने मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अररिया-पूर्णिया मार्ग पर जहांगीर बस्ती के पास से तीन पिकअप वैन में ले जाए जा रहे 16 मवेशियों को जब्त किया है। इस मामले में 6 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। नगर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जहांगीर बस्ती के पास से मवेशी लदी तीन पिकअप वैन गुजर रही हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने वाहनों को रोककर तलाशी ली। मवेशियों को फारबिसगंज से पूर्णिया की तरफ ले जाया जा रहा था। पकड़े गए आरोपियों में मुजफ्फरपुर के गायघाट थाना क्षेत्र के प्रमोद राय और सुरज कुमार बोचहा शामिल हैं। साथ ही मधुबनी जिले के पिपराही गांव के मोहम्मद अली नट, मुमताज नट, अब्दुल कादिर और मोहम्मद सद्दाम को भी गिरफ्तार किया गया है। पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज पुलिस ने जब आरोपियों से मवेशियों के कागजात मांगे तो वे कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके।

इन 6 लोगों को नहीं खाना चाहिए मखाना, सेहत को फायदे नहीं मिलेंगे सिर्फ नुकसान

मखाना, जिसे हम अक्सर चाय के साथ या हलके स्नैक्स के तौर पर खाते हैं, सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं, जैसे प्रोटीन, फाइबर, और एंटीऑक्सीडेंट्स, जो हमारे शरीर को मजबूती देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मखाना सभी के लिए सही नहीं होता? कुछ लोगों के लिए यह हानिकारक भी हो सकता है। अगर आप इनमें से किसी से जुड़ी समस्याओं से परेशान हैं, तो मखाना खाने से पहले एक बार सोच लीजिए। आइए जानते हैं किन 5 लोगों को मखाना खाने से परहेज करना चाहिए।

डायबिटीज के रोगी

मखाना में उच्च मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो ब्लड शुगर को बढ़ा सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को डायबिटीज है, तो उसे मखाना का सेवन सीमित मात्रा में और डॉक्टर की सलाह से करना चाहिए। इसके अलावा, मखाना का सेवन ज्यादा करने से शरीर में ग्लूकोज का स्तर असंतुलित हो सकता है, जिससे डायबिटीज की स्थिति खराब हो सकती है।

गैस्ट्राइटिस और पाचन समस्याओं वाले लोग

मखाना के सेवन से कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें फाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो कभी-कभी पेट में गैस, सूजन, और कब्ज जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। यदि किसी व्यक्ति को गैस्ट्राइटिस, पेट की जलन, या अन्य पाचन समस्याएं हैं, तो उसे मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे सीमित मात्रा में खानी चाहिए।

किडनी रोगी

मखाना में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो किडनी के रोगियों के लिए हानिकारक हो सकता है। किडनी की बीमारी होने पर, शरीर से पोटेशियम की सही मात्रा बाहर नहीं निकल पाती, जिससे पोटेशियम का स्तर बढ़ सकता है और यह हृदय की समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, किडनी रोगी को मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे बहुत कम मात्रा में लेना चाहिए।

एलर्जी से प्रभावित लोग

कुछ लोगों को मखाना से एलर्जी हो सकती है, जिससे उन्हें त्वचा पर दाने, खुजली, या अन्य एलर्जी के लक्षण हो सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को मखाना खाने के बाद कोई एलर्जी के लक्षण दिखते हैं, तो उसे मखाना से बचना चाहिए। ऐसे लोग मखाना के सेवन से पहले डॉक्टर से परामर्श लें।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत से दो चार हो रहे लोगों को मखाना ना खाने के लिए कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मखाना में सोडियम होता है और इससे हाई ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। इसीलिए हाई ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों को मखाना ना खाने या कम खाने की कोशिश करनी चाहिए।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को मखाना का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। मखाना में कुछ प्रकार के तत्व होते हैं जो शरीर में गर्मी पैदा कर सकते हैं, और ज्यादा सेवन से यह गर्भावस्था में असहज महसूस करवा सकता है। गर्भवती महिलाएं पहले डॉक्टर से सलाह लें कि मखाना उनका सेवन कर सकती हैं या नहीं, और यदि कर सकती हैं, तो कितनी मात्रा में करें।

मखाना खाने के फायदे : हालांकि, मखाना का सेवन बहुत से लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें उच्च मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स, और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह हृदय स्वास्थ्य, पाचन, वजन घटाने, और त्वचा की सेहत के लिए भी लाभकारी है।

सुबह उठते ही पिएं लौंग का पानी, ब्लड शुगर से लेकर बॉडी डिटॉक्स तक मिलेंगे ये बेहतरीन फायदे

एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर लौंग का पानी आपके स्वास्थ्य, त्वचा और बालों के ग्रोथ के लिए बेहद फायदेमंद है. यह नेचुरल तरीके से आपको इस तरह के लाभ पहुंचाता है. आहार विशेषज्ञ और वेट मैनेजमेंट विशेषज्ञ डॉ. प्रत्यक्ष भारद्वाज इसे फ्रएंटीऑक्सीडेंट का एक पावरहाउसफ्र कहते हैं जो पाचन, प्रतिरक्षा और यहां तक ??कि वेट मैनेजमेंट में भी मदद करता है.

स्वास्थ्य लाभ

पाचन को बढ़ावा देता है और सूजन से लड़ता है : लौंग का पानी आपके पाचन तंत्र के लिए अद्भुत काम करता है।यह सूजन, गैस्ट्रिक समस्याओं और अपच को कम करने में मदद करता है. डॉ. भारद्वाज कहते हैं, फ्रलौंग का पानी सूजन और गैस्ट्रिक समस्याओं के लिए एक प्राकृतिक उपाय है. यह डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया का भी समर्थन करता है.

वजन घटाने में मदद करता है : लौंग का पानी आपके मेटाबॉलिज्म को बहुत जरूरी बढ़ावा दे सकता है. इसका एक्टिव कंपाउंड , यूजेनॉल, फ़ैट मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करता है, जिससे यह वेट मैनेजमें डेली रूटीन में सहायक होता है. ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है : यदि आप अपने ब्लड शुगर को नेचुरल तरीके से मैनेज करना चाहते हैं, तो लौंग का पानी आजमा कर देश सकते है. लौंग में मौजूद यूजेनॉल ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है और ओवरऑल मेटाबॉलिक हेल्थ का समर्थन करता है.

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है : लौंग के पानी में एंटीऑक्सीडेंट की हाई अमाउंट होने के कारण यह आपके रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत बनाता है, जिससे आप आम संक्रमणों और बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं.

आपके दांतों के लिए अच्छा : लौंग के पानी के एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टी मुंह में सूजन को कम करके मौखिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं. लौंग के पानी से कुल्ला करने से आपकी सांसों को भी तरोताजा करने में मदद मिल सकती है.

सौंदर्य लाभ

मुंहासे और दाग-धब्बों से लड़ता है : लौंग के पानी के सूजनरोधी और रोगाणुरोधी गुण मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने, लालिमा को कम करने और साफ त्वचा को बढ़ावा देने में मदद करते हैं.

आपकी त्वचा को चमकदार बनाता है : लौंग के पानी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों से लड़ते हैं, जो सुस्ती और समय से पहले बुढ़ापे का कारण बन सकते हैं. नियमित उपयोग से आपकी त्वचा चमकदार और स्वस्थ दिख सकती है.

चिड़चिड़ी त्वचा को आराम देता है : अगर आपकी त्वचा में खुजली या जलन है, तो लौंग के पानी के शांत करने वाले गुण राहत दे सकते हैं.

बालों के लिए लाभकारी

बालों के रोम को मजबूत बनाता है : लौंग का पानी स्कैल्प को पोषण देता है और बालों के रोम को मजबूत बनाता है, जिससे बालों का झड़ना कम होता है और विकास को बढ़ावा मिलता है.

रूसी से लड़ता है : लौंग के पानी के रोगाणुरोधी गुण रूसी और खुजली को कम करने में मदद करते हैं, जिससे आपकी स्कैल्प स्वस्थ रहती है.

बालों में चमक लाता है : लौंग के पानी से अपने बालों को धोने से उनमें प्राकृतिक चमक और कोमलता आ सकती है, जिससे आपके बाल ज्यादा जीवंत दिखते और महसूस होते हैं.

सावधानी बेहद जरूरी

माना कि लौंग के पानी के कई लाभ हैं, लेकिन नियंत्रित मात्रा में इसका सेवन करना बेहद जरूरी है, इसके अधिक इस्तेमाल से जलन या संवेदनशीलता हो सकती है. डॉ. भारद्वाज सलाह देते हैं कि अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप पेशेवर मार्गदर्शन के साथ लौंग के पानी को अपनी दिनचर्या में शामिल करें.

लौंग का पानी कैसे बनाएं

लौंग का पानी बनाना आसान और किफायती है. जानें बनाने की विधि

सामग्री

1 चम्मच साबुत लौंग

1 कप पानी

बनाने की विधि

सबसे पहले एक कप पानी उबालें और इसमें लौंग डालें और उन्हें 10-15 मिनट तक भीगने दें. लौंग निकालने के लिए पानी को छान लें। पीने या अपनी त्वचा या बालों पर इस्तेमाल करने से पहले इसे आरामदायक तापमान पर ठंडा होने दें. अतिरिक्त स्वाद और लाभों के लिए, आप इसमें नींबू का एक टुकड़ा या एक चम्मच शहद मिला सकते हैं. सुबह खाली पेट एक कप लौंग का पानी रोजाना पिने से बहुत लाभ मिलता है.

डायबिटीज के मरीज भूलकर भी न करें इन फलों का सेवन, बढ़ सकता है ब्लड शुगर का लेवल

डायबिटीज एक गंभीर बीमारी है. आज के समय में इस बीमारी से करोड़ों लोग पीड़ित है. इस रोग से पीड़ितों को अपने खानपान का खास ख्याल रखना पड़ता है. इसके साथ ही जीवनशैली में भी बदलाव की जरूरत होती है. यह एक ऐसी बीमारी जिसमें डायबिटीज से पीड़ितों का ब्लड शुगर लेवल काफी बढ़ जाता हैं, जिसके चलते उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्या हो सकती है. यहां तक की हाई ब्लड शुगर के चलते कभी-कभी पीड़ितों की जान भी जा सकती है. इसलिए इसको कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी होता है. आज हम इस खबर में बताने जा रहे हैं कि डायबिटीज मरीजों को डॉक्टरों के द्वारा चीकू फल खाने से बचने को क्यों कहा जाता है...

डायबिटीज में भूलकर भी ना खाएं चीकू

हम सबको पता है कि चीकू एक ऐसा फल है, जो न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी होता है. खास बात यह है कि इस फल के अलावा बीज और पत्तियां भी काफी गुणकारी हैं. फिर भी डॉक्टरों के मुताबिक, डायबिटीज पेशेंट को चीकू फल खाने से बचना चाहिए, ऐसा इसलिए क्योंकि चीकू में कार्बोहाइड्रेट बहुत हाई अमाउंट में होता है और इस फल में शुगर की मात्रा भी ज्यादा होती है. बता दें, चीकू में मौजूद ज्यादातर कार्बोहाइड्रेट नेचुरल शुगर के रूप में होता है. इसलिए डॉक्टरों के द्वारा हाई ब्लड शुगर से पीड़ित लोगों को चीकू फल नहीं खाने की सलाह दी जाती है. इसके साथ ही डायबिटीज के मरीजों को इन फलों से भी बचना चाहिए. इसमें अनानास, लीची, केला, आम, तरबूज शामिल है.

प्री-डायबिटीज में भूलकर भी ना खाएं चीकू

प्री-डायबिटीज पेशेंट को भी म चीकू नहीं खाने की सलाह दी जाती है. बता दें, चीकू में शुगर की मात्रा अधिक होती है, जिससे मरीज का ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है. चीकू में कैलोरीज भी अधिक होती हैं. बता दें, चीकू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होने की वजह से इसका सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल तुरंत बढ़ने लगता है

ध्यान देनें वाली बात

यदि आपको हाई ब्लड शुगर (हाइपरग्लाइसेमिया) है तो आपका फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 130 एमजी/डीएल से ऊपर रहेगा और रैंडम ब्लड शुगर 180 एमजी/डीएल से अधिक रहेगा. यदि आपका ब्लड शुगर लेवल लगातार इन सीमाओं से ऊपर है, तो आपको प्री-डायबिटीज या डायबिटीज हो सकता है. अगर इसे कंट्रोल नहीं किया गया, तो यह हार्ट डिजीज, तंत्रिका समस्याओं और किडनी की बीमारियों जैसी गंभीर चिकित्सा समस्याओं का कारण बन सकता है.

अगर आपको लो ब्लड शुगर (हाइपोग्लाइसीमिया) की समस्या है, तो आपका फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 70 एमजी/डीएल से कम रहेगा और रैंडम ब्लड शुगर 60 एमजी/डीएल से कम रहेगा. आपकों लो ब्लड शुगर के कारण चक्कर आना, भ्रम, बेहोशी और दुर्लभ मामलों में दौरे पड़ सकते हैं. यह आमतौर पर इंसुलिन या एंटीडायबिटिक दवा लेने वाले मरीजों में पाया जाता है, या जो बहुत लंबे समय तक फास्टिंग करते हैं या बहुत लंबे समय तक एक्सरसाइज करते हैं.

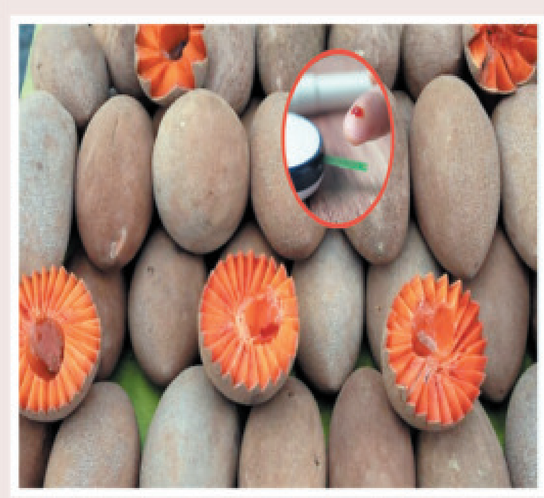

पैरों से पहचानें ब्लड शुगर बढ़ने के संकेत, दिखें तो तुरंत एक्शन की जरूरत

बीमारियों की बात करें तो डायबिटीज का नाम शायद सबसे पहले लिया जाएगा। बिजी और बिगड़ते लाइफस्टाइल, गलत खानपान के चलते शुगर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती ही जा रही है। डायबिटीज यानि कि मधुमेह एक ऐसी बीमारी है जो मरीज के शरीर को अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। यह शरीर के बाकी अंगों को प्रभावित करती है। जब बॉडी में शुगर की मात्रा बढ़ती है तो शरीर कई तरह के संकेत देने लगता है। डायबिटीज के कुछ खास लक्षण पैरों में भी दिखने लगते हैं। चलिए आपको उन्हीं लक्षणों के बारे में बताते हैं जिन्हें पहचान कर आपको फौरन अलर्ट हो जाना चाहिए

डायबिटीज के कारण पैरों में दिखने वाले संकेत

डायबिटीज एक गंभीर रोग है जिसके लक्षण खासतौर पर पैरों में दिख सकते हैं जो हाई ब्लड शुगर के कारण उत्पन्न होते हैं। अगर डायबिटीज को समय रहते नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह पैरों की नसों और रक्त संचार को प्रभावित कर सकता है।

पैरों में सूजन : हाई ब्लड शुगर के कारण शरीर में लिक्विड संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे पैरों में सूजन आ सकती है। यह आमतौर पर खराब ब्लड सर्कुलेशन और किडनी की समस्याओं के कारण होता है।

नसों का नुकसान : डायबिटीज के कारण डायबिटिक न्यूरोपैथी हो सकती है, जिससे पैरों में झुनझुनी, जलन या सुन्न होने की समस्या होती है। यह समस्या पैरों में घावों को महसूस करने की क्षमता को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे चोट लगने पर देर से पता चलता है। पैरों की त्वचा शुष्क और फटी हुई दिख सकती है क्योंकि हाई ब्लड शुगर के चलते त्वचा की नमी कम हो सकती है। त्वचा में दरारें आने से बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

नाखूनों में फंगल संक्रमण : डायबिटीज के मरीजों में नाखूनों पर फंगल संक्रमण आम होता है, जिससे वे मोटे, पीले और कमजोर हो सकते हैं। इंफेक्शन बढ़ने पर नाखूनों में दर्द और असहजता हो सकती है।

पैरों में घाव या अल्सर : शुगर मरीज के पैर में चोट या कट लगने के बाद घाव जल्दी नहीं भरता, जिससे अल्सर बनने का खतरा रहता है क्योंकि पैरों में रक्त संचार की कमी होने लगती है और अगर ध्यान न दिया जाए तो यह गैंग्रीन जैसी गंभीर समस्या में बदल सकता है।

पैरों में बहुत ज्यादा दर्द और ऐंठन : ब्लड सर्कुलेशन खराब होने से पैरों में तेज दर्द, ऐंठन या भारीपन महसूस हो सकता है। यह संकेत रक्त वाहिकाओं में रुकावट की ओर भी इशारा कर सकते हैं।

डायबिटीज के मरीजों को पैरों की देखभाल कैसे करनी चाहिए?

पैरों की नियमित जांच करें, किसी भी कट, सूजन, लाल धब्बे या संक्रमण के संकेतों पर नजर रखें।

पैरों को मॉइश्चराइज करें। फटी त्वचा और रूखेपन से बचने के लिए मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

आरामदायक जूते पहनें । टाइट या अनफिटेड जूतों से बचें, जो पैरों में चोट पहुंचा सकते हैं।

नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें। नियमित रूप से नाखून काटें और संक्रमण से बचने के लिए साफ-सफाई रखें।

ब्लड शुगर कंट्रोल करें। नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल मॉनिटर करें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं लें।

चैम्पियंस ट्रॉफी में आज होगा दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान में मुकाबला

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की टीम का पहला मुकाबला आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप बी में में शुक्रवार को अफगानिस्तान से होगा। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका जीत की प्रबल दावेदार है पर अफगानिस्तान टीम भी उलटफेर का पूरा प्रयास करेगी। अफगान टीम के पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो दक्षिण अफ्रीका के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के टूर्नामेंट में कई बार दबाव में रहती है जिसका लाभ अफगानिस्तान को मिल सकता है। दक्षिण अफ्रीका की टीम में कई दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं वह बेहद संतुलित दिख रही है और उसकी बल्लेबाजी काफी अच्छी है। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी कप्तान टेम्बा बावुमा, टोनी डी जोरजी, रासी वैन डेर डुसेन और एडेन मार्करम के अलावा हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स पर आधारित रहेगी।

दक्षिण अफ्रीकी टीम की गेंदबाजी इस बार पहले की तरह नहीं है उसके तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया, नांद्रे बर्गर और गेराल्ड कोएत्जी चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जिससे उसकी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ऐसे में अनुभवी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी। इसके अलावा मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी को भी उनका अच्छी तरह से साथ देना होगा। स्पिन की जिम्मेदारी केशव महाराज और तबरेज शम्सी पर रहेगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। उसने एकदिवसीय विश्व कप 2023 के बाद जो 14 एकदिवसीय खेले हैं उनमें से उसे केवल चार मैच में ही जीत मिली। वह लगातार छह मैच में हार के साथ इस टूर्नामेंट में उतर रही है।

वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान ने हाल में आईसीसी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने एकदिवसीय विश्व कप 2023 में इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को हराया और पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमी फाइनल में स्थान बनाया था।

अफगानिस्तान ने कई बार बड़ी टीमों को हराकर दिखाया है कि उसे कम आंकना ठीक नहीं होगा। अफगानिस्तान के पास स्टार स्पिनर राशिद खान, मोहम्मद नबी और बाएं हाथ के नूर अहमद और नगेयालिया खारोटे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। टीम की तेज गेंदबाजी अजमतुल्लाह उमरजई के अलावा फ़ज़लहक फ़ारूकी पर निर्भर करेगी। वहीं बल्लेबाजी की कमान रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान पर आधारित रहेगी। अफगानिस्तान की कमजोर मध्यक्रम का विफल होना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका = टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

अफगानिस्तान =हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

शमी एकदिवसीय में सबसे तेज 200 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेजी से 200 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने हैं। शमी ने मामले में पाकिस्तान के सकलैन मुश्ताक और न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट से आगे निकल गए हैं। इस सूची में पहले स्थान पर मिशेल स्टार्क हैं। जहां तक गेंदों के मामले में 200 विकेट का सवाल है तो शमी ने सभी को पीछे छोड़ा है। वह सबसे कम 105 मैचों में 200 एकदिवसीय विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में भी मिशेल स्टार्क 102 मैच के साथ ही पहले नम्बर पर हैं। इतना ही नहीं शमी आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट विकेट लेने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। वहीं पाक के सकलेन ने 104 मैचों में 200 विकेट लिए हैं।

सबसे कम गेंदों में 200 एकदिवसीय विकेट के मामले में भी शमी नंबर एक पर हैं1 उन्होंने 200 विकेट के लिए 5126 गेंदें फेंकी हैं जबकि मिशेल स्टार्क ने 5240 और सकलैन मुश्ताक ने 5451 गेंदें फेंकी हैं।

आईसीस टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे अधिक 72 विकेट शमी ने जबकि दूसरे नंबर पर 71 विकेट जहीर ने लिए हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह ने 68 विकेट लिए हैं।

डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया: मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने विवादित बयानों के कारण चर्चाओं में बने रहते हैं। अब उन्होंने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने आईपीएल में गलत टीम से खेला था। डिविलियर्स ने शुरुआत में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल में तीन सत्र खेले थे। वहीं 2011 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हुए और 2021 में अपने करियर को अलविदा कहने तक उसकी ओर से ही खेलते रहे।

डिविलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 5162 रन बनाए लेकिन कभी टीम को आईपीएल खिताब नहीं जिता पाये। उन्होंने 2011 और 2016 में आरसीबी के साथ आईपीएल फाइनल खेला पर दोनों बार टीम हार गयी। 14 साल के अपने आईपीएल करियर में खिताब न जीतने के बावजूद डिविलियर्स आईपीएल में खेलने वाले सबसे बड़े क्रिकेटरों में से एक हैं। मांजरेकर के अनुसार डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया। मांजरकेर का कहना है कि डिविलियर्स को टॉप आर्डर में आना चाहिए था और उन्होंने यह भी कहा कि एबी ने गलत फेंचाइजी के लिए खेला।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीन बार ट्रॉफी के करीब पहुंची, 2009, 2011 और 2016 में, लेकिन वे फाइनल में हार गए। ट्रॉफी के सूखे के बावजूद, आरसीबी अतीत में कई महान बल्लेबाजों का घर रहा है जो मैच विनर से कम नहीं हैं। चाहे वह केएल राहुल हो, शेन वॉटसन हो, क्रिस गेल हो, ब्रेंडन मैकुलम हो या एबी डिविलियर्स, आरसीबी ने हमेशा अपने रैंकों में आक्रामक बल्लेबाजों की विलासिता का आनंद लिया है जो खेल को विपक्ष से दूर ले जा सकते हैं, लेकिन उनका खिताब का सूखा जारी है।

महिला प्रीमियर लीग: मुंबई के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगी आरसीबी

बेंगलुरु (एजेंसी)। लगातार जो मैच में जीत से उत्साहित रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ विजय अभियान जारी रखकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी। आरसीबी ने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने पहले मैच में गुजरात जॉइंट्स के खिलाफ 200 से अधिक रन का लक्ष्य हासिल किया था और इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स को भी आसानी से हराया था।

स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम के चार अंक हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है। टूर्नामेंट में किसी भी अन्य टीम ने अभी तक अपने सभी मैच नहीं जीते हैं। आरसीबी की टीम को चिन्नास्वामी स्टेडियम में दर्शकों का अपार समर्थन मिलना तय है। इस मैच में सभी की निगाहें मंधाना पर टिकी रहेंगी जिन्होंने दिल्ली के खिलाफ पिछले मैच में 47 गेंद पर 81 रन की तूफानी पारी खेली थी।

भारतीय टीम की उप-कप्तान मंधाना इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रही हैं और मुंबई के गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। आरसीबी की तरफ से मंधाना के अलावा एलिसे पेरी, राघवी बिष्ट, ऋचा घोष और युवा कनिका आहूजा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। आरसीबी हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग को लेकर थोड़ा चिंतित होगा क्योंकि उसके गेंदबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

मुंबई की टीम बेहद मजबूत है और उसे हराना आसान नहीं होगा। पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नैट साइवर-ब्रंट की बेजोड़ बल्लेबाजी (59 गेंदों में 80 रन) और हरमनप्रीत के साथ उनकी 73 रन की साझेदारी के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा था और अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

टीम इस प्रकार है

मुंबई इंडियंस = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नादिन डी क्लार्क, संस्कृति गुप्ता, साइका इशाक, शबनीम इस्माइल, जिन्तिमनी कलिता, जी कमलिनी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, सत्यमूर्ति कीर्तन, अमेलिया केर, अक्षिता माहेश्वरी, हेले मैथ्यूज, सजीवन सजना, नट साइवर-ब्रंट, पारुनिका सिसोदिया, क्लो ट्राईटन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु = स्मृति मंधाना (कप्तान), कनिका आहूजा, एकता बिष्ट, चार्ली डीन, किम गार्थ, ऋचा घोष, हीदर ग्राहम, वीजे जोशिता, सब्बिनेनी मेघना, नुजहत परवीन, जाग्रवी पवार, एलिसे पेरी, राघवी बिस्ट, स्नेह राणा, प्रेमा रावत, रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेयरहम, डैनी व्याट-हॉज।

रिजवान ने हार के लिए बल्लेबाजों और गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

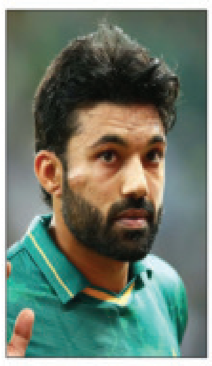

मुम्बई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली 60 रनों की करारी हार के लिए अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों को दोष दिया है। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 320 रन बनाये और मेजबानों को जीत के लिए 321 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए पाक टीम 47.2 ओवर में 260 रन ही बना पायी। रिजवान के अनुसार मैच में उनकी टीम ने दो बार लय खोई जिस वजह से न्यूजीलैंड को उन पर हावी होने का अवसर दिया। रिजवान ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने अच्छा लक्ष्य दिया, हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। हम 260 के आसपास के स्कोर की उम्मीद कर रहे थे। हमने अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया पर विरोधी टीम ने अच्छा खेला। हम पिच की स्थिति देखते हैं, पहले पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। वहीं जब विल यंग और लेथम ने साथ मिलकर बल्लेबाजी की तो यह आसान हो गया। अंत में हमने त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल की तरह ही गलती की और उन्होंने अच्छा लक्ष्य बनाया।' 321 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने धीमी शुरुआत दी, उन्होंने इस मैच में 90 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौकों और 1 छक्के की सहायता से केवल 64 रन बनाए। बाबर की इस धीमी पारी की वजह से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव पड़ा जिस वजह से टीम तेजी से बन बनाने के प्रयास में विकेट गंवाती रही।

एलएसजी का रुख आईपीए में आक्रामक रहेगा : जहीर

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) टीम के मेंटर जहीर खान ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपरजायंटस के पास बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ ने पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों को खरीदा है। इसमें से तीन को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। ऋषभ पंत, निकोलस पूरन और डेविड मिलर शुरुआत में उतरेंगे। साथ ही कहा कि तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के होने से टीम का रुख आक्रामक रहेगा। जहीर के अनुसार इतने बाएं हाथ के खिलाड़ी रखना टीम की रणनीति भी हो सकती है। एलएसजी ने इस सत्र के लिए ऋषभ को कप्तान बनाया है। 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कप्तानी करने वाले जहीर ने ऋषभ को देखा है और उनके साथ काम किया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के अनुसार ऋषभ ऐसे व्यक्ति हैं जो पूरी टीम को प्रेरित कर सकते हैं और क्रिकेट का एक ऐसा ब्रांड स्थापित कर सकते हैं जिसे एलएसजी खेलना चाहता है। उन्होंने कहा कि सीजन में उस माहौल को बनाने और किसी भी टीम के लिए सफलता के स्तंभ तैयार करने के लिए कप्तान की भूमिका अहम होती है। जिसमें वह सक्षम हैं। जहीर ने कहा, यह सामरिक बढ़त भी हो सकती है। हम इसे इसी तरह से देख रहे हैं। मैंने यह नहीं देखा है कि मैं टीम में कितने बाएं हाथ के खिलाड़ियों को चाहता हूं। जब तक आपके पास संतुलन है, आपके पास टीम में विकल्प हैं और आपके पास सभी विकल्प हैं, तब तक यह ठीक है। जब मैं अपनी टीम को देखता हूं, तो यह एक मजबूत इकाई की तरह दिखती है।

हैट्रिक नहीं बना पाये आक्षर , रोहित के हाथ से फिसला कैच

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिनर अक्षर पटेल बांग्लादेश के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मैच के दौरान हैट्रिक बनाने से रह गये। अक्षर की गेंद पर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कैच छोड़ दिया जिससे अक्षर की हैट्रिक नहीं हो पायी। । रोहित इससे इतने निराश हुए कि मैदान पर जोर-जोर से हाथ पटकते दिखे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिय में आया है।

इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी शुरु की। 9वें ओवर में अक्षर गेंदबाजी के लिए आये । उन्होंने ओवर की दूसरी गेंद पर ही तनजीद हसन को और तीसरी गेंद पर मुशिफकुर रहीम को पेवेलियन भेज दिया। दोनों ही बार के कैच विकेटकीपर केएल राहुल ने लिए। अक्षर को ओवर की चौथी गेंद पर हैट्रिक मिल सकती थी। जकर अली ने उनकी गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास किया पर गेंद स्लिप में फिल्डिंग कर रहे रोहित के हाथों से टकरा कर निकल गयी। रोहित ने गेंद को अंत तक पकड़ने का प्रसाय किया पर वह फिसल गयी।

नीरज के पास है एक से बढ़कर एक हाई–परफॉरमेंस लक्जरी कारें

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा खेल के साथ ही हाई-परफॉरमेंस लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं। नीरज के पास एक से बढ़कर एक कारों का काफिला है। नीरज के इस बेडे में हाल ही में ऑडी की आरएस क्यू-8 परफॉर्मेंस कार शामिल हुई है। उनके पास पहले से ही मस्टैंग और कई टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी कारें हैं। नीरज की आरएस क्यू-8 कार एक हाई-परफॉरमेंस एसयूवी और पहियों पर चलने वाली एक पावरहाउस है! ये कार 305 किमी/घंटा की टॉप स्पीड के साथ सड़कों पर दौड़ सकती है! वहीं, यह केवल 3.6 सेकेंडो में 0-100 किमी/घंटा की गति पकड़ लेती है! ऑडी की ओर से आने वाली इस कार के बेस मॉडल की कीमत 2.5 करोड़ रुपये है पर कस्टमाइजेशन के बाद, नीरज के वर्जन की कीमत लगभग 3 करोड़ रुपये हैं। नीरज ने जो कार डिजाइन कराई है उसमें उनकी पसंद की हर चीज का ध्यान रखा है। अपनी इस नई कार के बारे में बात करते हुए नीरज ने कहा, 'मुझे कारें बहुत पसंद हैं. कड़ी मेहनत की वजह से ही मैं उन्हें खरीद पाया हूं। मेरा सपना सच हो गया। मैं और मेरा परिवार एक घर चाहते थे। यह बहुत अच्छी बात है कि अब हमारे पास एक घर है। हमारे सपने हकीकत में बदल रहे हैं।' रफ्तार और लग्जरी के शौकीन नीरज चोपड़ा के पास महंगी और लग्जरी गाड़ियों का शानदार कलेक्?शन है। इनमें कस्?टमाइज्?ड महिंद्रा एक्?सयूवी 700 शामिल है वहीं उनके पास एक महिंद्र थार भी है जिसकी कीमत लगभग 17 लाख रुपए है।उनकी सबसे महंगी गाड़ियों में रेंज रोवर शामिल हैं जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये है। नीरज के पास 33 लाख रुपए की टोयोटा फॉर्चूनर है। वहीं मस्?टैंग जीटी की कीमत 93.52 लाख शामिल हैं। इसके अलावा उनरके पास जगुआर एफ-पेस और मर्सिडीज -बेंज जीएलसी एक लग्जरी एससूवी है. इसकी कीमत 57.36 - 63.15 लाख रुपए है।

एक बार फिर रोहित शर्मा की खराब किस्मत, टीम इंडिया के नाम दर्ज हुआ ये शर्मनाक रिकॉर्ड

दुबई (एजेंसी)। मौजूदा समय में भारत और बांग्लादेश के बीच दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मुकाबला खेला जा रहा है। लेकिन रोहित शर्मा की टॉस के मामले में अभी भी किस्मत रूठी हुई है। दरअसल, वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में टीम इंडिया को हार मिली थी। उस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा टीम इंडिया के कप्तान थे, तब से अब तक वनडे इंटरनेशनल क्रकिट में भारतीय टीम एक भी टॉस नहीं जीत पाई है। बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लीग मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर से टॉस हार गए और इस तरह एक शर्मनाक रिकॉर्ड टीम इंडिया के नाम दर्ज हो गया।

बता दें कि, वर्ल्ड कप 2023 के बाद से ज्यादातर मैचों में रोहित शर्मा कप्तान रहे हैं, लेकिन एक सीरीज में केएल राहुल भी कप्तान थे, लेकिन किस्मत वहां भी टीम इंडिया के हक में नहीं रही। भारत ने आखिरी बार वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टॉस वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में जीता था। इसके बाद फाइनल में भारत फिर टॉस हारा और इसके बाद कभी भी भारतीय टीम वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टॉस नहीं जीत पाई है। भारत 11 मैचों में टॉस हार चुका है औरये किसी भी टेस्ट प्लेइंग नेशन के लिए शर्मनाक रिकॉर्ड है। ये शर्मनाक वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी हो चुकी है। हालांकि, टॉस हारने के इस शर्मनाक रिकॉर्ड के बीच भारत ने ज्यादातर मैच में जीत हासिल की है। टीम इंडिया ने इस शर्मनाक वर्ल्ड रिकॉर्ड के मामले में नीदरलैंड की बराबरी कर ली है। भारत और नीदरलैंड ने एक टीम के रूप में अब संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बार वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार टॉस हारे हैं। मार्च 2011 और अगस्त 2013 के बीच नीदरलैंड की टीम ने 11 टॉस वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में हारे थे। वहीं, टीम इंडिया ने नवंबर 2023 से फरवरी 2025 तक भारतीय टीम भी इतनेही मैचों में टॉस गंवा चुकी है।

फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज : हंपी की धमाकेदार जीत, हरिका को दी मात

मोनाको। फीडे महिला ग्रां प्री के तीसरे चरण के पहले दौर में कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बीच मुकाबला भारतीय प्रशंसकों के लिए बेहद रोमांचक रहा। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी हमवतन हरिका द्रोणावल्ली को मात दी। इस जीत के साथ हंपी ने टूर्नामेंट की मजबूत शुरुआत की, जबकि हरिका को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। खेल की शुरुआत चार नाइट्स रुई लोपेज़ ओपनिंग से हुई, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने संतुलित अंदाज में खेला। मिडलगेम तक खेल बराबरी पर था, लेकिन समय के दबाव में हरिका ने कुछ गलतियां कीं, जिसका हंपी ने पूरा फायदा उठाया। 41वीं चाल पर हरिका ने गलत योजना अपनाई और इसके बाद हंपी ने मैच को अपनी तरफ मोड़ दिया। पहले दौर के अन्य परिणामों में रूस की कटेरिना लागनो नें हमवतन अलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना को , मंगोलिया की मंगुन्तूल बटखुयाग नें स्विटजरलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक को पराजित किया जबकि कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा से स्पेन की सरासादात खादेमालशरीह से , जर्मनी की एलिसाबेथ पैहत्ज़ नें चीन की झोंगयी तान से बाजी ड्रॉ खेली । अगले दौर में हरिका की टक्कर सरासादात खादेमालशरीह से होगी, जबकि हंपी कोनेरू एलिसाबेथ पैहत्ज के खिलाफ उतरेंगी। हंपी के लिए यह टूर्नामेंट विश्व चैंपियनशिप साइकिल में अपनी दावेदारी मजबूत करने का शानदार मौका है।

लक्ष्य का पीछा करने में सचिन से विराट को बेहतर मानते हैं सहवाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि एकदिवसीय में लक्ष्य का पीछा करने में सचिन तेंदुलकर की तुलना में विराट कोहली बेहतर है। तेंदुलकर को दूसरे नंबर पर रखने पर सहवाग ने कहा कि क्रिकेट जगत एकदिवसीय क्रिकेट में कोहली जैसा निरंतरता वाला खिलाड़ी शायद ही दूसरा देख पाएगा। शुरुआत में, वह वह विराट कोहली नहीं थे जो वह आज हैं। उन्होंने अपना समय लिया और बहुत कुछ सीखा। और 2011-12 के बाद, वह बहुत बदल गए हैं। अपनी फिटनेस में और अपनी निरंतरता में उन्होंने अद्भुत पारियां खेली हैं।

सहवाग ने ऐसे शीर्ष पांच बल्लेबाजों की सूची में वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल को पांचवें नंबर पर रखा है जबकि एकदिवसीय प्रारूप में गेल के 304 मैचों में 10480 रन हैं। उन्होंने कहा कि गेल एक महान बल्लेबाज और सलामी बल्लेबाज थे। मुझे याद है कि भारत 2002-03 में वेस्टइंडीज आया था और क्रिस गेल ने 6 मैचों की श्रृंखला में तीन शतक लगाए थे। वह पहले खिलाड़ी थे जिन्हें मैंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा था जो तेज गेंदबाजों के लिए बैकफुट पर आकर छक्के मारते थे।

वहीं नंबर 4 स्थान दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को दिया गया, जिन्होंने अपने करियर के दौरान 228 एकदिवसीय मैचों में 9577 रन बनाए। उनके बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक हैं जिन्होंने 350 पारियों में 11739 रन बनाए हैं। सहवाग ने कहा कि नंबर 4 पर एबी डिविलियर्स हैं। वह जिस तरह से खेलते थे वह मुझे बहुत पसंद आया। वह एकमात्र बल्लेबाज हैं जो असंतुलित होकर छक्के मार सकते हैं। नंबर 3 पर इंजमाम-उल-हक हैं। वह एशिया के सर्वश्रेष्ठ वनडे खिलाड़ियों में से एक हैं। इंजमाम नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आते थे और मैच को नियंत्रित करते थे। इसलिए, मैंने उनसे सीखा कि मैच को अंत तक कैसे ले जाना है।

मोहन के मंत्री का बयान, शिवाजी महाराज नहीं होते तो मेरा नाम कैलाश की जगह कलीमुद्दीन होता

इंदौर। मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गी का छत्रपति शिवाजी महाराज के योगदान पर दिया बयान चर्चा में आ गया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर शिवाजी महाराज नहीं होते तब उनका नाम कैलाश की जगह कलीमुद्दीन होता। दरअसल मंत्री विजयवर्गीय ने शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर आमजन को संबोधित कर बयान दिया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के कारण ही मालवा और उसके आसपास के क्षेत्रों में मुगलों का प्रवेश नहीं हुआ था। अगर शिवाजी नहीं होते, तब आज उनका नाम कैलाश की जगह कलीमुद्दीन होता। मंत्री विजयवर्गीय ने शिवाजी महाराज के अद्वितीय योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका साहस और संघर्ष ही था, जिसके कारण भारत के कई हिस्सों में मुगलों की दखलंदाजी नहीं हुई। विजयवर्गीय ने शिवाजी महाराज की वीरता और उनके योगदान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया, और उनके आदर्शों को जीवित रखने की अपील की।

बंगाल के उत्तर 24 परगना में कुछ मिनटों के लिए आया तूफान, सब कुछ तबाह करके चला गया

उत्तर 24 परगना। उत्तर 24 परगना जिले के गायघाटा क्षेत्र में अचानक आए तूफान ने भारी तबाही हुई है। तेज हवाओं और ओलावृष्टि से करीब 35 कच्चे मकान ढह गए, इसके नीचे दबने से कई लोग घायल हो गए। खड़ी फसलों को भी काफी नुकसान पहुंचा। लोगों का कहना है कि तूफान इतनी तेजी से आया कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। कुछ ही मिनटों में कई घरों की छतें उड़ गईं, दीवारें गिर गईं और खेतों में खड़ी फसलें तहस-नहस हो गईं। स्थानीय निवासी ने बताया कि तूफान ने उनका सब कुछ उजाड़ दिया। उनके घर की छत उड़ गई और खेत पूरी तरह बर्बाद हो गए। इतना ही नहीं उनके कुछ जानवर भी इस तूफान की चपेट में आकर मारे गए। तूफान ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। तूफान कुछ ही मिनटों तक चला, लेकिन उसने सब कुछ नष्ट कर दिया। उनका कहना है कि किसानों को इस आपदा से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उनकी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं और अब खाने तक के लाले पड़ गए हैं। लोगों का कहना है कि उन्हें अभी तक किसी भी तरह की सरकारी राहत नहीं मिली है। वे अपने घरों के नष्ट होने के बाद असहाय महसूस कर रहे हैं और प्रशासन से जल्द मदद की गुहार लगा रहे हैं।

रेलवे स्टेशन और प्लेटफॉर्म पर थूकना और गंदगी फैलाना पड़ेगा मंहगा

-पश्चिम रेलवे ने सख्त कार्रवाई कर 6 लाख का जुर्माना वसूला

मुंबई। मुंबई रेलवे स्टेशन और प्लेटफॉर्म पर थूकना और गंदगी फैलाना अब आपको मंहगा पड़ सकता है। पश्चिम रेलवे ने इसतरह के यात्रियों पर सख्त कार्रवाई कर 6 लाख का जुर्माना वसूला है। इतना ही नहीं पश्चिम रेलवे के डिविजनल मैनेजर पंकज सिंह ने जुर्माने की राशि बढ़ाने के संकेत दिए हैं। बता दें कि रेलवे स्टेशन और प्लेटफॉर्म पर पान और गुटखा खाकर थूकने वालों पर 200 से 500 रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। फिलहाल, यात्रियों से इसके तहत जुर्माना वसूला जा रहा है। अब पश्चिम रेलवे ने स्वच्छता पर अधिक जोर देकर जुर्माना राशि बढ़ने के संकेत दे दिए है। 'ऑपरेशन पवित्रा' के तहत पश्चिम रेलवे के कारोबारी विभाग के अधिकारी स्टेशन के सुपरवाइजर से वीडियो कॉल के द्वारा स्वच्छता का जायजा ले रहे हैं। इस बीच, पश्चिम रेलवे ने मुंबई डिविजन के चर्चगेट से विरार तक की सफाई के लिए 8 हाउसकीपिंग ठेकेदार कंपनियों की नियुक्ति की है, लेकिन स्टेशन पर गंदगी मिलने के कारण उन्हें 17 लाख 84 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

असम में कोयला खदान में फंसे पांच और खनिकों के शव बरामद

गुवाहाटी। असम के दीमा हसाओ जिले में कोयला खदान में फंसे पांच और खनिकों के शव बरामद हुए हैं। खदान में लापता होने के 44 दिन बाद खनिकों के शवों को खदान से बाहर निकाला गया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। बचाव अभियान के दौरान देर शाम तीन शव बरामद हुए, जबकि दो शव दिन में पहले बरामद किए गए थे। ताजा बरामदगी के साथ 6 जनवरी को वहां फंसे सभी नौ खनिकों के शव बरामद हुए हैं। उमरंगशू में खदान में पानी निकालने का काम एक माह से अधिक समय से जारी था और बुधवार को खदान में जलस्तर काफी कम होने से खनिकों के शव को निकालने का अभियान शुरू हुआ। शव बुरी तरह सड़ी गली अवस्था में बरामद हुए जिन्हें गोताखोरों ने बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि शवों की पहचान अभी नहीं हुई है और इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। छह जनवरी को खदान के अंदर पानी भरने से नौ मजदूर फंस गए थे और एक का शव दो दिन बाद बरामद किया गया, जबकि तीन अन्य के शव 11 जनवरी को मिले। जिन खनिकों के शव पहले बरामद किए गए थे, असम सरकार ने उनके परिजनों को 10-10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी है और खदान में फंसे लोगों के परिजनों को छह-छह लाख रुपए दिए गए। राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि खदान में फंसे सभी लोगों के परिवारों को कुल 10-10 लाख रुपए दिए जाएंगे।

हवाई अड्डे पर यात्री का मजाक उसी को पड़ गया भारी

कोच्चि। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री ने हंसी मजाक में बैग में बम होने की बात कही। इसके बाद यात्री हिरासत में ले लिया गया। हवाई अड्डा पर सुरक्षा अधिकारियों ने केरल के कोझिकोड निवासी राशिद को घटना के बाद नेदुम्बस्सेरी पुलिस को सौंप दिया।

नहीं रहूंगी शीशमहल में, बनाएंगे म्यूजियम जनता को करेंगे समर्पित: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी विधायक दल की नेता रेखा गुप्ता ने सीएम पद की शपथ से पहले ही कहा कि शीशमहल को म्यूजियम बनाया जाएगा। बतौर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिस बंगले में रहते थे उसे बीजेपी शीशमहल कहती है। आरोप है कि केजरीवाल ने इस बंगले के पुनर्निर्माण और साज-सज्जा पर करोड़ों रुपए खर्च किए थे। बीजेपी पहले ही तय कर चुकी है कि उनका सीएम इस बंगले में नहीं रहेगा।

बुधवार शाम बीजेपी के प्रदेश कार्यालय में विधायक दल की नेता चुनी गई रेखा गुप्ता ने एक टीवी चैनल से बातचीत में शीशमहल को लेकर कहा कि हम शीशमहल को म्यूजियम बनाएंगे... हम उन सभी वादों को पूरा करेंगे जो पीएम मोदी ने जनता से किए हैं। इस पद के लिए मुझे चुनने के लिए मैं आभार प्रकट करती हूं।

शीशमहल में रहने के सवाल रेखा गुप्ता ने कहा

कि वह उसमें नहीं रहेंगी। वह जनता के खून पसीने की कमाई का महल है। वह जनता को ही समर्पित करेंगी। जनता जाए, उसको देखे और उन्हें हर क्षण इस बात का अहसास होगा कि उनका पैसा कहां खर्च हुआ है। दिल्ली में 6 फ्लैगस्टाफ रोड स्थित इस बंगले को लेकर बीजेपी और आप के बीच लंबे समय से वार-पलटवार चल रहा है। बंगले में कथित तौर पर अवैध रूप से करोड़ों रुपए खर्च किए गए है।

हाल ही में मीडिया में लीक रिपोर्ट में भी ऐसी बातें सामने आई थीं कि सीवीसी ने जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि कोरोना काल में अरविंद केजरीवाल ने आसपास के कई बंगलों को अपने आवास में मिला लिया और करोड़ों रुपए खर्च किए। कथित शराब घोटाले में जेल गए केजरीवाल ने बाहर आने के बाद जब पद से इस्तीफा दिया तो बंगले को खाली कर दिया था। दिल्ली में चुनाव के दौरान भी बीजेपी ने शीशमहल को एक बड़ा मुद्दा बनाया था। खुद पीएम मोदी ने भी रैलियों में इसका जिक्र किया था। बीजेपी दिल्लीवालों को याद दिलाती थी कि किस तरह केजरीवाल राजनीति में आने के समय कहते थे कि वह सीएम बनने पर बड़े बंगले में नहीं रहेंगे।

कांग्रेस नेता ने की रेखा गुप्ता की जमकर तारीफ

नई दिल्ली। दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कांग्रेस के लोग भी तारीफ कर रहे हैं। रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा होते ही जहां उनकी पार्टी और परिवार में जश्न शुरू हो गया तो विपक्षी दलों के नेताओं ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। दिल्ली को एक और महिला सीएम मिलने पर जहां आतिशी मार्लेना ने खुशी जाहिर की तो दूसरी तरफ कांग्रेस नेता अलका लांबा ने भी उनकी तारीफ की है। रेखा गुप्ता को सीएम बनाए जाने की घोषणा के तुरंत बाद अलका लांबा ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जो वायरल हो गया। अलका लांबा और रेखा गुप्ता की एक साथ यह तस्वीर करीब 30 साल पुरानी है। लांबा ने एक्स पर लिखा, 1995 की

यह यादगार तस्वीर- जब मैंने और रेखा गुप्ता ने एक साथ शपथ ग्रहण की थी। मैंने एनएसयूआई से दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी और रेखा ने एबीवीपी से महासचिव पद पर जीत हासिल की थी। रेखा गुप्ता को बधाई और शुभकामनाएं। दिल्ली को चौथी महिला मुख्यमंत्री मिलने पर बधाई और हम दिल्ली वाले उम्मीद करते हैं की मां यमुना स्वच्छ होगी और बेटियां सुरक्षित। अलका लांबा ने कहा कि रेखा गुप्ता वैचारिक मतभेद के बावजूद मुद्दों पर साथ काम करती थीं और ईमानदारी से निरंतर प्रयास करती हैं।

बिहार से कुंभ जा रही ट्रेनों में यात्री ने तोड़े दिए पिछले पुराने रिकॉर्ड

-एक-एक ट्रेन में ऑक्युपेंसी करीब 220-250 प्रतिशत तक

पटना (एजेंसी)। महाकुंभ में यात्री सुविधाओं को लेकर पूर्व मध्य रेलवे ने भी पूरी ताकत लगा दी है। कुंभ के कारण यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखकर पटना, दानापुर, राजेंद्रनगर टर्मिनल व पाटलिपुत्र से रोजाना कुल 12 से 15 स्पेशल ट्रेन चल रही हैं। हालांकि भीड़ इतनी हो रही है कि पटना जंक्शन से खुलने वाली संपूर्णक्रांति, पीएनबी एलटीटी और मगध एक्सप्रेस सहित स्पेशल ट्रेनें पूरी तरह से पैक हो चल रही हैं।

जनरल कोच के मामले में संपूर्णक्रांति, मगध एक्सप्रेस व पटना एलटीटी एक्सप्रेस में अधिकतम ऑक्युपेंसी (सीट के क्षमता से अधिक यात्री सफर) का रिकॉर्ड टूट गया है। रेलवे के आंकड़ों के मुताबिक इन ट्रेनों में ऑक्युपेंसी करीब 220-250 प्रतिशत के तक पहुंच गई है। यानी क्षमता से ढाई गुना तक यात्री इन ट्रेनों में ठूंस कर यात्रा कर रहे हैं।

इन ट्रेनों में सबसे अधिक छठ पूर्व के दौरान यात्रियों की भीड़ होती थी। इस दौरान इन ट्रेनों में अधिकतम ऑक्युपेंसी 165 से 170 प्रतिशत तक देखने को मिलती थी। लेकिन महाकुंभ के चलते यात्रियों की भीड़ ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। प्रयागराज जाने वाली किसी भी ट्रेन में इन दिनों पैर रखने की जगह नहीं है। यात्री स्पेशल ट्रेनों की तुलना में नियमित ट्रेनों में जाना अधिक पसंद कर रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि स्पेशल ट्रेन ज्यादा समय ले रही हैं।

वर्तमान में दानापुर मंडल से रोजाना 10 से 12 ट्रेनों प्रयागराज के लिए रवाना हो रही हैं। इसमें रोजाना करीब 70 से 80 हजार यात्री प्रयागराज कुंभ स्नान करने जा रहे हैं। इतने ही यात्री प्रयागराज कुंभ से वापस पटना व दानापुर मंडल के आसपास के स्टेशनों पर लौट रहे हैं। जंक्शन से पहले अधिकतम डेढ़ लाख यात्री सफर करते थे। लेकिन वर्तमान में इनकी संख्या करीब चार लाख के आसपास पहुंची है।

महाकुंभ 'मुक्ति मेला' है, मनुष्य को ईश्वर से जोड़ता, ममता के बयान पर बंगाल के राज्यपाल ने दिया जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गुरुवार को कुंभ मेले को मुक्ति मेला (स्वतंत्रता मेला) बताया, जिसने मनुष्य को भगवान से जोड़ने वाला एक इंद्रधनुष पुल बनाया। उनका बयान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस दावे के कुछ दिनों बाद आया है कि महाकुंभ भगदड़ की घटनाओं के कारण मृत्यु कुंभ में बदल गया है, उन्होंने दावा किया था कि मेगा धार्मिक सभा में वास्तविक टोल को अधिकारियों द्वारा दबा दिया गया था। मैं किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहता। यह एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है और मुख्यमंत्री को अपनी राजनीतिक स्थिति के आधार पर किसी भी स्थिति का अपना विश्लेषण देने का अधिकार है। बोस ने यहां राजभवन में पत्रकारों से कहा कि मैं

लोकतंत्र की सुंदरता के रूप में इसका स्वागत करता हूं।

जहां तक मेरा सवाल है तो मैं राज्यपाल के तौर पर कोई टिप्पणी नहीं देना चाहता. मैं इस प्रक्रिया में एक विनम्र भागीदार के रूप में वहां गया था। बंगाल के राज्यपाल ने इस सप्ताह की शुरुआत में कुंभ मेले का दौरा किया था और पवित्र जल में डुबकी लगाई थी। बोस ने कुम्भ मेले को मुक्ति मेला और मृत्युंजय मेला बताया। प्रयागराज में मण्डली के बारे में आगे बात करते हुए, बोस ने कहा कि आप जानते हैं, मैं कुंभ मेले को भारत की महान परंपरा की परिणति के रूप में देखता हूं।

कुम्भ ईश्वर से मिलन है। जो साधारण व्यक्ति स्वेच्छा से वहां आये थे। उनमें से लाखों-करोड़ों लोग अपने आप आए क्योंकि वे वहां रहना चाहते थे। मुझे लगता है कि यह एक इंद्रधनुषी पुल है जो धरती को आकाश से, मनुष्य को भगवान से, आंतरिक दुनिया को बाहरी दुनिया से जोड़ता है।

सम्राट चौधरी का दावा, रेखा गुप्ता की सरकार में बिहार के लोगों को मिलेगा सम्मान, निर्मल होगी यमुना

नई दिल्ली/ पटना। (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि श्रीमती रेखा गुप्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही बिहार-यूपी के लोगों को उत्साहजनक संदेश दिए और सारे वादे पूरे करने की क्षमता का विश्वास दिलाया। राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित समारोह के बाद चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री गुप्ता ने शपथ ग्रहण के समय मधुबनी प्रिंट वाली साड़ी पहनी और बक्सर (बिहार) के रहने वाले पंकज सिंह को भी 7 सदस्यीय कैबिनेट में अपना सहयोगी बनाया। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह से ही साफ हो गया कि अब दिल्ली में बिहार के लोगों को सम्मान मिलेगा और यमुना का निर्मलीकरण शीघ्र पूरा होगा। चौधरी ने दिल्ली सरकार के गठन में सभी वर्गों के सम्मान का ध्यान रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व को धन्यवाद दिया।

मोदी के रहते मुमकिन नहीं है 370 की वापसी: सीएम अब्दुल्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के भले ही केंद्र सरकार से अच्छे संबंध बताए जाते हैं लेकिन मौका आने पर उमर अपनी बात कहने से नहीं चूकते हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि यदि मोदी सरकार द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो उनकी सरकार केंद्र के साथ अपने संबंधों को लेकर पुनर्मूल्यांकन कर सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ शब्दों में कहा है कि पीएम मोदी के रहते जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल-370 की वापसी नहीं हो सकती है। दरअसल एक इंटरव्यू के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला से जब यह पूछा गया कि जब तक नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं, क्या जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के बहाल होने की कोई संभावना है? उमर अब्दुल्ला ने साफ शब्दों में कहा कि नहीं, इसकी कोई संभावना नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रति अपनी दृष्टिकोण को लेकर उठाए गए सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने

कहा कि अपने कार्यकाल के पहले कुछ महीनों में केंद्र के साथ एक सहयोगात्मक संबंध स्थापित करना महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, कम से कम मेरी सरकार के पहले कुछ महीनों में मुझे जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए केंद्र सरकार के साथ एक अच्छा कार्य संबंध स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए। 2019 में केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के मुद्दे पर उमर अब्दुल्ला ने अपनी स्थिति को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा की इसकी बहाली के लिए संघर्ष को छोड़ा नहीं गया है। उन्होंने कहा, हमने विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया था जिसमें जम्मू और कश्मीर के स्पेशल स्टेटस को बहाल करने और संवैधानिक गारंटी को फिर से लाने की मांग की गई थी।

बजाज एलियांज लाइफ ने विलंबन विकल्प के साथ गारंटीड पेंशन गोल 2 किया पेश

एजेंसी

रांची : भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने आज बजाज एलियांज लाइफ गारंटीड पेंशन गोल 2 के लॉन्च की घोषणा की, जो एक गैर-लिंक्ड, गैर-भागीदारी वाली तत्काल और विलंबित वार्षिकी योजना है। इसे ग्राहकों को उनकी सेवानिवृत्ति योजना पर नियंत्रण रखने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। उद्योग जगत में पहली बार 30 साल तक के विलंबन की सुविधा के साथ, यह अभिनव पेंशन योजना 35 साल की उम्र से ही व्यक्तियों को अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है, जो प्रारंभिक सेवानिवृत्ति योजना के लिए बेजोड़ लचीलापन प्रदान करती है। बजाज एलियांज लाइफ द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययन से पता चला है कि 77% भारतीय सुरक्षित और तनाव-मुक्त सेवानिवृत्ति के लिए जीवन बीमा को अपना पसंदीदा वित्तीय साधन मानते हैं, जो संरचित सेवानिवृत्ति योजना की ओर बढ़ते बदलाव को दर्शाता है। सर्वेक्षण से यह भी संकेत मिलता है कि युवा पेशेवरों में समय से पहले रिटायरमेंट प्लानिंग के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, क्योंकि वे अपने बाद के वर्षों में वित्तीय सुरक्षा और स्वतंत्रता चाहते हैं। बजाज आलियांज लाइफ गारंटीड पेंशन गोल 2 को इन उभरती हुई ग्राहक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो उद्योग में पहली बार 30 साल की मोहलत अवधि प्रदान करता है। यह व्यक्ति को वित्तीय लचीलापन बनाए रखते हुए जल्दी से अपना रिटायरमेंट कोष बनाना शुरू करने का अधिकार देता है। यह रणनीतिक पेशकश सुनिश्चित करती है कि ग्राहकों का अपनी रिटायरमेंट यात्रा पर नियंत्रण हो, जिससे वे आत्मविश्वास, स्थिरता और मन की शांति के साथ रिटायर हो सकें। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, बजाज आलियांज लाइफ के एमडी और सीईओ श्री तरुण चुघ ने कहा, स्वास्थ्य सेवा में सुधार के साथ, भारत में जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है। आज कई लोग 80 और 90 की उम्र तक भी जी रहे हैं। इसका मतलब है कि कोई व्यक्ति नियमित आय के बिना 25-30 साल बिता सकता है, जिससे रिटायरमेंट प्लानिंग पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। वैश्विक स्तर पर, सेवानिवृत्त लोग अक्सर सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से आय के दूसरे स्रोत पर निर्भर होते हैं, लेकिन भारतीयों को यह लाभ नहीं मिलता है।

विदेश से एमबीबीएस करने के लिए भी नीट यूजी पास करना जरूरी

-सुप्रीम कोर्ट ने एमसीआई के नियम को बरकरार रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश से एमबीबीएस करने के लिए नीट यूजी परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के नियम को बरकरार रखा है। केंद्र की ओर से 2018 में लाया गया यह नियम सुनिश्चित करता है कि विदेश में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्र भारत में मेडिसिन की प्रैक्टिस करने के लिए जरूरी मानकों को पूरा करें। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि यह रेगुलेशन निष्पक्ष व पारदर्शी है और किसी भी वैधानिक प्रावधान या संविधान के खिलाफ नहीं है। अदालत ने कहा कि यह नियम इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1956 के किसी भी प्रावधान के विपरीत नहीं है और न ही किसी भी तरह से मनमाना या अनुचित है। नीट यूजी पास करने की आवश्यकता ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन, 1997 में निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने के अतिरिक्त है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी आर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की।

बता दें कि वर्ष 2018 से उन भारतीय छात्रों के लिए नीट यूजी पास करना अनिवार्य किया गया है जो विदेश से एमबीबीएस कर भारत में डॉक्टरी करना चाहते हैं।

इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने एमसीआई के रेगुलेशन को चुनौती देकर तर्क दिया था कि इस प्रावधान को इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1956 में संशोधन किए बिना लाया गया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने माना कि मेडिकल काउंसिल के पास एक्ट की धारा 33 के तहत रेगुलेशन पेश करने का अधिकार मिला हुआ था।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हमें रेगुलेशन में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार के लिए छूट देने के लिए भी साफ इंकार किया।

पीठ ने कहा, जाहिर सी बात है कि संशोधित रेगुलेशन लागू होने के बाद यदि कोई उम्मीदवार प्राइमरी मेडिकल एजुकेशन लेने के लिए किसी विदेशी संस्थान में एडमिशन लेना चाहता है, तब वे रेगुलेशन से छूट की मांग नहीं कर सकते हैं। ये रेगुलेशन देश के भीतर डॉक्टरी करने के लिए आवश्यक पात्रता मानदंड निर्धारित करते हैं। यह भारत के बाहर कहीं भी डॉक्टरी करने के उनके अधिकार को प्रतिबंधित नहीं करता है।

फैसले का मतलब है कि विदेश में अंडर ग्रेजुएट मेडिकल कोर्स करने के इच्छुक भारतीय छात्रों को अब विदेशी मेडिकल संस्थानों में दाखिले का पात्र होने के लिए नीट यूजी पास करना होगा।

कोई भी भारतीय छात्र डॉक्टरी की डिग्री कहीं से भी लेता है, तब पहले उसे

नीट पास करना होगा। यदि कोई विदेशी नागरिक भारत में मेडिकल की पढ़ाई करना चाहता है, उस विदेशी छात्र को भी नीट पास करना होगा। 2018-19 के सत्र से यह लागू हो गया था। इसमें कहा गया कि विदेशों में मेडिकल पढ़ाई के इच्छुक हों, वे पहले नीट पास कर लें। विदेश जाने के लिए एमसीआई से अहर्ता प्रमाण पत्र लेना होता है। यह प्रमाण पत्र उन्हीं को मिलेगा जो नीट पास कर पाएंगे। यदि कोई बिना नीट पास किए विदेशों से मेडिकल की डिग्री लेते हैं, वहां देश में मान्य नहीं होगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**